RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 189
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सुनिधि चौहान की 'ये रंजिशें'
विविध-12

कोरोना से थोड़ी राहत, तेजी से घटे मरीज

- पिछले 27 दिनों में एक दिन में सामने आए सबसे कम नए मामले
- 24 घंटे में 1,01,461 मरीज कम हुए, 2.81 लाख से अधिक नए संक्रमित, 4106 की मौत

नई दिल्ली में एक दीवार पर कोरोना से जागरूकता के लिए की गयी पेंटिग के सामने से होकर गुजरता व्यक्ति

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 के मामले तेजी से घट रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 24 घंटे में 1,01,461 मरीजों के कम होने के बाद भारत में कोविड-19 का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 35,16,997 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि भारत में इलाज करा रहे कुल 75 फीसदी मरीज कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और छत्तीसगढ़ में हैं। वहीं 2,81,386 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,49,65,463 हो गई। पिछले 27 दिन में एक दिन में सामने आए ये सबसे कम नए मामले हैं। वहीं, संक्रमण से 4,106 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,74,390 हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार की सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी 35,16,997 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 14.09 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से कुल 2,11,74,076 लोग उबर चुके हैं और मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 84.81 प्रतिशत है। वहीं, कोविड-19 से मृत्यु दर 1.10 प्रतिशत है।

देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख रहे और 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार चले गए थे और चार मई को दो करोड़ के पार चले गए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में अभी तक कुल 31,64,23,658 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है। इनमें से 15,73,515 नमूनों की जांच रविवार को की गई। आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 4,106 और लोगों की मौत हुई, जिनमें महाराष्ट्र के 974, कर्नाटक के 403, तमिलनाडु के 311, उत्तर प्रदेश के 308, दिल्ली के 262, पंजाब के 202, उत्तराखंड के 188, राजस्थान के 156, पश्चिम बंगाल के 147, छत्तीसगढ़ के 144, हरियाणा के 139 और आंध्र प्रदेश के 101 लोग थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से अभी तक 2,74,390 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के 81,486, कर्नाटक के 21,837, दिल्ली के 21,506, तमिलनाडु के 17,670, उत्तर प्रदेश के 17,546, पश्चिम बंगाल के 13,284, पंजाब के 11,895 और छत्तीसगढ़ के 11,734 लोग थे। (शेष पेज 9)

लॉकडाउन आया काम, दिल्ली में 5 अप्रैल के बाद सबसे कम केस

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चौबीस घंटे में कोविड-19 में के 4,524 नए मामले सामने आए हैं। यह गत पांच अप्रैल के बाद से एक दिन में सबसे कम नए मामले हैं। पांच अप्रैल को संक्रमण के 3,548 नए मामले दर्ज किए गए थे। इस दौरान संक्रमण दर घटकर 8.42 फीसदी पर आ गई है। इस बीच महामारी से 340 मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से कोविड-19 महामारी के हालात में सुधार हुआ है। पिछले कुछ दिनों में धीरे-धीरे संक्रमण की दर और नए मामलों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी दिल्ली में लागू लॉकडाउन की अवधि गत रविवार को एक और सप्ताह बढ़ाकर 24 मई तक करने का ऐलान किया था। महामारी से निपटने में अभी तक मिली सफलता पर अभी ढील देकर पानी नहीं फेरा जा सकता। (शेष पेज 9)

सरकार ने कोरोनारोधी दवा 2-डीजी जारी की

- कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए उम्मीद की नई किरण

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

कोविड-19 की दूसरी लहर से देश में जारी संघर्ष के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित की गई कोविड-19 रोधी दवा 2-डीजी की पहली खेप सोमवार को जारी की गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के साथ इसे जारी करते हुए कहा कि 2-डीजी दवा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर है। कोविड-19 के मध्यम लक्षण वाले तथा गंभीर लक्षण वाले मरीजों पर 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) दवा के आपातकालीन इस्तेमाल को भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह दवा कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए उम्मीद की किरण ले कर आई है। उन्होंने कहा, यह देश के वैज्ञानिक कौशल का अनुपम उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह

नई दिल्ली में कोरोनारोधी दवा जारी करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन

दुनियाभर में कोरोना की कई दवाओं का चल रहा ट्रायल

राजेश कुमार । नई दिल्ली

कोरोना महामारी के एक साल से अधिक समय होने पर कोविड-19 के इलाज के लिए पूरे विश्व में खाने वाली कई दवाओं का परीक्षण जारी है। यदि ये दवाएं क्लीनिकल ट्रायल में सफल होती हैं तो साल के अंत तक इलाज के लिए उपलब्ध हो जाएंगी। खाने वाली इन दवाओं की सूची में मोलनुपिरवीर, बारिसिटिनिब, कोल्सीसिन, बामलानिविमैब (एलवाई-सीओवी555), क्लोरोक्वीन फॉस्फेट, बेमसेंटिनिब, फिंगोलिमोड, मेटफॉर्मिन, नेफामोस्टैट, फैमोटिडाइन और उमीफेनोविर संयोजन, जुक्लोपेन्थिक्सोल, केवज़ारा (सेरिलुमाब) और नेबिवोलोल शामिल हैं। फाइजर भी कोविड-19 के इलाज में खाने वाली दवा पर काम कर रहा है। इस दवा के भी साल के अंत तक आने की उम्मीद है। (शेष पेज 9)

समय थकने और आराम करने का नहीं है क्योंकि इस महामारी के स्वरूप को लेकर कुछ भी निश्चित जानकारी नहीं है। (शेष पेज 9)

बंगाल में दो मंत्रियों, एक विधायक की गिरफ्तारी के बाद सियासी तूफान

नारद स्टिंग मामला

- ममता ने सीबीआई कार्यालय में छह घंटे तक धरना दिया, समर्थकों ने किया जोरदार प्रदर्शन
- पहले सीबीआई कोर्ट ने गिरफ्तार नेताओं को दी जमानत, बाद में हाईकोर्ट ने दी गई जमानत पर लगाई रोक

कोलकाता में सीबीआई कार्यालय से बाहर निकलतीं ममता बनर्जी।

पायनियर समाचार सेवा । कोलकाता, नई दिल्ली

नारद स्टिंग मामले में सीबीआई ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दो वरिष्ठ मंत्रियों, तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक एवं पार्टी के एक पूर्व नेता को गिरफ्तार किया, जिसके बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एजेंसी के दफ्तर में छह घंटे तक धरना दिया, वहीं उनकी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दफ्तर के बाहर हंगामा किया और राज्य के अनेक स्थानों पर प्रदर्शन किए। बाद में एक विशेष अदालत ने तृणमूल कांग्रेस के नेता और राज्य के मंत्रियों फरहाद हकीम तथा सुब्रत मुखर्जी, पार्टी विधायक मदन मित्रा और पार्टी के पूर्व नेता तथा कोलकाता के पूर्व मेयर शोभन चटर्जी को जमानत दे दी। हालांकि कुछ ही घंटे बाद कोलकाता हाईकोर्ट ने जमानत देने के आदेश पर रोक लगा दी। सीबीआई ने चारों नेताओं और आईपीएस अधिकारी एसएमएच मिर्जा के खिलाफ अपना आरोप-पत्र दाखिल किया था। मिर्जा इस समय जमानत पर हैं। तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर विधानसभा चुनाव में हार के बाद राजनीतिक प्रतिशोध के लिए सीबीआई के इस्तेमाल का आरोप लगाया। (शेष पेज 9)

राज्यों के पास टीकों की दो करोड़ से ज्यादा खुराक उपलब्धः केंद्र

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास इस समय कोविड-19 टीकों की दो करोड़ से अधिक खुराक उपलब्ध हैं, वहीं उन्हें करीब तीन लाख खुराक अगले तीन दिन में मिल जाएंगी। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र ने अभी तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीकों की 20 करोड़ से ज्यादा (20,76,10,230) खुराक निःशुल्क मुहैया कराई हैं। इनमें से 16 मई तक के औसत आंकड़ों के आधार पर कुल खपत 18,71,13,705 खुराकों की हुई है जिनमें बेकार जाने वाले टीके भी शामिल हैं। यह संख्या सोमवार सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों पर आधारित है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास लोगों को लगाने के लिए कोविड-19 टीकों की अभी दो करोड़ से अधिक (2,04,96,525) खुराक उपलब्ध हैं। उसने बताया कि इनके अलावा राज्यों को अगले तीन दिन के भीतर 2,94,660 खुराक और मिल जाएंगी।

तौकते तूफान से विस्थापितों में कोरोना फैलने का खतरा

- चक्रवात से बचाने के लिए लाखों लोगों का हुआ विस्थापन, राहत शिविर में भारी भीड़
- तूफान की तबाही से प्रभावित हुई कोरोना के खिलाफ कई राज्यों की जंग

मुंबई में सोमवार को भीषण चक्रवाती तूफान तौकते से गिरे पेड़ों के बीच गुजरती महिल

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

अत्यंत भीषण चक्रवात तौकते के कारण कोविड-19 से गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, दीव और तमिलनाडु के उन जिलों को बहुत प्रभावित किया है, जहां पहले से दवा, ऑक्सीजन, कोविड वैक्सीन समेत चिकित्सा संसाधानों की कमी का सामना करना पड़ रहा था। लाखों लोगों को राहत केंद्रों में ले जाया गया हैं। भीड़ वाले इन राहत केंद्रों में कोरोना वायरस के प्रसार की आशंका के कारण यह बेहद जोखिम भरा हो सकता है। अगर चक्रवात के कारण लंबे समय तक कोई व्यवस्था नहीं हो पाई तो हालात और भी बदतर हो सकते हैं। इन राज्यों में परिवहन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है और बचाव के इंतजाम किए जा रहे हैं। तोकते चक्रवात तटीय राज्यों केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र में तबाही मचाते हुए आगे बढ़ गया है। इससे अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है।

तूफान से बिजली के खंभे उखड़ने, बिजली आपूर्ति में व्यवधान से प्रभावित राज्यों में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में और देरी हो सकती है। गुजरात में टीकाकरण अभियान 2 दिन के लिए स्थगित किया गया था, अधिकारी सैकड़ों हजारों लोगों को अस्थायी राहत शिविर में सुरक्षित ले जा रहे थे। बृहन्नमुंबई म्युनिसपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) के अधिकारी के अनुसार, निगम ने 60 कोरोना मरीजों को कोविड केंद्र से निकाल कर सरकारी अस्पताल में ले जाया गया। वहीं 243 मरीजों को बीकेसी सुविधा केंद्र में ले जाया गया, 176 को मुलुंड और 184 को दहीशर केंद्र से स्थापित किया गया। गुजरात के द्वारका के खंभालिया जिला अस्पताल देवभूमि से ऑक्सीजन सपोर्ट के 120 मरीजों को अधिकारियों ने बिजली कटने की स्थिति में दो डीजल जेनरेटर की व्यवस्था की गई थी। भावनगर के सभी 35 निजी कोविड अस्पतालों को यह चेतावनी दे दी गई थी कि बिजली कटने पर जनरेटर तैयार रखें ताकि वेंटीलेटर और अन्य चिकित्सा उपकरणों को चालू रखा जा सके। जामनगर सिविल अस्पताल के आठवीं और नौवीं मंजिल के करीब 45 कोविड-19 मरीजों को नीचे वाले तल पर सुरक्षा मानकों को ध्यान मे रखते हुए स्थानांतरित किया गया था। (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,580	↑ 848	
निफ्टी	14,923	↑ 245	
सोना	47,547	↑ 348	/10g
चांदी	71,310	↑ 936	/kg

क्विक न्यूज

कार-मोटरसाइकिलों की टक्कर में पांच की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के गरौठा क्षेत्र मे कार और दो मोटरसाइकिलो के बीच जबरदस्त टक्कर मे पांच लोगों की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक राहुल ने सोमवार को बताया कि 16|17 मई की मध्य रात्रि को गुरसराय से कोटरा की ओर जा रही एक कार की गरौठा थाना क्षेत्र के कुरेठा इलाके के पास सामने से आ रही दो मोटरसाइकिलो के साथ जबर्दस्त टक्कर हो गई। राहुल ने बताया कि इस हादसे मे घनाराम (60), प्रेमचंद (40), धर्मेंद्र (28) तथा कृष्णा (तीन) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि संदीप (30) ने आज मेडिक्ल कॉलेज मे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए है, जिनका मेडिक्ल कॉलेज मे इलाज किया जा रहा है।

दो सौ से अधिक पत्रकार हुए वायरस के शिकार

अर्चना ज्योति । नई दिल्ली

कोविड-19 से सोमवार को पश्चिम बंगाल के शीर्ष संपादक अंजन बंदोपाध्याय का निधन हो गया। इससे दो दिन पहले फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मैनेजिंग एडिटर सुनील जैन की इस वायरस के संक्रमण से जूझते हुए मौत हो गई। सूची बहुत लंबी है। अब तक करीब 200 पत्रकार इस घातक वायरस के शिकार हो चुके हैं। विडंबना यह है कि जब वे आम आदमी के लिए चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए शासन-प्रशासन को झकझोर रहे थे, तो उनमें से कई समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण अथवा वित्तीय संकट के चलते इलाज नहीं करा पाने के कारण मौत के गाल में समा गए। दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ परसेप्शन स्टडीज द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार 1 अप्रैल, 2020 से 10 मई, 2021 के बीच कोविड-19 के

कारण 171 पत्रकारों की मौत हुई है। हालांकि, इस साल अप्रैल का महीना पत्रकारिता जगत के लिए सबसे खराब रहा है। भारत में दूसरी लहर के दौरान केवल इन 30 दिनों में ही कम से कम 55 पत्रकारों ने जान गंवा दी।

उदाहरण के लिए आजतक चैनल से जुड़े टेलीविजन पत्रकार नीलांशु शुक्ला, आज तक के ही प्रसिद्ध एंकर रोहित सरदाना, सिलीगुड़ी में हिमालय दर्पण के वरिष्ठ पत्रकार मणि कुमार राय, मलयाला मनोरमा के वरिष्ठ पत्रकार डी विजयमोहन, कवि और पत्रकार मंगलेश डबराल, वरिष्ठ पत्रकार राजीव कटारा, नोएडा के पंकज शुक्ला, टीवी पत्रकार शंकर सुमन, दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार राकेश तनेजा और द पायनियर के डिप्टी न्यूज एडिटर अजय कुमार का भी इसी महामारी के कारण निधन हो गया।

कोविड के कारण जान गंवाने वाले पत्रकारों की वास्तविक संख्या और भी अधिक हो सकती है, क्योंकि छोटे अखबारों के कई अनजाने चेहरे, फ्रीलांसर और पत्रकार लॉकडाउन के बावजूद स्थानीय स्तर पर रिपोर्टिंग करते हुए कोरोना के शिकार हुए। भुवनेश्वर स्थित टेलीविजन पत्रकार प्रबीर कुमार प्रधान, त्रिपुरा के जितेंद्र देबबर्मा, मैसूर के पवन हेत्तूर, पटना के फोटो जर्नलिस्ट कृष्ण मोहन शर्मा, असम के पत्रकार धनेश्वर राभा, लुधियाना के वयोवृद्ध पत्रकार अश्विनी कपूर, गुवाहाटी से ऑल इंडिया रेडियो के समाचार प्रस्तोता गोलाप सैकिया, इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार मनोज बिनवाल उन कुछ अन्य लोगों में शामिल हैं, जो कोरोना के हमले से नहीं बच सके। देशभर में पत्रकार बिरादरी पहले से ही कोविड से उत्पन्न आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। कई लोगों की नौकरी चली गई है तो कई को छंटनी का डर है। (शेष पेज 9)

पत्रकारों को मिले कोरोना योद्धा का दर्जाः पीसीआई

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) ने केंद्र और राज्य सरकारों से आग्रह किया है कि कोविड-19 से मरने वाले पत्रकारों को डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के समान ही कोरोना योद्धा के रूप में मान्यता दी जाए। पीसीआई ने पत्रकारों के लिए एक ग्रुप बीमा योजना के लिए भी सरकार पर दबाव बनाया था। हालांकि उड़ीसा, हरियाणा, उत्तराखंड और असम जैसे कई राज्यों ने पत्रकारों को कोरोना योद्धा घोषित कर दिया है, लेकिन कई अन्य राज्य ऐसा करने में पीछे छूट गए हैं। अफसोस की बात है कि कई पत्रकार कोरोना वायरस के शिकार हुए और कई अस्पतालों में भर्ती हैं, लेकिन अस्पताल के भारी बिलों का भुगतान करने के लिए राज्य सरकारों या किसी अन्य संस्थान ने कोई पहल नहीं की है। वे अकेले ही अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

सरकार ज्यादा कंपनियों को दे टीका बनाने की मंजूरीः स्वदेशी जागरण मंच

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषांगिक संगठन स्वदेशी जागरण मंच ने एक हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है जिसमें सरकार से और दवा कंपनियों को कोविड-19 टीकों एवं दवाओं के उत्पादन के लिए अनिवार्य लाईसेंस देने के लिए अपने संप्रभु अधिकारों का इस्तेमाल करने की अपील की गई है।

मंच ने सोमवार को कहा, मानवता इन दिनों कोविड-19 की दूसरी लहर के चलते भयंकर चिकित्सा संकट से जूझ रही है। इस स्थिति से निपटने के लिए देश को पर्याप्त टीकों, दवाइयों और भिन्न भिन्न प्रकार के चिकित्सा उपकरणों की जरूरत है। पेंटेंट सुरक्षा इन दवाओं के जेनेरिक उत्पादन में एक बड़ी बाधा है। उसने लोगों से उसके प्रतिवेदन पर हस्ताक्षर करने की अपील की जिसमें सरकार से अन्य दवा कंपनियों को टीकों एवं दवाइयों के उत्पादन के लिए अनिवार्य लाइसेंस देने के लिए अपने संप्रभु अधिकारों के इस्तेमाल समेत जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। मंच ने कहा कि वह समझता है कि सरकार को आने वाले दिनों में पेंटेंट कानून में जन स्वास्थ्य सुरक्षामानकों का इस्तेमाल करने तथा और कंपनियों को इन दवाओं का उत्पादन करने की अनुमति देने की जरूरत है। उसने कहा, चूंकि हमें अगले छह महीने में टीके की करीब दो अरब खुराक की जरूरत हो सकती है, इसिए हमें इन टीकों के विनिर्माण में और कई कपंनियों को शामिल करने की जरूरत है। मंच ने कहा, यह कहते हुए खुशी है कि कोवैक्सीन एवं रेमडेसिविर के लिए पहले ही कई कपंनियों को लाइसेंस दिया गया है। हमें इन प्रयासों को कई गुणा बढ़ाना पड़ सकता है। (शेष पेज 9)

सीएम के दौरे के बाद हरकत में आए अधिकारी

टीकाकरण, सैनिटाइजेशन और लॉकडाउन के पालन पर जोर

डीएम ने निगम, स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कलैक्ट्रेट में अधिकारियों की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले में दौरे के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सोमवार को नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कोरोना प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन कराएं। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीकरण कराकर और स्लॉट बुक कराकर जनपद में अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण कराना सुनिश्चित कराएं।

डीएम कोरोना की तीसरी लहर को लेकर भी गंभीर हैं। उन्होंने जनपद में फॉगिंग और सेनिटाइजेशन का कार्य व्यापक स्तर पर किए जाने और आईएलआई (इनफ्लूएंजा लाइक इलनेस) और सारी (सीवियर एक्यूट रेसपिरेटरी इनफेक्शन) के लक्षण युक्त अधिक से अधिक व्यक्तियों को मेडिसिन किट के वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया टीकाकरण की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने के लिए 21 मई से वर्ल्ड स्क्वायर मॉल में लोगों को ड्राइव थ्रू प्रक्रिया के द्वारा टीके लगाए जाएंगे। लाभार्थी को उसकी गाड़ी में ही टीका लगाया जाएगा और आधे घंटे तक गाडी में ही चिकित्सक की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि अधिक लोगों के संपर्क में रहने के कारण पत्रकारों और उनके परिवारजनों को जल्द वैक्सीन लगवाई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद भ्रमण के अगले दिन सोमवार को कोरोना संक्रमण को रोकने एवं संक्रमित मरीजों का प्रोटोकॉल के अनुरूप इलाज संभव कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने अहम बैठक बुलाकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोरोना प्रोटोकॉल का शत- प्रतिशत पालन कराना सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने निर्देशित किया कि टीकाकरण के संबंध में प्रॉपर रजिस्ट्रेशन करा कर स्लॉट बुक कर अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण करवाना सुनिश्चित कराएं। इसके लिए उन्होंने संबंधित क्षेत्र के उप जिलाधिकारियों तथा इंसीडेंट कमांडर को संपूर्ण व्यवस्थाएं एवं वैक्सीन की उपलब्धता रखने के निर्देश दिए।

डीएम द्वारा संक्रमण की तीसरी लहर की संभावना को लेकर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह पीएचसी, सीएचसी एवं हेल्थ वैलनेस सेंटर पर संपूर्ण तैयारियां कराना सुनिश्चित कराएं। जिसमें अधिक से अधिक टेस्टिंग, आईएलआई-सारी लक्षण युक्त लोगों को शीघ्र दवा किट वितरण कराया जाए।

उन्होंने सीएमओ को निर्देशित किया कि संक्रमण की रोकथाम के लिए दवाइयों की उपलब्धता निरंतर बनी रहे एवं किसी भी प्रकार से कालाबाजारी होने न पाए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। यदि कोई ऐसा प्रकरण संज्ञान में आता है तो उसके विरुद्ध महामारी अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रक्रिया अपनाई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष कुमार वैश्य, सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता, कोविड नोडल डॉ. आरके गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एक कॉल पर मिलेगा ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर

सुबह 8 से शाम 8 बजे तक भेजनी होगी फोन पर रिक्वेस्ट, दो घंटे में घर पहुंचाएगा प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

संबंधित नाम	नंबर
एके जैन	9205691612
प्रदीप कुमार	9205691763
रोहित सिंह	9205691601
राजेश कुमार	9582793787

होम आइसोलेशन में कोरोना का इलाज करा रहे मरीजों को राहत देने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने रविवार से ऑक्सीजन मोबाइल बैंक की शुरुआत की। इसके तहत मरीज और परिजन घर बैठे ही ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर मंगा सकते हैं। उन्हें दिए हुए नंबरों पर कॉल कर अपनी जानकारी देनी होगी। इन नंबरों पर सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक संपर्क कर अपनी रिक्वेस्ट दी जा सकती है। इसके बाद दो घंटे में मरीज की जरूरत का उपकरण प्राधिकरण पहुंचाएगा।

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु महेश्वरी ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में अथॉरिटी शहर के निवासियों के साथ है। उनकी मुश्किल कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में प्राधिकरण ने 5 लीटर का ऑक्सिजन सिलेंडर और 5 लीटर प्रति मिनट क्षमता के ऑक्सिजन कंसंट्रेटर कॉल पर उपलब्ध कराने की शुरुआत की है। निवासी प्राधिकरण के दिए हुए मोबाइल नंबर पर अधिकारियों से संपर्क कर इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बताये गए पते पर 2 घंटे में पहुचाया जाएगा।

हालांकि सुविधा लेने से पहले निवासियों को भुगतान करना होगा। छोटे ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए 2500 रुपए देना होगा। इसके अलावा 200 रुपए गैस की जमानत राशि के तौर पर जमा करना होगा। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के लिए 7500 रुपए जमानत राशि रखी गई है। सेवा के लिए एक आईडी प्रुफ्र भी देना होगा। ऑक्सीजन सिलेंडर इस्तेमाल करने के 1 दिन बाद और कंसंट्रेटर एक हफ्ते के अंदर वापस करना होगा।

होम आइसोलेशन में मरीजों को घर पर मिलेगा खाना

नोएडा। ग्रेटर नोएडा शहर में होम आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे कोरोना मरीजों के लिए अच्छी खबर है। यदि उनके घर में खाना बनाने के लिए कोई नहीं है। किसी कारण से खाना नहीं बनाया जा रहा है। ऐसे लोगों के लिए सेक्टर बीटा-1 में रहने वाले लालचंद भगत परिवार ने निशुल्क सुबह-शाम घर का खाना बनाकर पहुंचाने की सेवा शुरू की है।

लालचंद भगत परिवार के सदस्य केएम चौधरी ने बताया कि कोरोना पीड़ित को नाम, पता, टेलीफोन नंबर, होम आसोलेशन में रहने की डेट, कोरोना पॉजेटिव की रिपोर्ट, इलाज हॉस्पिटल, कितने लोगों के लिए कितने दिनों तक खाना पहुंचाना है यह बताना होगा। इसके लिए मोबाइल नंबर 9580509207 पर आर्डर बुक कराना होगा।

तीमारदारों को दवा लाने के लिए नहीं किया जा सकता बाध्य

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- दवा प्रबंध करने की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की : डीएम

जिला प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसके तहत अब अस्पताल में भर्ती कोरोना रोगी के किसी भी तीमारदार को दवा लाने के लिए नहीं कहा जाएगा। दवा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी अस्पताल की तय कर दी गई है। इसके अलावा यदि कोई दवा मार्केट में नहीं मिलती है तो अस्पताल प्रशासन इसके लिए जिला प्रशासन से संपर्क कर दवाई खुद उपलब्ध कराएगा। इस आशय के आदेश जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे ने सोमवार शाम जारी कर दिए हैं।

डीएम ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से जिले के सभी निजी चिकित्सालय को ताकीद कर दिया है कि इस आदेश का उल्लंघन हुआ तो कड़ी कार्रवाई होगी। इसके अलावा जिले के सभी चिकित्सालयों को यह भी निर्देश दिए हैं कि वे प्रतिदिन जिला मुख्यालय स्थित कोविड नियंत्रण कक्ष को अपने यहां बेड की स्थिति से भी अवगत कराएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि निजी चिकित्सालय ज्यादातर दवाओं की पर्ची लिखकर रोगियों के तीमारदारों को थमा देते हैं और वह मार्केट में दवा ढूंढते रहते हैं और उन्हें दवा नहीं मिलती है, यह दायित्व अस्पताल प्रबंधन का है।

खास बात यह है कि ताजा निर्देशों के तहत अब कोई भी मरीज यदि अस्पताल में भर्ती होता है और वह अपना बिल चुकाने में असमर्थ है तो उसका इलाज नहीं रोका जाएगा।

गाजियाबाद के अस्पतालों में 819 बेड खाली

गाजियाबाद। कोविड अस्पतालों में खाली बेड के लिए मारामारी थम गई है। इसका अंदाजा प्रदेश सरकार की कोविड अस्पतालों में बेड की उपलब्धता से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध डाटा से साफ पता चल रहा है। प्रशासन ने जो डाटा उक्त वेबसाइट पर डाला है, उसके हिसाब से जिले के विभिन्न अस्पतालों में वर्तमान में 819 बैड खाली हैं।

यह सभी अलग-अलग श्रेणी के बेड हैं, यानि इसमें ऑक्सीजन, वेटिलेंटर और सामान्य तरह के बेड शामिल हैं। इस वेबसाइट पर प्रशासन ने करीब 2 दर्जन अस्पतालों का डाटा जारी किया है। इनमें कोविड केयर सेंटर, संतोष और रामा मेडिकल कॉलेज में चल रहे सेंटर और अस्पताल भी शामिल हैं। इससे अब शहर के लोगों को यह पता चलेगा कि किस अस्पताल और कोविड केयर सेंटर में कितने बैड खाली हैं।

नोएडा में कोरोना के 457 नए मामले मिले, 7 लोगों की मौत

- पिछले 24 घंटे में 856 मरीज हुए ठीक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

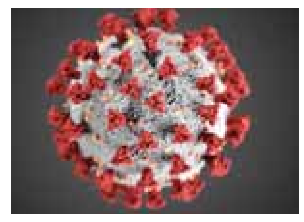

कोरोना का दंश झेल रहे गौतमबुद्धनगर में हालात दिनों दिन सुधर रहे हैं। सोमवार शाम को जारी रिपोर्ट के मुताबिक जनपद में वायरस संक्रमण के 457 नए मामले सामने आए हैं। जबकि पिछले 24 घंटे में करीब इससे दोगुने 856 मरीज ठीक होने के बाद अस्पतालों से डिस्चार्ज होकर घर लौट गए हैं। लंबे वक्त के बाद कोरोना की वजह से होने वाली मौतों की संख्या भी कमी आई है।

सोमवार को नोएडा में महामारी की वजह से 7 लोगों की जान गई है। गौतमबुद्धनगर के जिला निगरानी अधिकारी ने बताया कि इस वक्त जनपद के विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटाइन सेंटर में 6008 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। सोमवार को जनपद में कुल 457 नए कोविड मरीजों की पुष्टि हुई है। जबकि महामारी ने 7 लोगों की जान ली है। अधिकारी ने बताया कि पिछले 24 घंटे में विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटीन सेंटर से ठीक होने के बाद 856 लोगों को घर भेज दिया गया है। हालांकि सोमवार को हुई मौतों के साथ जनपद में कोरोना की वजह से कुल 392 मरीजों की जान जा चुकी है। जिले में अब तक कुल 53544 लोग महामारी को मात दे चुके हैं और घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रात्रिकालीन सफाई कर्मचारियों से बातचीत कर उनका हाल लेते नगर आयुक्त।

नगर आयुक्त ने सफाईकर्मियों का जाना हाल

गाजियाबाद। कोरोना काल मे नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर रविवार रात शहर की सड़कों पर उतरे तथा रात्रि कालीन सफाई व्यवस्था देख रहे कर्मचारियों का उनके पास जाकर उनका व उनके परिवार वालों का हाल चाल जाना। तंवर ने राजनगर, कविनगर, गोविंदपुरम, घंटाघर, सेक्टर 23 संजय नगर अन्य स्थलों समेत कवि नगर तथा सिटी जोन का जायजा लिया गया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा कोविड-19 काल में कार्य करने में परेशानी के बारे में पूछा गया तथा उनके उत्साह को बढ़ाया गया। साथ ही वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया साथ ही किसी भी प्रकार की वैक्सीन लगवाने में हर संभव सहायता देने के लिए भी कहा।

जनरल सॉलिसिटर संजय जैन को हॉस्पिटल में केक खिलाते डॉक्टर डॉ. अनुज।

कोरोना संक्रमित का अस्पताल में मनाया जन्मदिन

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल कौशंबी के डॉक्टरों ने देश के जनरल सॉलिसिटर संजय जैन को बड़ा सरप्राइज दिया। काफी दिन से कोरोना संक्रमण और उसके बाद की जटिलताओं से जूझ रहे जैन उस समय हैरान रह गए जब हॉस्पिटल स्टॉफ अचानक उनके जन्मदिन का सरप्राइज केक लेकर कोविड वार्ड में पहुंच गए और उन्हें बर्थडे और जल्द स्वस्थ होने के लिए शुभकामनाएं दीं। जैन ने अस्पताल में ही केक काटकर अपना 59वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान उनकी कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुकी उनकी पत्नी अंजू जैन भी वहां मौजूद रहीं।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

नोएडा। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार ने बताया कि ग्राम जलपुरा के रहने वाले राजू, उनकी पत्नी मीनू तथा भाभी रूबी 16 मई को मोटरसाइकिल पर सवार होकर थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र की कच्ची सड़क के पास से गुजर रहे थे तभी अज्ञात कार चालक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। उन्होंने बताया टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल और कार में आग लग गई। इसमें मोटरसाइकिल सवार राजू, मीनू गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि रूबी की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सोमवार को दोनों की मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

कोरोना संकट से बिजली बिल के भुगतान में कमी आई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में कोरोना की वजह से जिंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। इसका असर सभी विभागों पर भी पड़ा है। खासकर विद्युत निगम को कोरोना की वजह से दोहरी मार पड़ी है। पहले निगम के ज्यादातर कर्मी संक्रमण की चपेट में आ गए।

अब लॉकडाउन और महामारी के खौफसे लोग काउंटर पर जाकर बिल जमा करने में हिचक रहे हैं। मगर विद्युत विभाग भी सक्रिय हो गया है। विद्युत निगम ने लोगों से घर बैठे ऑनलाइन बिल जमा करने की अपील की है।

विभाग ने ऑनलाइन प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही उपभोक्ताओं को भुगतान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए पोस्टर जारी कर बिल जमा करने के प्रक्रिया को समझाया गया है। उपभोक्ता ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। इसके बाद अपने बिल पर दिए नम्बर से सीधे भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं को वेबसाइट पर किसी तरह के लॉगिन या रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं है।

शासनादेश के बावजूद तहसीलों में शुरू नहीं हुआ कामकाज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शासन के निर्देशों के बावजूद जनपद की तीनों तहसीलों में सोमवार से कामकाज शुरू नहीं हो सका है। तीनों तहसील में काम करने वाले अधिवक्ताओं ने साफ कर दिया है कि जब तक कोरोना संक्रमण बेअसर नहीं होगा, तब तक कोई भी कामकाज तीनों तहसीलों में नहीं होगा।

खास बात यह है कि गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में प्रतिदिन करोड़ों का कामकाज होता है और सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व मिलता है। उत्तर प्रदेश शासन ने जनपद की तीनों तहसीलों सदर गाजियाबाद, मोदीनगर, लोनी में सोमवार से घोषित गाइडलाइन के तहत कामकाज शुरू करने का निर्देश दिया था।

सहायक महानिरीक्षक निबंधन कृष्ण कुमार मिश्र ने इस संबंध में सभी तहसीलों को लिखित में निर्देश जारी किए थे और यह भी ताकीद किया था कि गाइडलाइन के तहत लॉकडाउन नियमावली का अनुपालन किया जाए और सोशल डिस्टेंस के तहत तीनों तहसीलों में सोमवार से कामकाज शुरू करने की बात कही गई थी।

उधर, सदर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने साफ कर दिया है कि जब तक कोरोना संक्रमण का प्रभाव बेअसर नहीं हो जाता है तब तक कोई भी कामकाज तहसील परिसर में नहीं होगा। उन्होंने बताया कि अब तक तहसील परिसर में कार्य करने वाले लगभग नौ अधिवक्ता व उनके सहयोगी कोरोना संक्रमण के कारण मारे जा चुके हैं। इसी क्रम में बार के पूर्व उपाध्यक्ष रामानंद गोयल ने कहा कि सरकार राजस्व देने वाली संस्थाओं को खतरे में झोकना चाहती है। जब पूरे प्रदेश में लॉकडाउन लगा हुआ है तो तहसीलों को खोलने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि जनपद के पूरे बाजार बंद है और कोई भी व्यापार नहीं हो रहा है तो तहसीलों को खोलने का कोई भी तर्क नहीं बनता है।

- बार ने कहा-लोगों की जिंदगी बचाना जरूरी

कॉकटेल पार्टी कर रहे 10 पर मुकदमा दर्ज

कोविड नियमों को ताक पर रखकर बीजेपी नेता ने दी थी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

- वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में पुलिस

नगर स्थित एक प्लाजा में कोविड़ -19 के चलते कॉकटेल पार्टी कर रहे लोगों पर सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए होटल मालिक सहित 10 पत्रकार व कुछ अन्य अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित आर.के. प्लाजा में रविवार रात एक बीजेपी नेता ने कोविड़ नियमों को ताक पर रखकर पत्रकारों को कॉकटेल पार्टी में निमन्त्रण दिया था। जिसकी वीडियो दिनभर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। पुलिस ने बताया कि यह आयोजन सुयांश वाशिष्ठ ने किया था।

हालांकि पुलिस ने होटल मालिक अजय कंसल व 10 पत्रकार तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। मामले में बीजेपी नेता सुयांश वशिष्ठ ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें षडयंत्र के तहत फंसाने का आरोप लगाया है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अध्यक्ष शक्ति ठाकुर ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है कोरोना महामारी में पार्टी करना व कोविड़ 19 के नियमों का उलंघन करना गलत है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों कार्यवाही न कर कार्यक्रम का आयोजन करने वाले व होटल मालिक पर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए।

कमला नेहरू नगर स्थित एनडीआरएफ आठवीं बटालियन के जवान चक्रवाती तूफान से निपटने के लिए तैयारी करते हुए।

चक्रवाती तूफान से निपटने को एनडीआरएफ अलर्ट

गाजियाबाद। दक्षिण भारत के कई राज्यों में चक्रवती तूफान की भयावह स्थिति को देखते हुए गाजियाबाद के कमला नेहरू नगर स्थित एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन की 5 टीमों को अति सतर्क कर दिया गया है और पांचों टीमों को विशेष तैयारी के साथ ऑपरेशन के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है।

एनडीआरएफ प्रवक्ता नरेश चौहान ने बताया कि तूफान प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव के लिए इन टीमों को तैनात किया जाएगा। संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 5 टीमों में तैनात जवानों को विशेष फेस शिल्ड से लैस किया जाएगा।

जावली में दस बेड का आइसोलेशन वार्ड शुरू

गाजियाबाद। लोनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जावली में डॉ आंबेडकर सामुदायिक भवन में दस बेड का आइसोलेशन वार्ड शुरू किया गया है। इसका उद्घाटन पूर्व विधायक मदन भैया ने किया। इस सेंटर में डॉक्टर भी उपलब्ध होंगे और यहां सभी प्रकार की दवाइयां भी आइसोलेशन सेंटर में उपलब्ध होंगी।

आइसोलेशन वॉर्ड में ऑक्सीजन की भी व्यवस्था सभी बेड के साथ की गई है। ग्राम प्रधान ने बताया कि आने वाले दो दिन में वैक्सीन टीकाकरण शुरू हो जाएगा। आसपास के ग्रामवासियों ने इस कार्य की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्य को हर गांव में होना चाहिए जिससे कि इस बीमारी से लोगों को बचाया जा सके।

नोएडा और ग्रेनो के लोग ड्राइव इन में लगवाएं वैक्सीन

सोमवार को दो केद्रों पर टीका लगवाने के लिए छह मिनट में ही बुक हो गए सारे स्लॉट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के निवासियों के लिए बड़ी खबर है। कोरोनावायरस के संक्रमण से पार पाने के लिए वैक्सीनेशन को रफ्तार दी जाएगी। जिला प्रशासन ने 45 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए ड्राइव-इन वैक्सीनेशन सेंटर शुरू किए हैं। मतलब, अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोग कार में बैठे-बैठे वैक्सीन लगवा सकते हैं।

खास बात यह है कि रविवार को स्लॉट बुकिंग शुरू की गई हैं। बुकिंग शुरू होने के महज 16 मिनट में सोमवार का पूरा स्लॉट खत्म हो गया। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने के लिए ड्राइव इन सेंटर शुरू किए गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अभी एक-एक ड्राइव इन सेंटर बनाया गया है। इन दोनों सेंटर पर 45 वर्ष से अधिक आयु के लोग वैक्सीनेशन करवा सकते हैं।

डीएम ने बताया कि यह वैक्सीनेशन पूरी तरह से निशुल्क किया जा रहा है। गौतमबुद्धनगर का स्वास्थ्य विभाग प्रदेश शासन की ओर से फ्री वैक्सीनेशन कर रहा है, लेकिन इस सुविधा का लाभ लेने के लिए लोगों को अपॉइंटमेंट लेना अनिवार्य होगा। अपॉइंटमेंट कोविन ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करके स्लॉट बुकिंग होगी। जब वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचेंगे तो मोबाइल पर वेरिफि केशन के लिए एक वन टाइम पासवर्ड आएगा। कर्मचारी को यह ओटीपी बताना होगा। डीएम ने बताया कि वैक्सीनेशन कार में बैठे-बैठे कर दिया जाएगा, लेकिन वैक्सीन लगवाने के बाद 30 मिनट अंडर ऑब्जर्वेशन के लिए वहीं रुकना होगा। इसके लिए ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर पर पार्किंग का इंतजाम किया गया है।

निर्धारित पार्किंग में कार खड़ी करके 30 मिनट बाद घर जा सकते हैं। अगर वैक्सीनेशन के बाद किसी व्यक्ति को परेशानी हो तो तुरंत अपनी कार की हैजर्ड लाइट जलाएं या हॉर्न बजाकर मेडिकल स्टाफको अलर्ट कर दें। मेडिकल स्टाफऐसी कार में सवार व्यक्ति के पास तत्काल स्वत: पहुंच जाएंगे। ड्राइव इन वैक्सीनेशन करवाने के लिए जब जाएं तो कोई फोटो युक्त पहचान पत्र और मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य है।

यह है वैक्सीनेशन सेंटर और समय

- नोएडा में सेक्टर-18 डीएलएफ मॉल का ईस्ट गेट
- ग्रेटर नोएडा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कंपलेक्स

रोजाना सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक वैक्सीनेशन होगा

इन बातों का ख्याल रखें

- सेंटर पर जाकर अपने वाहन से बाहर नहीं निकलें
- सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पूरी तरह पालन करें
- डबल मास्क लगाकर ही ड्राइव इन सेंटर पर जाएं
- वैक्सीनेशन पूरी तरह निशुल्क है, किसी को पैसा ना दें
- ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट और स्लॉट लिए बिना नहीं पहुंचे

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

केंद्र का 18+ के लिए वैक्सीन देने से इनकार

बचा है सिर्फ तीन दिन का स्टॉक, वैक्सीन न मिली तो बंद करने पड़ेंगे टीका केंद्र : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में वैक्सीन की किल्लत पर जमकर सियासत हो रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार लगातार केंद्र सरकार को वैक्सीन की सप्लाई के मुद्दे पर घेर रही है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को कहा कि वैक्सीन की भारी कमी है। 18 से 44 साल के लोगों के लिए सिर्फ तीन दिन के लिए वैक्सीन बची है।

अगर केंद्र सरकार इस उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन नहीं उपलब्ध कराती है तो दिल्ली सरकार को मजबूरन सारे वैक्सिनेशन सेंटर बंद करने पड़ेंगे। सिसोदया ने केंद्र सरकार द्वारा मिली एक चिट्ठी का हवाला देते हुए बताया कि केंद्र सरकार मई महीने में दिल्ली को 45 साल से ऊपर वालों के लिए 3.83 लाख वैक्सीन दे रही है। लेकिन 18-44 आयुवर्ग के लोगों के लिए कोई वैक्सीन नहीं मिल रही है।

मनीष सिसोदिया ने डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में केंद्र सरकार से दिल्ली के लिए वैक्सीन की पर्याप्त आपूर्ति करने की मांग की। साथ ही वैक्सीन आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए सभी राज्यों को आवंटित किए गए वैक्सीन के डेटा को सार्वजनिक करने का अनुरोध किया। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सामने 3 मांग रखी। पहली, केंद्र सरकार 18-44 आयुवर्ग के लोगों के लिए पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराए या कम से कम 45 साल से अधिक आयुवर्ग के लिए जितनी वैक्सीन दे रहे है उतना 18-44 आयुवर्ग के लिए भी दे। दिल्ली सरकार उसे खरीदने के लिए तैयार है। दूसरी, भारत में जितनी भी वैक्सीन का उत्पादन हो रहा है और राज्यों को जितना आवंटन किया जा रहा है उसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाए ताकि आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता आ सके। ताकि यह पता चल सके कि राज्यों को कितनी वैक्सीन मिली, सरकारी अस्पतालों और निजी अस्पतालों को कितनी वैक्सीन मिली। तीसरा, केंद्र सरकार बताए कि जून और जुलाई के महीने में कितनी वैक्सीन मिलेगी ताकि उसके अनुसार वैक्सीनेशन की योजना बना सके।

सिसोदिया ने कहा कि टीकाकरण का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। सोमवार से 45 साल से अधिक आयुवर्ग के लोगों के लिए वैक्सीन केंद्रों को अस्पतालों से स्कूलों में शिफ्ट किया गया है ताकि वैक्सीनेशन को और गति मिल सके।

हाईकोर्ट सख्त, कोविड-19 की दवाओं की जमाखोरी न करें नेता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● अदालत ने कहा- उम्मीद है सभी नेता दवाएं लौटा देंगे

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं, जिनकी पहले से कमी है, जमा करने का काम सियासी नेताओं का नहीं है और उम्मीद की जाती है कि वे दवाएं लौटा देंगे।

अदालत ने कहा कि ऐसा बताया गया है कि ये दवाएं जनता की भलाई के लिए खरीदी गईं हैं, न कि सियासी फायदे के लिए इसलिए नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे कोविड-19 दवाओं के अपने भंडार दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) को सौंप देंगे ताकि सरकारी अस्पतालों में जरूरतमंदों के बीच इनका वितरण किया जा सके।न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दिल्ली पुलिस द्वारा पेश की गई उस स्थिति रिपोर्ट पर नाराजगी जाहिर की जो राष्ट्रीय राजधानी में रेमडेसिविर तथा कोविड-19 की अन्य दवाओं की नेताओं द्वारा जमाखोरी तथा वितरण के आरोपों के संबंध में की गई जांच से संबंधित थी।

अदालत एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि नेता बड़ी मात्रा में कोविड-19 दवाओं को खरीद रहे हैं और उन्हें वितरित कर रहे हैं जबकि मरीज इन दवाओं के लिए दर-दर भटक रहे हैं। याचिका में इस बारे में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है।

ऑक्सीजन की कमी से गई जान परिजनों को मुआवजे की पहल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● उच्च न्यायालय ने केंद्र और दिल्ली सरकार को दिशा-निर्देश बनाने का दिया आदेश

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को एक याचिका को आवेदन मानकर कदम उठाने का निर्देश दिया। इस याचिका में कोरोना संक्रमण और ऑक्सीजन की किल्लत के कारण जान गंवाने वाले मरीजों के परिवारों को मुआवजा प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश बनाने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल ओर न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा कि मुआवजा प्रदान करना नीतिगत फैसला है और अदालतें इसमें दखल नहीं दे सकती हैं।

अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वकील पूरव मिद्धा याचिका को आवेदन मानकर विधि सम्मत नियम-कायदों और इस तरह के मामलों में तथ्यों के मुताबिक सरकार की नीति के अनुसार फैसला करें।

पीठ ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि जितनी जल्दी संभव हो इस संबंध में व्यवहारिक फैसला करना चाहिए।

अपनी याचिका में मिद्धा ने सुझाव दिया कि आर्थिक तंगी झेल रहे ऐसे परिवारों जिन्होंने कोविड-19 के कारण परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य खो दिया, उन्हें मुआवजा राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष या प्रधानमंत्री राहत कोष पीएम केयर्स के जरिए दिया जाये।

उन्होंने कहा कि चूंकि कोविड-19 के पीड़ितों की संख्या खतरनाक स्तर पर बढ़ रही है ऐसे में सरकार को इन परिवारों की सहायता के लिए मुआवजा योजना बनानी चाहिए।

व्यवस्थित तरीके से हो शवों का अंतिम संस्कार : कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका में अदालत से अपील की गई है कि वह शहर की सरकार को कोविड-19 पीड़ितों के शवों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने और उनके अंतिम संस्कार के संबंध में पर्याप्त बुनियादी ढांचा और एक कार्य योजना तैयार करने और उसे लागू करने का निर्देश दें।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पाटिल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की एक पीठ ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके उनसे इस पर अपना पक्ष रखने को निर्देश दिया है। याचिका दायर करने वाले वकील ने संक्रमण की वजह से ज्यादा संख्या में हो रही मौतों के मद्देनजर शवों को रखने के लिए पर्याप्त संख्या में शवगृह बनाने की भी अपील की है। याचिकाकर्ता वकील मुजीब उर रहमान ने दावा किया कि दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के अलावा पर्याप्त संख्या में शवगृह नहीं होने, शवों को ले जाने के संबंध में पर्याप्त व्यवस्था न होने और शवों के दाह संस्कार या उन्हें दफ़नाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने से दिक्कतें पैदा हो रही हैं। याचिका में एक ऐसे व्यक्ति का हवाला दिया गया है, जिसके माता-पिता की मौत संक्रमण की वजह से घर पर हो गई।

संवाददाता सम्मेलन में संबोधित करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मीनाक्षी लेखी, रमेश बिधूड़ी व अन्य।

गरीबों, प्रवासी श्रमिकों से केजरीवाल ने किए झूठे वादे : भाजपा

क्या आप सरकार 72 लाख कार्डधारकों को दो महीने का अतिरिक्त मुफ्त राशन देगी : आदेश गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● गत 6 सालों में दिल्ली सरकार ने एक भी नया राशन कार्ड नहीं बनवाया : बिधूड़ी

कोविड-19 महामारी में राशन वितरण को मामले को लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार पर हमलावर हो गई है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि केजरीवाल सरकार 72 लाख से ज्यादा राशन कार्ड धारकों को मई और जून महीने का मुफ्त राशन देने का ऐलान किया है।

हकीकत में यह केंद्र सरकार की योजना को तहत है गरीबों को दिया जा रहा है। केंद्र राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत हर महीने 8 किलो गेहूं और 2 किलो चावल दे रही है। गत 6 सालों में दिल्ली सरकार ने एक भी नया राशन कार्ड भी नहीं बनाया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने सोमवार को सांसद मीनाक्षी लेखी, रमेश बिधूड़ी, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिह बिधूड़ी की मौजूदगी में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस महामारी के दौर में केंद्र सरकार ने देश के करीब 80 करोड़ गरीब, मजदूर और प्रवासी श्रमिकों के लिए 2 महीने का मुफ्त राशन उपलब्ध करवा है लेकिन केजरीवाल सरकार ने उनके लिए कुछ नहीं किया। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के 72 लाख कार्डधारकों को उनके हाल पर ही छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मध्यम वर्गीय, गरीबों, मजदूरों और प्रवासी श्रमिकों को पिछले 6 सालों में सिर्फ झूठे वादे और फर्जी तस्सली के अलावा कुछ नहीं मिला है, क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार प्रचार रूपी बैसाखी के सहारे चल रही है। सरकार द्वारा की गई घोषणायें मीडिया में तो आ जाती हैं, लेकिन कभी भी आम जन तक नहीं पहुँचती है।

रमेश बिधूड़ी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया वन नेशन वन राशन कार्ड को केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली में लागू नहीं किया गया। अगर यह योजना लागू होती तो दूसरे राज्यों में प्रवासी मजदूरों के राशनकार्ड बने हुए हैं वो इस विपदा की स्थिति में दिल्ली में भी अपना राशन ले सकते थे। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद आप सरकार ने प्रवासी मजदूरों को राशन और गरीब और दिहाड़ी मजदूरों को सामुदायिक राशन के माध्यम से पका हुआ भोजन क्यों नहीं दिया। पिछले 6 सालों में केजरीवाल सरकार ने एक भी नया राशन कार्ड क्यों नहीं बनवाया।

डीटीए ने गवर्निंग बॉडी के सदस्यों के नाम भेजने का किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● कार्यकाल 13 जून को होगा समाप्त

आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसियेशन ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को पत्र लिखकर वित्त पोषित 28 कॉलेजों में जल्द गवर्निंग बॉडी के सदस्यों के नाम भेजने का अनुरोध किया है।

संगठन ने कहा इन कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी के एक्सटेंशन का कार्यकाल 13 जून 2021 को समाप्त हो रहा है। पिछले 14 महीने से गवर्निंग बॉडी होने के बावजूद कोविड-19 महामारी के चलते शैक्षिक व गैर-शैक्षिक पदों पर नियुक्ति नहीं होने से कॉलेजों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। इन कॉलेजों में 20 ऐसे कॉलेज है जिनमें स्थायी प्रिंसिपल नहीं है। स्थायी प्रिंसिपलों के नहीं होने से स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया ठप हुई है। इन कॉलेजों में गवर्निंग बॉडी का कार्यकाल तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था।

एसोसियेशन के प्रभारी व पूर्व विद्वत परिषद सदस्य डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि वित्त पोषित 28 कॉलेजों में 12 कॉलेजों को शत प्रतिशत अनुदान दिया जाता है बाकी 16 कॉलेजों को सरकार की ओर से 5 फीसदी अनुदान दिया जाता है।

एक सप्ताह में 91,500 से ज्यादा लोग संक्रमण से उबरे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

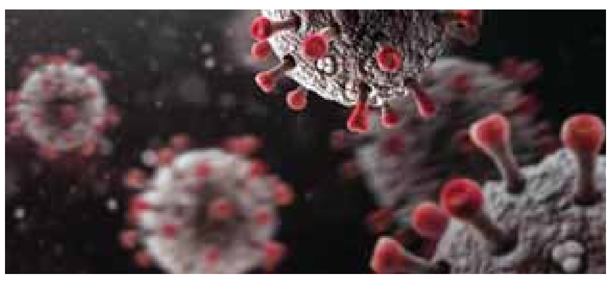

● 8 मई के बाद ठीक होने वाले मरीज ज्यादा

दिल्ली में बीते एक हफ्ते में कोरोना वायरस से 91,500 से ज्यादा मरीज उबरे हैं जबकि इस अवधि में कोविड-19 के 70,000 नए मामले आए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, कुल मामले नौ मई को 13.23 लाख से बढ़कर 16 मई को 13.93 लाख हो गए। इस अवधि में संक्रमण से मुक्त होने वाले मरीजों की सख्या 12.17 लाख से बढ़कर 13.09 लाख हो गई।

आंकड़ों के अनुसार, आठ मई के बाद से संक्रमण के नए मामलों की तुलना में संक्रमण से मुक्त होने वाले मरीजों की संख्या अधिक रही। दिल्ली में रविवार को 9706 लोग संक्रमण से उबरे जबकि शनिवार को 11,592 शुक्रवार को 14,140 गुरुवार को 15,189 बुधवार को 14071 मंगलवार को 13,583 और सोमवार को 13,306 लोगों ने संक्रमण को मात दी।

दिल्ली में रविवार को वायरस के 6456 मामले दर्ज हुए जबकि शनिवार को 6,430, शुक्रवार को 8506 गुरुवार को 10489, बुधवार को 13287 मंगलवार को 12,481 और सोमवार को 12651 मामले सामने आए। संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या भी इस अवधि में कम हुई। 10 मई को इलाजरत मरीजों की संख्या 65,258 थी जो इस अवधि में 62,763 हो गई है।

दिल्ली में 28 अप्रैल को संक्रमण का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा 99752 थी। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले एक हफ्ते में संक्रमण के कारण 1843 मौतें रिपोर्ट हुई हैं- हर दिन औसतन 263 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय राजधानी में मृतक संख्या 10 मई को 19663 थी जो 16 मई को बढ़कर 21506 हो गई है। राजधानी में रविवार को 262, शनिवार को 337, शुक्रवार को 289, गुरुवार को 308, बुधवार को 300, मंगलवार को 347 और सोमवार को 319 मौतें हुईं। तीन मई को सबसे ज्यादा 448 मौतें हुई थी।

रविवार को दिल्ली में संक्रमण दर 10.4 फीसदी प्रतिशत थी जो 11 अप्रैल के बाद सबसे कम है। संक्रमण दर 22 अप्रैल को सबसे ज्यादा 36.2 फीसदी थी। मुख्यममंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में लॉकडाउन को 24 मई तक के लिए बढ़ दिया है।

रामलीला मैदान में बने कोविड केयर सेंटर पर भर्ती एक मरीज की जांच करता स्वास्थ्य कर्मचारी। फोटो : रंजन डिमरी

दुकानदारों, उद्यमियों को आर्थिक पैकेज दे सरकार

बिजली बिलों पर लगने वाले फिक्सड चार्ज को भी माफ किया जाए : विजेंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व भाजपा अध्यक्ष व विधायक विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर लॉकडाउन से प्रभावित दुकानदारों फैक्ट्री वाले व्यापारी व इन प्रतिष्ठानों से जुड़े सभी कामगार श्रमिकों आदि के लिए आर्थिक सहायता पैकेज घोषित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन लगे महीना पूरा हो चुका है। अभी भी लॉकडाउन जारी है। इस दौरान मेट्रो से लेकर थोक, फुटकर बाजार व्यापारिक संस्थान, साप्ताहिक बाजार सब बंद पड़े हैं। आम लागे भी सरकार के द्वारा जारी हर लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। दिल्ली के लोग पूरी तरह से डरे हुए हैं। देश और दिल्ली के लिए यह विपदा का समय है।

गुप्ता ने दिल्ली सरकार की कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने की असफलता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार इन बंद पड़े दुकानों, फैक्ट्रियों के बिजली के बिलों में फिक्सड चार्ज और अन्य सेस लगाकर बिजली के बिल लगातार भेज रही है। यह प्राइवेट कंपनियों द्वारा एक तरह की लूट है। इस बावत व्यापारिक संगठनों ने भी मांग की है।

सरकार व्यापारिक संगठनों की मांग पर तुरंत ध्यान दें। गुप्ता ने केजरीवाल सरकार से अनुरोध किया है कि इन बिजली बिलों पर लगने वाले फिक्सड चार्ज को माफ करे और आर्थिक सहायता का पैकेज घोषित कर व्यापारियों, कामगार, श्रमिकों को राहत प्रदान करे।

हेल्पलाइन के जरिए मरीजों की मदद कर रहा निगम : मेयर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नंबर किया जारी

कोविड-19 मरीजों को बीमारी से संबंधित सभी जानकारी मुहैया कराने के मकसद से दक्षिणी दिल्ली नगर निगम हेल्पलाइन शुरू की है। इस हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से बताते हुए महापौर अनामिका ने कहा कि इसे जारी करने का मकसद महामारी से जुड़े सवालों व उससे बचने के उपाय और इलाज संबंधी जानकारी टेली काउंसलिंग के माध्यम से देना है।

इस महामारी के समय में आम लोग घर से नहीं निकल पा रहे हैं तथा इस महामारी के विषय में उनकी जानकारी सोशल मीडिया एवं संचार के विभिन्न माध्यमों पर उपलब्ध जानकारी ही है जो कि अक्सर विश्वसनीय एवं प्रमाणिक नहीं होती। लोगों की इन्हीं शंकाओं के समाधान के लिए यह हेल्पलाइन शुरू की गई है।

दक्षिणी निगम के नेता सदन नरेंद्र चावला ने कहा की इसके अंतर्गत एक टोल फ्री नम्बर 1800115676 एवं दक्षिणी निगम के सभी चारों क्षेत्रों के लिए अलग-अलग नंबर भी जारी किए गए हैं। पश्चिमी क्षेत्र 9999019426, नजफगढ़ क्षेत्र 9999019340, मध्य क्षेत्र 9999019745, दक्षिणी क्षेत्र 9999019375 हैं।

बालगृहों में दिया जा रहा रोजगारपरक प्रशिक्षण : गौतम

सभी बालगृहों में पौष्टिक उच्च गुणवत्ता वाला खाना और विश्व स्तर की सुविधाएं उपलब्ध : मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय विभिन्न बालगृहों में रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि वे हर तरह से सक्षम और आत्मनिर्भर बन सकें। बाल गृहों में कंप्यूटर ट्रेनिंग, कढ़ाई बुनाई, संगीत की शिक्षा, पार्लर की ट्रेनिंग और खेलकूद का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रसाद गौतम जेल रोड स्थित निर्मल छाया परिसर में सोमवार को औचक निरीक्षण पर पहुंचे और परिसर के अंतर्गत विभिन्न बाल गृहों की सभी सुविधाओं का उन्होंने जायज लिया। पश्चिमी दिल्ली जिले में स्थित निर्मल छाया परिसर के विभिन्न चाइल्ड होम्स की कुल क्षमता 290 है, लेकिन वर्तमान में यहां लगभग 91 लड़किया रह रहीं हैं। दिल्ली सरकार का दावा है कि इस परिसर में हर आयु वर्ग की लड़कियों को सभी प्रकार की स्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।

निर्मल छाया परिसर स्थित बाल गृहों का निरीक्षण करते मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम।

गौतम और उनके साथ मौजूद अधिकारियों ने परिसर में दिए जा रहे खाने की गुणवत्ता और साफ सफाई का जायजा लिया। परिसार में खाना पकाने के स्तर जांचने के लिए रसोई का निरीक्षण कर वहां मौजूद कर्मचारियों से बातचीत की। मंत्री ने इस बात पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बालगृहों में पोषण में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा रही है। उन्हें सभी पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार दिया जा रहा है, जिसमें सभी खनिज और प्रोटीन की संतुलित मात्रा शामिल है।

निरीक्षण के बाद मंत्री ने बताया कि उन्हें यह जानकर बेहद प्रसन्नता हुई कि यहां केवल बच्चियों के रहने के इंतजाम नहीं हैं, बल्कि उनका सर्वांगीण विकास करके उन्हें रोजगार परक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राममनोहर लोहिया अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर लेटे कोरोना संक्रमित मरीज के परिजन एवं रिश्तेदार। फोटो : रंजन डिमरी

इमारत में लगी आग, पांच को बचाया

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका मोड़ इलाके में दो मंजिला इमारत के भूतल में रविवार देर रात आग लग गई, हालांकि वहां रहने वाले एक परिवार के सभी पांच सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार देर रात एक बजकर 24 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली और दमकल विभाग की छह गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि इमारत के भूतल में पार्किंग में खड़ी दो कारों और दो दोपहिया वाहनों में आग लग गई थी। पहली मंजिल से पांच लोगों को बचाया गया और आग पर देर रात करीब ढाई बजे काबू पा लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दमकल कर्मियों ने जगदीश (58), उनकी पत्नी सुनीता (42) उनके बच्चों मोहित (25), रोहित (23) और एकता (20) को बचाया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

यमुना खादर में बसे गरीब परिवारों को राशन सामग्री देते कार्यकर्ता।

ब्लैक फंगस की दस्तक पर कांग्रेस नेता ने लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. नरेश कुमार ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर ब्लैक फंगस की दस्तक पर राष्ट्रीय राजधानी में चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। उन्होंने दिल्ली सरकार पर बीमारी से निपटने के लिए कोई इंतजामात नहीं करने का आरोप मढ़ा। डॉ. कुमार ने कहा इस बीमारी से पीड़ित मरीजों को किसी अस्पताल में इलाज नहीं मिल रहा है क्योंकि इस बीमारी से लड़ने के लिए सेंटर नहीं बने हैं। एम्स के निदेकश डॉ. रणदीप गुलेरिया की चेतावनी के बाद भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बीमारी से लड़ने के लिए कोई भी प्रावधान नहीं किया है। दिल्ली सरकार ने न ही सेंटर बनाए और न ही कोई अलग से अस्पताल बनाए हैं। जबकि देश के कई राज्यों महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान में इस बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए अलग सेंटर और अस्पताल बनाए हैं और मुफ्त में इलाज कराने का ऐलान किया है। डॉ. कुमार ने उपराज्यपाल से ब्लैक फंगस के इलाज के लिए अलग से अस्पताल व सेंटर बनाने की मांग की। साथ ही सभी डीएम, एसडीएम को निर्देशित किया कि इस तरह के मरीजों का पता लगते ही उन्हें उपरोक्त अस्पतालों ने भर्ती कराएं। साथ ही इस बीमारी से लड़ने के लिए एक हेल्प लाइन भी बनाया जाए ताकि मरीजों को इलाज के लिए भटकना न पड़े।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 मई, 2021

अप्रैल 2021 में 73.5 लाख लोगों की गई नौकरीः एचपी यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम। कोरोना के दूसरे फेज में अनेक राज्यों द्वारा लॉकडाउन एवं रात्रि कर्फ्यू लगाने के कारण अनेकों उद्योग बंद होने के कगार पर आ गए हैं। सीएमआईई के अनुसार अनुसार कोरोना के दूसरे दौर में केवल अप्रैल 2021 माह में 73.5 लाख लोगों ने अपनी नौकरी गवाई है। यह कहना है एनसीआर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष एचपी यादव का।

एचपी यादव के मुताबिक बैंकों के सहयोग न मिलने के कारण भी बहुत सी एमएसएमई कंपनियां बंद होने के कगार पर आ गई हैं। बैंकों के ऊपर इन कंपनियों को एनपीए बनाने का बहुत दबाव है। माना जा रहा है कि इसी कारण तथा बैंकों ने मार्च 2021 में मोरटोरियम अवधि का ब्याज जबरदस्ती ले लिया है। श्रीयादव के अनुसार विगत वित्तीय वर्ष में बैंकों द्वारा लाखों करोड़ की सम्पति एनपीए घोषित की है, जो

महामारी में बंद होने के कगार पर हैं अनेक उद्योग

सबसे खराब दौर से गुजर रहा एमएसएमई सेक्टर

कि वित्तीय संस्थानों तथा रोजगार की दृष्टि से बिलकुल प्रतिकूल है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के

उपक्रम भी एमएसएमई कंपनियों को बकाया पैसे का भुगतान नहीं कर रहे। बल्कि इसके विपरीत कानूनी लड़ाई का रास्ता अपना रहे हैं। ये उपक्रम वित्त मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय तथा नीति आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं।

एमएसएमई कंपनियों के लिए अनेकों घोषणाएं की जाती हैं परन्तु वास्तव में जमीनी उन पर कोई अमल नहीं करता जिस कारण लाखों कंपनी तथा करोड़ों लोग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कि गयी घोषणाएं सिर्फ एक दिखावा हैं। उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि एमएसएमई सेक्टर को कम ब्याज दर पर ऋण मिले। मोरेटोरियम अवधि बढ़े तथा विभिन्न करो के भुगतान में छूट या जमा करने के लिए और अधिक समय देकर लघु एवं मध्यम उद्योगों का सहयोग करें। बैंकों को कहा जाए कि देश में विपदा की इस स्थिति में खातों को खराब ना करे। बैंक अब भी डिफाल्टर के नाम से लघु उद्योग के खाते खराब कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया 100 बेड के कोविड सेंटर का उद्घाटन

राजकीय महिला महाविद्यालय में बनाया गया है यह सेंटर

दो दिन में सीएम ने तीन कोविड सेंटरों का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को यहां सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में हीरो ग्रुप द्वारा बनाए गए 100 बेड के कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन किया।

इस सुविधा को मिलाकर मुख्यमंत्री द्वारा रविवार और सोमवार को दो दिन के दौरान गुरुग्राम में कोविड मरीजों के लिए 500 बेड के कोविड केयर सेंटर का शुभारंभ किया गया है। गुरुग्राम में कोरोना के मरीजों

गुरुग्राम के राजकीय कन्या महाविद्यालय में कोविड सेंटर का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

के लिए विभिन्न सरकारी तथा निजी अस्पतालों में उपलब्ध कुल बेड की क्षमता में 500 अतिरिक्त बेड जुड़ गए हैं।

ये अस्थायी रूप से बनाए गए हैं। कन्या महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में बनाए गए कोविड सेंटर में 100 ऑक्सीजन युक्त बेड की व्यवस्था कोरोना मरीजों के लिए की गई है। यहां पर ऑक्सीजन की आवश्यकता की पूर्ति जिला प्रशासन करेगा, लेकिन हीरो ग्रुप ने इसके अलावा भी 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का प्रबंध कर लिया है। डॉक्टर्स फॉर यू नामक एनजीओ के सहयोग से दवा और डॉक्टर भी हीरो ग्रुप उपलब्ध करवाएगा। सिविल सर्जन कार्यालय का यहां सुपरविजन रहेगा। इस सेंटर पर साफ-सफाई और बायोमेडिकल वेस्ट के डिस्पोजल की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। सुरक्षा व्यवस्था गुरुग्राम पुलिस देखेगी। गुरुजल सोसाइटी और सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर भी इन सेंटरों के संचालन में सहयोग दे रहे हैं। यदि कोई मरीज गंभीर हो जाता है तो उसे इन सेंटरों से अस्पतालों में शिफ्ट करने की व्यवस्था भी की गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ हरियाणा सरकार के पब्लिक सेफ्टी एडवाइजर अनिल राव, मीडिया एडवाइजर अमित आर्य, डीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल, गुड़गांव के विधायक सुधीर सिंगला, सोहना के विधायक संजय सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पार्षद कुलदीप यादव, मंडलायुक्त राजीव रंजन, उपायुक्त डा. यश गर्ग, पुलिस आयुक्त केके राव, डीसीपी दीपक सहारण सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विधायक के परिवार को बंधाया ढांढस : मुख्यमंत्री मनोहर लाल बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद के छोटे भाई संदीप जांघु के आकस्मिक निधन पर उनके निवास पर शोक व्यक्त करने गए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और सांत्वना दी। संदीप जांघु (39) का स्वर्गवास 15 मई को कोरोना के कारण हो गया था। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

डीपी गोयल बने भारत विकास परिषद के जिला सचिव

जिला सचिव बनने पर डीपी गोयल को लोगों ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत विकास परिषद दक्षिण प्रान्त हरियाणा की ओर से रविवार को जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। तीन पदों पर नियुक्ति की गई है, जिसमें सचिव पद पर कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक प्रख्यात समाजसेवी एवं रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य डीपी गोयल को नियुक्त किया गया है। इससे लोगों में खुशी की लहर है।

सचिव डीपी गोयल के अलावा अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल को बनाया गया है और महिला संयोजिका पार्षद सीमा पाहुजा को बनाया है। दक्षिण प्रान्त हरियाणा की सूची में छह जिले गुरुग्राम, मेवात, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, पलवल और रेवाड़ी शामिल हैं। इन जिलों में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। अपनी नियुक्ति पर सचिव डीपी गोयल ने कहा कि संस्था ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है, जिसका पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ निवर्हन करेंगे। उन्होंने कहा कि

भारत विकास परिषद सेवा और संस्कारों का समुद्र है। बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर के आदर्शों पर चलते हुए मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में संस्था काम करती है। देश में संस्कृति, समाज, शिक्षा, नीति, अध्यात्मक और राष्ट्रप्रेम अगर देखना, सीखना है तो संस्था से जुड़ें। एक तरह से संस्था देश के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। डीपी गोयल ने कहा कि संस्था की और अधिक मजबूती के साथ कार्यों का प्रचार-प्रसार करके इस परिवार से लोगों को जोड़ना मुख्य उद्देश्य रहेगा। डीपी गोयल ने कहा कि समाज और देश की सेवा के लिए ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़कर बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

महिला को कार में लिफ्ट देकर उससे आभूषण और नगदी लूटी

पलवल। नेशनल हाईवे पर बस स्टैंड से एक महिला को कार में लिफ्ट देकर उससे आभूषण व नगदी लूटकर उसे कार से उतार कर फरार हो गए। कैंप थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया ने बताया कि फरीदाबाद के पाली गांव निवासी कमला देवी ने दी शिकायत में कहा है कि 16 मई को वह अपनी बेटी को देखने के लिए पाली से बामनीखेड़ा गांव जा रही थी। लेकिन जब वह पलवल बस स्टैंड पर पहुंची तो वहां पहले से एक सफेद रंग की कार खड़ी हुई थी, जिसमें दो युवक बैठे हुए थे। कार में सवार युवकों ने पूछा की आपको कहां जाना तो उसने बामनीखेड़ा गांव जाने की बात कही। जिसपर इन युवकों ने कहा कि वे भी आगरा की तरफ जा रहे हैं, उन्हें बामनीखेड़ा गांव छोड़ देंगे, उनकी बातों में आकर पीड़िता कार में बैठ गई। लेकिन कार जब नेशनल हाईवे पर जिला कोर्ट के सामने कुशलीपुर फ्लाई ओवर के पास पहुंची तो उन्होंने पीड़िता को अपनी बातों में लेकर धोखाधड़ी कर उसके कानों से सोने के कुंडल व पर्स से 30 हजार रुपये नगद लूट लिए। उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता जैसे-तैसे पुलिस के पास पहुंची और अपनी शिकायत पुलिस को दी। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ढाबे पर शराब पीते तीन युवक किए गिरफ्तार, दो भागे

पलवल। कोरोना महामारी में नेशनल हाईवे पर सरकार के आदेशों की धज्जियां उडाते हुए ढाबे पर बिठाकर शराब पिलाने व पीने के आरोप में पुलिस ने छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो युवक भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि सिपाही प्रदीप गश्त पर असावटा मोड पर था, उसी दौरान मुखबिर ने बताया कि हाईवे पर कुशलीपुर के निकट फौजी ढाबा पर ढाबा मालिक रवि व सुभाष लोगों को इकट्ठा करके शराब पिला रहे है। जिससे महामारी फैलने का अंदेसा है। पुलिस ने टीम के साथ मौके पर दबिश दी तो दो युवक तीन युवकों को शराब परोस रहे थे, जो पुलिस को आता देखकर तीन युवकों ने अपने-अपने हाथों मे लिऐ कांच के गिलास जिनमें शराब थी को पक्के फर्स पर मारकर तोड़ दिया व परोसने वाले दोनों युवकों ने अपने हाथ में लिऐ शराब के अध्धा भी फर्स पर मार कर तोड़ दिए। पुलिस टीम ने उनमें से तीन युवकों को हिरासत में ले लिया, लेकिन दो भागने में कामयाब हो गए। गिरफ्तार युवकों ने अपने नाम पता ओमैक्स सिटी निवासी तरुण, अमित व फूलवाड़ी गांव निवासी सुनील बताए। जिनका जिला नागरिक अस्पताल में मेडिकल कराकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। ढाबा मालिक रवि व सुभाष मौके से भागने में कामयाब हो गए, पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

रक्तचाप नियंत्रण को लें संतुलित आहारः रणविजय यादव

फर्रूखनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रणविजय यादव ने बताया कि एक आदमी का सामान्य रक्तचाप 120/80 होता है। इसका 130/90 से ऊपर जाने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उच्च रक्तचाप के सामान्य लक्षणों में सिर में दर्द, बेचैनी, छाती में दर्द, बायें कन्धे, बाजू व कमर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ होना, बीमार या उल्टी जैसा महसूस होना, ठंडा पसीना आना व शरीर पीला पड़ना, बेहोशी महसूस होना शामिल है। रक्तचाप के ज्यादा होने में दिल का दौरा, गुर्दे की बीमारी, लकवा व अंधापन आदि शामिल है। रक्तचाप से बचने के लिए संतुलित आहार, खाने में नमक बिल्कुल कम, फल व हरी सब्जियों का सेवन, घी व तेल का कम इस्तेमाल, फास्टफूड से परहेज, शराब व तंबाकू के सेवन से परहेज, नियमित रूप से व्यायाम व वजन नियंत्रित रखें। नियमित अपने रक्तचाप की जांच करवाएं। इसके अलावा डाक्टरी सलाह का अवश्य पालन करें। इस अवसर पर डॉक्टर राजेश, डा. मोहित गुलिया, अजय कुमार खंड शिक्षक, राजेन्द्र कुमार, धर्मबीर स्वास्थ्य निरीक्षक, वासुदेव स्टाफनर्स, राजबाला स्टाफनर्स, श्रीभगवान लेखा सहायक समेत काफी लोग मौजूद रहे।

ऑनलाइन लघुकथा गोष्ठी में साहित्यकारों ने पढ़ी रचनाएं

गुरुग्राम। समाजसेवा, साहित्य और संस्कृति को समर्पित साक्षी संस्था के पेज जश्न-ए-हिन्द के साप्ताहिक आयोजनों की श्रृंखला में लघुकथा गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें देश के जाने माने लघु कथाकारों ने भाग लिया। इस मौके पर वरिष्ठ लघु कथाकार डा. अशोक भाटिया ने कहा कि हर चीज का एक समय होता है। पिछली सदी में लघुकथा ने संघर्ष किया, अपनी पहचान बनाई। 21वीं सदी में वह फैलाव ले रही है और अब लघुकथा का समय चल रहा है। डॉ. भाटिया ने अपनी लघुकथाएं-जिंदगी और स्त्री कुछ नहीं करती सुनाया, जिसमें मजदूरों के जीवन के कठोर सत्य एवं स्त्री की दिनचर्या में छुपी अनेक अनचीन्हीं विसंगतियों को रेखांकित किया गया था। सहभागी रचनाकारों में सर्वप्रथम गुरुग्राम से शोभना श्याम ने अपनी लघुकथाएं बक्शीश, कुतरे हुए नोट का एवं बेटी का पाठ किया। जिसमें रिक्शा वाले के प्रति सवारी की मानवीय भावना, कारपोरेट जगत की वितृष्णा एवं बस में सफर करती लड़की के प्रति कुत्सित भावनाओं को रेखांकित किया गया था। तत्पश्चात भोपाल से कान्ता रॉय ने अपनी लघुकथाएं-बैकग्राउंड, विलुप्तता और कागज का गांव का वाचन किया, जिसमें मानवीय मूल्य, पर्यावरण एवं सरकारी योजनाओं से सम्बंधित विसंगतियों का चित्रण किया गया था।

सीएम ने किया था उद्घाटन, फिर भी अधूरा देवीलाल स्टेडियम कोविड सेंटर

गुरुग्राम। इसे जनता के साथ भद्दा मजाक ही कहा जाएगा कि जिस कोविड सेंटर का मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार शाम को उद्घाटन किया, वह अभी भी अधूरा है। इसकी पोल तब खुली, जब कोरोना संक्रमित मरीज को वहां दाखिल करने के लिए भेजा गया। मानव आवाज संस्था ने इसकी निंदा भी की है और इसे जल्द शुरू करने को कहा है।

बता दें कि यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में कोरोना के मरीजों के लिए वेदांता समूह की ओर से सभी सुविधाओं से सुसज्जित 100 बेड का अस्थायी कोविड सेंटर बनाया गया है। कई दिनों से इसकी तैयारियां चल रही थीं। विधायक सुधीर सिंगला ने भी सेंटर के निर्माण के दौरान दौरा किया था। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस कोविड सेंटर का उद्घाटन किया। कोरोना महामारी से निपटने के प्रबंधों पर कई दावे किए। इसके बाद रविवार शाम को ही मानव आवाज संस्था द्वारा एमजी रोड स्थित कोरस होटल में बनाए गए कोविड सेंटर से एक कोरोना संक्रमित को ताऊ देवीलाल स्टेडियम के कोविड सेंटर में भर्ती कराने को एम्बुलेंस से भेजा गया। वहां जाने पर पता चला कि यह कोविड सेंटर तो चालू ही नहीं किया गया है। बताया गया कि अभी इसके शुरू होने में 10 दिन और लगेंगे। एम्बुलेंस से मरीज को वापस कोरस में बने सेंटर में लाया गया।

अधूरे कोविड सेंटर के उद्घाटन पर मानव आवाज संस्था ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम की जनता के साथ यह भद्दा मजाक किया है। आखिर अधूरे सेंटर का उद्घाटन करने की उन्हें क्या जल्दी थी। मरीज वहां पर लाये जा रहे हैं, लेकिन सभी को एक ही जवाब दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी संस्था ने मांग की है कि इस तरह का मजाक जनता के साथ करने वालों से जवाब मांगा जाए। संस्था के संस्थापक अभय जैन एडवोकेट ने कहा कि वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल का वे धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने गुरुग्राम की जनता के लिए इतना अच्छा कदम उठाया है, लेकिन सरकार ने सही नहीं किया। कोविड सेंटर के देखरेख कर्ता डा. बद्री शर्मा ने बताया कि सेंटर अभी पूरी तरह से तैयार नहीं है। कुछ समय और लगेगा।

शहीद राजसिंह खटाना की प्रतिमा का किया अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

दमदमा के ग्रामीणों ने स्वयं ही शहीद राजसिंह खटाना की प्रतिमा का उद्घाटन करके सम्मान दिया। शहीद के परिजनों समेत ग्रामीणों ने प्रशासन पर शहीद की शाहदत की अनदेखी करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने राजनेताओं पर दिए गए आश्वासनों पर खरे न उतरने का भी आरोप लगाया है।

दमदमा निवासी लांस नायक राजसिंह खटाना ने 17 मई 2020 को आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए अपने प्राणों की कुर्बानी दे दी थी। शहीद की शहादत की पहली वर्षगांठ पर ग्रामीणों ने गांव के मुख्य बस स्टैंड पर राजसिंह खटाना की प्रतिमा स्थापित की। ग्रामीणों ने लॉकडाउन के नियम की पालना करते हुए स्वयं ही शहीद की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतवीर पहलवान, सरपंच संतोष देवी के पति समाज सेवी श्योराज खटाना, जतनवीर राघव, मनोज खटाना, शहीद के भाई सूरज व थानसिंह तथा उसके पुत्र मौजूद थे।

सोहना के गांव दमदमा में शहीद की प्रतिमा का अनावरण करते ग्रामीण।

प्रशासन पर अनदेखी का आरोप

शहीद राजसिंह खटाना के भाई सूरज ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जो शहीद फंड से राशि दी जाती है। वहीं केवल आज तक पीड़ित परिवार को प्राप्त हुई है। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से शहीद के परिवार को किसी प्रकार की सहायता नहीं मिली है।

नेता नहीं उतरे आश्वासनों पर खरे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व दमदमा के मूल निवासी सतवीर पहलवान ने कहा कि शहीद की शहादत पर शोक व्यक्त करने पहुंचे नेताओं ने जो आश्वासन दिए थे। वे आश्वासन आज एक वर्ष पूरा होने के बाद भी पूरा नहीं हुआ है। गांव के राजकीय मिडिल स्कूल को सीनियर सेकेंडरी बनाने का आश्वासन दिया गया। शहीद के परिजन को सरकारी नौकरी दिलाने का आश्वासन, शहीद के नाम पर स्टेडियम बनाने का आश्वासन आदि शामिल है।

चोरों ने दिया कई घटनाओं को अंजाम, लोगों में दहशत

पलवल। शहर थाना क्षेत्र में दो स्थानों पर चोरों ने चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। चोर एक दुकान का ताला तोड़कर नगदी व अन्य सामान तो दूसरी जगह से कार को चोरी करके ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शहर थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि हुडा सेक्टर-दो निवासी प्रवीन गोयल ने दी शिकायत में कहा है कि नगर परिषद कार्यालय के सामने उसकी दाल की होल सेल की दुकान है। बीती शाम वह अपनी दुकान को बंद करने के बाद घर चला गया, लेकिन जब सुबह आकर देखा तो दुकान के ताले टूटे हुए थे। दुकान के अंदर रखे साढ़े सात हजार रुपए व सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर गायब थी। पीड़ित का कहना है कि दूसरी दुकान के ताले भी टूटे हुए थे, लेकिन चोर उसमें से कोई सामान चोरी नहीं कर सके। वहीं, एक अन्य घटना के संबंध में राखौता गांव निवासी रामचंद पूनियां ने दी शिकायत में कहा है कि उसने अपनी कार को सोहना चौक के निकट भोलाराम मिस्त्री की दुकान के पास खड़ा कर दिया।

जियोजित का 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष में कर बाद लाभ 123 करोड रुपए हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 की समान अवधि के 18.83 करोड़ रुपये से 95फीसद बढ़कर 36.76 करोड़ रुपये हुआ. वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में कंपनी का कर पूर्व लाभ गत वर्ष की समान अवधि के 24.86 करोड़ रुपये की तुलना में 92 फीसद बढ़कर 47.31 करोड़ रुपये हुआ। वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में कंपनी की एकीकृत आय 48फीसदी से बढ़कर 122.56 करोड़ रुपये हुई। जो वित्त वर्ष 20 की समान अवधि में 82.68 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 21 के संपूर्ण वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 के 46.93 करोड़ रुपये से 163 फीसद बढ़कर 123.45 करोड़ रुपए हुआ. वित्त वर्ष 21 में कंपनी की एकीकृत आय 39 फीसद बढ़कर 426.81 करोड़ रुपए हुई। जो गत वर्ष की समान अवधि में 306.37 करोड़ रुपए हुई. वित्त वर्ष 21 में कर पूर्व लाभ वित्त वर्ष 20 की समान अवधि के 69.62 करोड़ रुपये से 137फीदस बढ़कर 165.18 करोड़ रुपये हुआ. कंपनी ने 15 मई 2021 को उसके

कर बाद लाभ में वार्षिक आधार पर 163 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 95त्न की वृद्धि

निदेशक मंडल की मीटिंग के बाद 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी है.

कंपनी के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सतीश मेनन ने कहा, गत वर्ष महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण था लेकिन मार्केट लचीला था. इसलिए हम हमारा ग्राहक आधार और हमारे ऑनलाइन ऑफरिंग को बढ़ाने के लिए सकारात्मक ट्रेंड का लाभ उठाने में समर्थ हुए. हमारे ग्राहक ऑफरिंग को और विविधिकृत करने और हमारी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए बोर्ड ने सभी लागू नियमनों और मंजूरियों के अधीन आईएफएससीए के तहत एआईएफ मैनेजर के रूप में एएमसी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए गिफ्ट सिटी में एक एंटिटी का निर्माण करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है.

बोर्ड ने वित्त वर्ष 2020 -21 के लिए एक रुपये के शेयर पर दो रुपया (200 फीसद) प्रति इक्विटी शेयर अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है. बोर्ड ने नवंबर 2020 में 1.5 रुपया प्रति शेयर अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है. इस तरह वित्त वर्ष 2020 -21 के लिए रूपये 1 प्रति इक्विटी शेयर के लिए 3.50 रुपया (350 फीसद) कुल लाभांश हुआ। 31 मार्च, 2021 को कस्टडी और मैनेजमेंट के तहत कंपनी की परिसंपत्तियों 51000 रुपए रही. वित्त वर्ष 2020- 21 के दौरान कंपनी ने 66000 ग्राहक बढ़ाएं और अब कंपनी के पास 11,10,000 ग्राहक है. कंपनी के परिणाम का सार इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष की कामकाज की विशेषताएं-

एकीकृत आय 39त्न वार्षिक बढ़कर 426.81 करोड़ रुपए हुई। कर पूर्व लाभ 137फीसद वार्षिक बढ़कर 165.18 करोड़ रुपए हुआ। कर बाद लाभ 163त्न वार्षिक बढ़कर 123.45 करोड़ रुपए हुआ। 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही की एकीकृत वित्तीय विशेषताएं-एकीकृत आय 48त्न वार्षिक बढ़कर 122.56 करोड़ रुपए हुई। कर पूर्व लाभ 92त्न वार्षिक बढ़कर 47.73 करोड़ रुपए हुआ। कर बाद लाभ 95त्न वार्षिक बढ़कर 36.76 करोड़ रुपए हुआ।

ग्रामीण घरों में रहकर तोड़ रहे कोरोना की चेन

सोहना। सोहना का गांव दमदमा के निवासी कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के उद्देश्य से लॉकडाउन के नियम करते हुए अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। गांव में 12 लोग कोरोना संक्रमित हुए हैं। जिनमें से दो की मौत हो गई तथा 10 संक्रमितों ने कोरोना को मात दी है।

करीब साढ़े छह हजार की आबादी वाले गांव दमदमा के ग्रामीण कोरोना को मात देने के लिए अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। ग्रामीण घरों में रहकर ही कोरोना की चेन को तोड़ना चाहते हैं। ग्रामीण अपने पशुओं का पेट भरने के लिए खेतों पर जरूरत जाते हैं।

कोविड टेस्ट के शिविर हुई खानापूर्ति : गांव में बीते एक माह में करीब 12 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं। जिनमें से दो कोरोना से जिन्दगी की हार मान गए। जबकि 10 ग्रामीणों ने कोरोना को मात दी है। ग्राम पंचायत सरपंच पति समाज सेवी श्योराज खटाना ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दो-दो बार वैक्सीनेशन और कोविड टेस्ट के शिविर लगाकर मात्र खानापूर्ति कर दी गई। अब भी गांव की 60 फीसदी आबादी को कोविड की जांच तथा वैक्सीनेशन करानी है, लेकिन घंघौला का

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 15 किलोमीटर होने के कारण वहा पर ग्रामीण नहीं पहुंच पा रहे है।

आइसोलेशन सेंटर स्थापित : गांव में स्थित राजकीय मिडिल स्कूल परिसर में प्रदेश सरकार की तरफ से दो बेड का आइसोलेशन सेंटर की स्थापना कर दी गई है। सभी ग्रामीणों के स्वास्थ की सर्वे का कार्य अभी तक शुरू नहीं किया है।

क्या कहना है सरपंच का : सरपंच संतोष खटाना का कहना है कि पंचायत विभाग की तरफ से गांव को सेनेटाइज किया जा रहा है। मुनादी कराके ग्रामीणों को लॉकडाउन के नियम की पालना करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों को वैक्सीनेशन तथा कोविड टेस्ट अभियान चलाने के लिए घंघौला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के एसएमओ को कई बार चिठ्ठी लिखी गई है।

कोविड-19 राहत प्रयासों को मजबूत करेगा बजाज फाउंडेशन

एनसीआर में ऑक्सीजन कांसेंट्रेटर की निःशुल्क डोरस्टेप डिलीवरी का विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/गुरूग्राम

देशभर में लगातार बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के मद्देनज़र एक गैर-लाभकारी संगठन बजाज फाउंडेशन ने दिल्ली-एनसीआर में ऑक्सीजन कांसेंट्रेटर की निःशुल्क डोरस्टेप डिलीवरी का एक आपातकालीन कार्यक्रम शुरू किया है और ऑक्सीजन की कमी से जूझते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों के जीवन को लाभ पहुंचाया है।

ऑक्सीजन की जरूरत वाले अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और ऑक्सीजन की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के प्रयास में फाउंडेशन देश के अन्य शहरों में अपने इस कार्यक्रम को बढ़ा रहा है जिससे कि देशभर में जरूरतमंद लोगों को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करते हुए उनकी समस्या और जरूरत के समय का दायर कम करने

का प्रयास कर रही है। इस कार्यक्रम के लिए, आपातस्थिति में, जहां एसपीओ2 का स्तर 90 से नीचे होने पर ऑक्सीजन सेवा को 72 घंटे के लिए एक रिफंडेबल सुरक्षा राशि के तहत आपके दरवाजे पर पहुंचाया जायेगा। इस सेवा में ऑक्सीजन कांसेंट्रेटर की डिलीवरी और इंस्टॉलेशन करने के साथ-साथ उपयोगकर्ताओं के ठीक होने के बाद, मशीनों को वापस एकत्र करने के लिए प्रोफेशनल सेवा शामिल रहेगी। फाउंडेशन द्वारा एक सप्ताह पहले शुरू किये गये इस कार्यक्रम के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 1800-5728-345, ईमेल help@bajaj.foundation या बजाज फाउंडेशन की वेबसाइट www.bajaj.foundation के माध्यम से ओ2 ऑर्डर करने में आसानी हुई है।

अपने कार्यक्रम के बारे में बजाज फाउंडेशन के निदेशक पंकज बजाज ने कहा, भारत तबाही मचा रहे म्यूटेंट स्ट्रेन के लक्षण अनिश्चित हैं और आपको यह भी पता नहीं चलता कि आपका ऑक्सीजन स्तर कितनी जल्दी गिर जाता है। हम नहीं चाहते कि कोई और संक्रमित मरीज सिलेंडर की तलाश में जाए, जिसे ध्यान में रखते हुए हमें लगा कि एक आपातकालीन ऑक्सीजन कार्यक्रम समय की जरूरत है।

इस पहल के माध्यम से, हम न केवल प्रभावित लोगों की मदद करने का भरोसा रखते हैं, बल्कि उन लोगों के घर पर ओ2 कांसेंट्रेटर की निःशुल्क पहुंचाते हैं, और उनके बाहर जाने पर होने वाले वायरस के प्रसार को भी रोकते हैं। यह मानवीय स्तर पर एक साथ खड़े होने और हर संभव मदद करने का समय है। इसके अलावा, बजाज फाउंडेशन ने खोया के साथ साझेदारी में कोविड-19 फूड ड्राइव के माध्यम से लाखों लोगों को भोजन सेवा मुहैया की है।

कोरोना महामारी: एक साल बाद भी लोग तोड़ रहे बचाव के नियम

डिजिटल से दूर है अनेक शहरवासी, सरकार कर रही एप लॉंच

कविता। फरीदाबाद

सरकार की तरफ से रोजाना डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा देते हुए आए दिन ऐप लॉन्च किए जा रहे हैं। लेकिन इन ऐप और डिजिटल माध्यमों से अनेक शहरवासी आज भी दूर है। शहर की सड़कों पर आज भी पहले वाली भीड़ दिख रही है। ऑनलाइन को अपनाने से शहरवासी परहेज कर रहे है। ऐसा ही एयरफोर्स रोड के निकट 60 फीट रोड पर स्थित बिजली दफ्तर के बाहर देखने को मिला। जहां लोग ऑनलाइन के बजाय ऑफ लाइन बिल भरने के लिए भीड में लाइन में लगे थे। वहीं दूसरी तरफ शहर की सड़कों पर भी लोगों का जमावड़ा साफ देखा जा सकता है। जानकारी के मुताबिक जिले में जहां एक तरफ कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। वहीं दूसरी तरफ शहर के लोग कोरोना महामारी की गाइडलाइन को तोड़कर सड़कों पर नजर आ रहे हैं। ऐसा ही नजारा शहर के विभिन्न स्थानों पर सुबह, शाम देखने को मिल रहा है। बाजार हो, मंडी हो या फिर दूध, फल, सब्जी की दुकान या फिर बिजली दफ्तर हर जगह सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। ऐसा ही रविवार की रात और सोमवार की सुबह जगह-जगह देखने को शहर में मिला।

रात को सड़कों पर लोगों की भीड़।

बिजली दफ्तर के बाहर बिल भरने की लाईन में टूटी सोशल डिस्टेंसिंग।

ऑनलाइन दिखावा

डिजीटल इंडिया तो सरकार की तरफ से कर दिया गया है। लेकिन आज भी लोग डिजिटल इंडिया से दूर है, ऐसा ही शहर में देखने को मिल रहा है। सोमवार को सैंकड़ों की संख्या में लोग बिजली दफ्तर पर अंतिम दिन होने के कारण बिल जमा कराने को एकत्रित हो गए। 60 फुट रोड स्थित बिजली दफ्तर पर भीड़ में लगे लोगों को ऑनलाइन बिल के बारे में जानकारी ही नहीं थी। जिस कारण यहां कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ती भीड में साफ नजर आई।

साल बाद भी नियम टूटे

जहां रोजाना हजारों मरीज आज भी बिस्तर न मिलने के आभाव में घरों में कैद है। वहीं सैकड़ों मरीज इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। लेकिन एक साल बाद भी जिले वासी नियमों को तोड़ते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही रविवार की रात को और सोमवार की सुबह सड़कों पर देखने को मिला। लोग न तो आज भी मास्क की तरफ ध्यान दे रहे है और न ही लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं।

कोरोना की चेन को जनभागीदारी से ही तोड़ा जा सकेगा : मनोहरलाल खट्टर

राहत : मैट्रो अस्पताल में कोरोना मरीजों के लिए नए 100 बेड किए स्थापित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा है कि कोरोना की चेन के जनभागीदारी से ही तोड़ा जा सकता है। वैश्विक महामारी के इस दौर में कोविड-19 संक्रमण का यह संकट आज केवल हरियाणा ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र पर मंडरा रहा है। यह गनीमत है कि हरियाणा में सरकार व जनता के आपसी प्रयासों से यह ज्यादा फैल नहीं पाया है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सोमवार को सेक्टर-16ए स्थित मैट्रो हार्ट स्पेशियलियटी अस्पताल में स्थापित किए गए नए कोविड यूनिट का लोकार्पण करते हुए उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। मैट्रो अस्पताल की नई बिल्डिंग में सोमवार से कोविड-19 मरीजों के लिए 100 अतिरिक्त बेड्स स्थापित किए गए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने मैट्रो समूह के चेयरमैन डा. पुरुषोत्तम लाल को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने डा. लाल के इस सराहनीय कदम के लिए उनकी मुक्तकंठ से सराहना भी की। पदम विभूषण एवं डा. बीसी रॉय नेशनल अवार्डी डा. पुरुषोत्तम लाल ने भी प्रदेश में कोविड-19 मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने और बहुत जल्द इस संकट पर काबू पाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर का धन्यवाद व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि मैट्रो अस्पताल में शुरू किए गए नए कोविड यूनिट से शहरवासियों को बहुत अधिक राहत पहुंचेगी। हालात यह है कि अब भी कई अस्पतालों में कोरोनो पेशेंट के लिए बेड्स की कमी है। ऐसे में डा. पुरुषोत्तम लाल द्वारा नया कोविड यूनिट शुरू किया जाना एक सराहनीय कदम है।

अस्पताल की डायरेक्टर पूनम लाल ने कहा कि कोरोना महामारी के इस संकट में मैट्रो अस्पताल ने हजारों मरीजों को नया जीवनदान दिया है। अनुभवी डाक्टरों की टीम ने उस वक्त के बुरे दौर में कोविड मरीजों को समूचित स्वास्थ्य सेवाएं देने का कार्य किया, जिस वक्त हर व्यक्ति बेहाल सा नजर आ रहा था। इस अवसर पर अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डा. नीरज जैन ने कहा कि अस्पताल के प्रत्येक कर्मचारी ने कोरोनो महामारी की इस लड़ाई में अपना योगदान दिया है।

डा. जैन ने कहा कि मेट्रो अस्पताल समूह के चेयरमैन डा. पुरुषोत्तम लाल के मार्गदर्शन में सभी अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने कोरोना की जंग में अपनी बेहतरीन सेवाएं दी है, जो इस बीमारी के खात्मे तक रुकने वाली नहीं है। इस विशेष मौके पर अस्पताल के ग्रुप वाइस प्रेजिडेंट सुरेंद्र चौधरी, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डा. मजिंद्र भट्टी, विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक सीमा त्रिखा, नीरज शर्मा, जिला उपायुक्त यशपाल यादव, पुलिस आयुक्त ओपी सिंह, आईएमए प्रेजिडेंट डा. पुनीता हसीजा ने भी डा. पुरुषोत्तम लाल के सराहनीय कदम के लिए उन्हें बधाई दी और संक्षित वक्तव्य भी पेश किया।

कोरोना : 506 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 95928

20 का हुआ अंतिम संस्कार, आंकड़ें में दर्शाए दस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या कम करने के लिए सरकार की तरफ से प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। सोमवार को जिले में लगाए गए कोरोना जांच कैम्पों के माध्यम से 8138 सैम्पल जांच के किए। वहीं दूसरी तरफ जिले में कोरोना महामारी के मरीजों की संख्या पिछले करीब 12 दिनों से कम हो गई है। लेकिन जिले में कोरोना से मौत के आंकड़ों में जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से छिपाया जा रहा है।

ऐसा ही आए दिन देखने को मिल रहा है। सोमवार को जिले में 20 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम की टीम की तरफ से किया गया। जिसमें 12 मृतक जिले से और शेष आठ अन्य शहरों के निवासी शामिल थे। लेकिन वहीं दूसरी तरफ देखा जाए तो जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से मात्र 10 मृतक ही दर्शाए गए हैं। जिले में 506 कोरोना संक्रमित नए मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 95928 पर पहुंच गया। राहत की बात यह रही कि जिले में 1722 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 92.1 प्रतिशत पर पहुंच गया। जिले में फिलहाल एक्टिव मामले 6957 बचे हैं। जिसमें होम आईसोलेट 5409 और अस्पतालों में 1548 मरीज भर्ती है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 778761
अब तक पॉजिटिव	: 95928
अब तक नेगेटिव	: 681968
रिपोर्ट आनी शेष	: 865
ऑक्सीजन पर है	: 812
वेन्टीलेटर पर है	: 88

रहस्यमय हालत में समाजसेवी के बेटे की मौत, हत्या की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद के सैय्यदवाड़ा में रहने वाले समाजसेवी एवं डीएवी स्कूल में कार्यरत पवन खन्ना के बेटे की बीती शाम रहस्यमय हालत में मौत हो गई। मृतक रविवार की दोपहर को घर से निकला था। शाम को बेहोशी हालत में उन्हें कोई बीके अस्पताल छोड़कर फरार हो गया। जांच के बाद डाक्टरों ने कविश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक ओल्ड फरीदाबाद के सैय्यदवाड़ा में पवन खन्ना अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह सेक्टर 14 स्थित डीएवी स्कूल में कार्यरत है। पवन खन्ना शहर में समाजसेवा के कार्यो में भी काफी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते रहते हैं। उनका 24 वर्षीय बेटा कविश खन्ना देहरादून स्थित एक कॉलेज से एमबीए कर रहा था। वह देहरादून में ही एक होस्टल में रह रहा था। बताया गया है कि रविवार सुबह कविश खन्ना देहरादून से फरीदाबाद आया था। कुछ समय तक घर में रूकने के बाद दोपहर को दोस्तों के साथ लंच करने की बात कह कर स्कूटी पर सवार होकर घर से निकला था। शाम करीब साढ़े सात बजे एक व्यक्ति कविश खन्ना को बेहोशी की हालत में उसी की स्कूटी पर लेकर बीके अस्पताल पहुंचा। जांच के बाद डाक्टरों ने कविश को मृत घोषित कर दिया। इस बीच कविश को अस्पताल लाने वाला व्यक्ति मौके से चुपचाप फरार हो गया। अस्पताल की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

कोरोना से बचाव के लिए थाना चौकियों को किया जा रहा सैनिटाइज

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर फरीदाबाद पुलिस के सभी थानों एवं चौकियों को सैनिटाइज किया जा रहा है। जैसा कि विदित है कोरोनावायरस की दूसरी लहर के दौरान करीब 309 पुलिसकर्मी इसकी चपेट में आ चुके हैं।

पुलिस कर्मियों को कोरोनावायरस से बचाने के लिए प्रत्येक प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर प्रत्येक थाना और चौकियों में सैनिटाइजेशन प्रोग्राम शुरू किया हुआ है। थानों चौकियों में पुलिस की बैरक, रसोई, शिकायतकर्ता कक्ष, टॉयलेट सहित सभी जगह को सैनिटाइज किया जा रहा है। सैनिटाइजेशन कार्यक्रम से ना सिर्फ पुलिसकर्मियों को फायदा होगा बल्कि बाहर से आने वाले परिवादियों को भी इसका फायदा मिलेगा। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने थाना एवं चौकियों में साफ सफाई के लिए विशेष रुप से सभी एसएचओ और चौकी प्रभारियों को कहा है। इसके अलावा सभी पुलिस कर्मियों को नियमित रूप से सैनिटाइजर, मास्क, ग्लब्स, फेश शिल्ड, काढ़ा दिया जा रहा है।

पीएम ने की स्वास्थ्य अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत

फरीदाबाद। स्वास्थ्य जगत से जुड़े चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ ने जिस आत्म विश्वास के साथ कॅरोना की लड़ाई को लड़ा है । उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। यह विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश भर के 26 से अधिक राज्यों के चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुख्य चिकित्सा अधिकारियों पदाधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत करते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि कॉविड जैसी महामारी को दूर करने में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की अहम भूमिका है। इस बात को किसी भी सूरत में नहीं नकारा नही जा सकता है। जिन्होंने कॅरोना के इस दौर में समय- समय पर उतपन्न विभिन्न परिस्थितियों में बड़े ही सयंम और आत्मविश्वास के साथ इस लड़ाई को लड़ते हुए आमजन के विश्वास को जीतने का प्रयास किया है । प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही आज सारा देश करोना महामारी के संकट से जूझ रहा है पर चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों का आत्मविश्वास आज भी देखते बनता है। जिन्हें आज भी भगवान के बाद आमजन के बीच दूसरा स्थान प्राप्त है एसे मे चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि करोना महामारी ने जहां आमजन के जीवन को प्रभावित किया है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के आत्मविश्वास को भी पहले से कई गुना बढ़ाया है। जो नित नई परिस्थितियों से उत्पन्न प्रभावों को कम करने में अपने विवेक और बुद्धि के साथ लोगों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी ओर से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों के कुशल भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए सभी को बधाई दी।

मंत्री ने लिया विकास कार्यों का जायजा

बल्लबगढ़। मेट्रो अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के बाद हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने सोमवार को बल्लबगढ़ विधानसभा में चल रहे विकास कार्यो का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने मोहना रोड के साथ बनाये जा रहे गंदे नाले, सीवर, पीने के पानी और सेक्टर 3 के अंदर चल रहे पार्को के काम का निरक्षण किया। परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने कहा कि जहां एक तरफ आम जनता कोविड 19 महामारी की मार झेल रही है वही उन्हें मूलभूत समस्याएं न आये इसलिए उन्होंने शहर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि कोविड 19 महामारी से निपटने में सरकार पूरा प्रयास कर रही है। परिवहन मंत्री ने कहा कि आम जनता भी सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि सभी मिलकर इस महामारी से जीत सके। उन्होंने कहा कि सेक्टर 3 में खराब अवस्था में पड़े हुए पार्को का सौन्दरकर्ण कराया जा रहा है। ताकि शुद्ध वातावरण इन पार्को में जनता को मिल सके । इन पार्को के बनने के बाद लोग यहाँ घूम सकेंगे और स्वस्थ रह सकेंगे।

कोरोना संक्रमित रखें दांतों की सफाई का ध्यान: डॉ. मनीषा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना संक्रमित मरीजों में ठीक होने के बाद म्यूकर माइकोसिस (ब्लैक फंगस इन्फेक्शन) देखने को मिला है, जिसका दांतों पर भी असर देखा जा रहा है। अगर किसी कोरोना मरीज के दांतों में दर्द, दांत ढीले होना, दांत से धीमा या तेज गति से लगातार खून आना, दांतों से पस निकलना, मसूड़ों में सूजन, चेहरे पर सूजन, आंखों के चारों तरफ सूजन, बहुत ज्यादा जुकाम और लगातार सिर में दर्द हो रहा है तो यह ब्लैक फंगस इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है।

यह बात क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी हॉस्पिटल की दांत रोग विभाग अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. मनीषा चौधरी ने कही। उन्होंने कहा कि फ़ोन पर कंसल्टेशन के दौरान कई लोगों ने इस प्रकार के लक्षणों से संबंधित सलाह ली है। यह समस्या अधिकतर मधुमेह से गंभीर रूप से ग्रस्त लोगों में हो रही है। इसके अलावा यह समस्या कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में देखने को मिल रही है।

डॉ. मनीषा।

कोरोना होने के बाद भी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है। शुगर लेवल अधिक होने, दांतों की सफाई न रखने के कारण और कैंसर, ब्लड डिसऑर्डर मरीजों में दांतों में म्यूकर माइकोसिस पहले भी होता था लेकिन अब यह समस्या कोविड मरीजों में होने लगी है। म्यूकर माइकोसिस का समय रहते इलाज न होने पर कोरोना मरीजों में जान को खतरा बढ़ जाता है। इस रोग का इलाज करने के लिए एक टीम होती है जिसमें ईएनटी सर्जन, आंख विशेषज्ञ और दांत रोग विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

बचाव संबंधी बातें

डॉ. मनीषा ने बताया कि कोरोना मरीजों को अपनी ब्रशिंग का खास ख्याल रखना है। कोरोना होने के बाद सबसे पहले अपना ब्रश बदलें क्योंकि यह वायरस मरीज के मुंह के अन्दर भी होता है जिससे वायरस आपके ब्रश पर भी आता है। कोरोना मरीज को ठीक होने के बाद फिर दूसरा नया ब्रश इस्तेमाल करना चाहिए लेकिन मरीज को यह भी देखना चाहिए कि क्या वह सामान्य है। सुबह-शाम ब्रश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना समय के दौरान अगर मरीज ब्रश नहीं कर पा रहा है तो साफ पानी से कुल्ला जरूर करे ताकि मुंह की गंदगी साफ होती रहे। उन्होंने कहा कि अगर मरीज वेंटिलेटर या आईसीयू में है तो कम से कम माउथवॉश जरूर करें। क्लोरहेक्सिडिन माउथवॉश से दिन में 2-3 बार मुंह की सफाई जरूर करें। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि क्लोरहेक्सिडिन माउथवॉश से हमारे मुंह के बैक्टीरिया या वायरस वायरस की मात्रा कुछ प्रतिशत तक कम हो जाती है। गम पेंट से अपनी दांतों या मसूड़ों की मसाज करें। इसके अलावा अपने हाथ पर थोडा सा घी या नारियल तेल की 2-4 बूंदे लेकर साफ़ उंगली से मसूड़ों की मालिश करें। यह आप सुबह के समय ब्रश करने से पहले और रात में सोने से पहले करें। खुद से अपने दांतों में ढीलापन, दांत में दर्द, मसूड़ा फूलना, दांत से पस आना और दांत से खून आना आदि को नियमित रूप से चेक करते रहना है। इस प्रकार की कोई भी समस्या मालूम पड़ने पर तुरंत दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

पुलिस ने 35 परिवारों को सूखा राशन बांटा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर फरीदाबाद पुलिस गरीब लोगों के घरों तक सुखा राशन पहुंचा रही है। आपको बताते चलें कि प्रभारी पुलिस चौकी सेक्टर 11 को सूचना मिली कि रामनगर कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, संजय नगर व मिलहार्ड कॉलोनी में कुछ ऐसे 30-35 असक्षम परिवार रह रहे हैं। जो लोकडाउन लगने के कारण मजदूरी ना मिलने से राशन की कमी से जूझ रहे हैं जो बहुत ही तंगहाली में अपना जीवन बसर कर रहे हैं। जिस संबंध में प्रभारी चौकी और उनकी टीम द्वारा वी केयर सामाजिक संस्था की मदद लेकर उन गरीब परिवारों के लिए करीब 30-35 राशन के पैकेट तैयार किए गए। जिनमें आटा, चावल, दालें, चीनी, सरसों का तेल व नमक, हल्दी, मिर्च शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा भारती के शिविर में 700 लोगों की कोरोना जांच

फरीदाबाद। बद्री केदार मंदिर सेक्टर-3 में लोगों का कोविड टेस्ट उत्तराखंड भ्रातृ मंडल संस्था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सेवा भारती के सहयोग से विधिवत और अनुशासित ढंग से हुआ। सेक्टर -3 व आसपास क्षेत्र के सभी लोगों में कोरोना टैस्टिंग के प्रति बहुत उत्साह था। सभी ने अनुशासन का परिचय दिया और अपनी बारी का इंतजार किया। इस अवसर पर बल्लभगढ़ के सीएमओ मान सिंह स्वयं उपस्थित रहे। उत्तराखंड भ्रातृ मंडल संस्था एवम् ट्रस्ट से प्रधान लक्ष्मण राणा, महासचिव राजेन्द्र उपरारी, आरएसएस से नगर कार्यवाह संजय, शाखा कार्यवाह संजय शाह व अन्य कार्यकर्ताओं का पूर्ण सहयोग मिला। सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने टीकाकरण की व्यवस्था का बहुत ही सुन्दर तरीके से नियोजन किया। वहां पर उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला बल्लभगढ़ के ज़िला कार्यवाह गौरीदत्त ने बताया की यहां 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी महिला, पुरुष का कोरोना टेस्ट किया गया। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों का टेस्ट हो गया है और जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आती है सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों का ही टीकाकरण होगा। सोमवार को लगभग 700 से अधिक व्यक्तियों ने कोरोना टेस्ट कराया।

स्वयंसेवक समाज की बहुत ही अमूल्य धरोहर हैं : सचदेवा

फरीदाबाद। एक कहावत सुनी होगी आप लोगों ने बिन मांगे मोती मिले मांगे मिले ना भीख जो मिलने वाला होता है वह बिना मांगे भी मिल जाता है। संगठन के संस्थापक प्रवेश मलिक ने बताया कि कुछ दिनों पहले मिशन जागृति के संस्थापक सदस्यों में से एक एलएन सचदेवा का फोन आया कि मिशन जागृति बहुत बढ़िया काम कर रही है एक बार आओ मिलो। जब टीम सचदेवा के घर पहुंची बहुत मान सम्मान मिला कुछ गाइडेंस भी मिली हम किस तरीके से और समाजसेवा बेहतर कर सकते हैं। सचदेवा जी ने कहां की सेवा करते हुए हम सबको शासन और प्रशासन के नियमों का ध्यान रखना है और विशेषकर जो साथी सेवा में लगे हुए हैं उनको अपना बहुत ज्यादा ध्यान रखना है क्योंकि आप सभी स्वयंसेवक बहुत ही अमूल्य धरोहर है इस समाज की। सभी साथी उस वक्त अचंभित रह गए जब सचदेवा ने जाते हुए दो चेक भेंट करें एक चेक मिशन जागृति द्वारा बनने वाला वृद्धाश्रम के लिए और दूसरा इस महामारी में संगठन के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के खर्चों के लिए। मिशन जागृति के संस्थापक प्रवेश मालिक ने बताया कि सचदेवा उनके बॉस भी रह चुके हैं और आज भी उनके मोबाइल में उनका नाम बॉस के नाम से ही सेव किया हुआ है वास्तव में एलएन सचदेवा बहुत ही नेक इंसान है जिनको पूरी मिशन जागृति बारंबार धन्यवाद करती है नमन करती है। प्रवेश मलिक ने कहा कि आज महसूस हो रहा है कि मिशन जाग्रति सही रास्ते पर है क्यूकी जब गणमान्य व्यक्ति खुद आपको बुला कर आपका हौसला बढ़ाते हैं तो सही मायने मे सेवा करने का और शाहस होता है !

युवा आगाज व सतत फाउंडेशन करवा रहा सैनिटाइजेशन

फरीदाबाद। युवा आगाज और सतत फाउंडेशन की तरफ से प्रणव कन्या संघ आश्रम और ग्रामीण इलाकों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए युवा समाजसेवी अजय डागर ने बताया कि सतत फाउंडेशन की तरफ से जहां प्रणव कन्या संघ की कोरोना काल में हर संभव मदद की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने सतत फाउंडेशन की अध्यक्ष सीमा भारद्वाज के संग मिलकर आश्रम को सैनिटाइज किया। आश्रम में छोटे बच्चे है। साधु मां के आश्रम के सभी सदस्यों को भी कोरोना जैसी बीमारी से बचा कर रखने के लिए सैनिटाइजेशन की जरूरत थी। उन्होंने बताया कि सीमा भारद्वाज के सहयोग से यह कार्य पूरा हुआ। इस मौके पर हर्ष डागर, युवा समाज सेवी अजय डागर, युवा आगाज और सतत फाउंडेशन के सहयोग से प्रणब कन्या संघ को सेनेटाइज किया गया।

नशीले इंजेक्शनों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर थाना मुजेसर पुलिस टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उससे भारी मात्रा में नशे के इंजेक्शन बरामद करने में सफलता हासिल हुई है। आरोपी की पहचान राहुल पुत्र राजू निवासी मुजेसर फरीदाबाद के रूप में हुए हैं। थाना प्रभारी मुजेसर ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि एक आरोपी हौंडा सिटी कार में नशीले इंजेक्शन लेकर बाटा फ्लाईओवर की तरफ से मुजेसर आ रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए मुजेसर फाटक पर नाका लगाकर आ रही होंडा सिटी गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो आरोपी गाड़ी रोक कर भागने लगा जिसको पुलिस टीम ने पीछा कर धर दबोचा। गाड़ी की तलाशी के दौरान पुलिस टीम को 432 ब्रूफेन इंजेक्शन और एविल के 250 इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह नशा करने का आदी है खुद नशा करने के लिए और अपने साथियों को इंजेक्शन बेचने की नियत से लेकर आया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है आरोपी, जिससे यह इंजेक्शन लेकर आया था उसके संबंध में पूछताछ जारी है। उसको भी जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

दुकान में लगी आग, पुलिस ने सो रहे लोगों को बचाया

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा स्थित सराय मार्केट में एक दुकान में आग लगने पर वहां पर गश्त के दौरान पीसीआर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने दुकान के प्रथम और द्वितीय तल पर सो रहे लोगों को सकुशल बाहर निकालने का सराहनीय कार्य किया है। प्रभारी सराय ख्वाजा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीसीआर सुबह के समय गश्त कर रही थी इस दौरान सराय ख्वाजा एरिया में सराय मार्केट में बेसमेंट में एक दुकान में आग लगी हुई थी। आग लगी हुई देखकर पुलिसकर्मी सिपाही संजीव, एसपीओ उमेद और सुभाष, बचाव करने के लिए तुरंत दुकान की तरफ भागे बेसमेंट के ऊपर प्रथम और द्वितीय तल पर सो रहे लोगों को जगाया और सकुशल उनको दूसरी छत से नीचे उतारा गया। इस संबंध में तुरंत प्रभाव से फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने पीसीआर में तैनात पुलिसकर्मियों सिपाही संजीव, एसपीओ उमेद और सुभाष को शाबाशी दी है और भविष्य में भी इसी तरह निडरता से काम करते रहने के लिए प्रेरित किया है।

स्वस्थ रहने का लक्ष्य

जारी है संघर्ष

समस्याओं के बावजूद देश को भविष्य का लक्ष्य याद रखना है कि हमें स्वयं को स्वस्थ रखना है। 19 अप्रैल को आल इंडिया मैनेजमेंट असोसियेशन द्वारा जारी एक वर्चुअल आयोजन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उद्योगपति सुनील मुंजाल के एक सवाल का जवाब दिया कि भारत ने बिना घरेलू मांग पूरी किए वैक्सीनों का निर्यात क्यों किया तथा उनको दान में क्यों दिया। मंत्री ने कहा, 'यह सवाल स्वयं से पूछें कि क्या में विदेशों में जाकर कह सकता हूं कि मुझ तक पहुंचने वाली सप्लाई लाइनें खुली रखें। मैं वैक्सीन के लिए कच्चा माल चाहता हूं, लेकिन मैं आपको कोई वैक्सीन नहीं दूंगा। यदि आप ऐसा तर्क दें तो मुझे बिल्कुल निर्यात नहीं करना चाहिए। लेकिन कोई दूसरा पूछेगा कि मैं भारत को निर्यात क्यों करूं। यह इतना संकुचित दृष्टिकोण है कि वास्तव में कोई गैर-जिम्मेदार और अगंभीर व्यक्ति ही ऐसा तर्क साकने रखेगा। हालांकि, हमारे आसपास कुछ लोग हैं जिन पर आपने गौर किया होगा।' लेकिन उन्होंने मुंजाल को यह नहीं बताया कि भारत द्वारा दान की गई वैक्सीनों मे कुछ देशों को दान में दी गई वैक्सीनें केवल 10.75 मिलियन थीं जो विदेश मंत्रालय की वेबसाइट में दिखाई गई 'मेड इन इंडिया वैक्सीन सप्लाई' की 66.37 मिलियन खूराकों में शामिल थीं। कुल खूराकों का बड़ा हिस्सा, यानी 35.79 मिलियन खूराकें वाणिज्यिक थीं और दो वैक्सीन निर्माता कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया व भारत बायोटेक की लाइसेंसिंग क्षमताओं पर आधारित थीं। वैक्सीन की 19.86 मिलियन खूराकें विदेशों में निर्माताओं द्वारा किए गए समझौतों के आधार पर भेजी गईं जिन पर वैक्सीन निर्माण हेतु कच्चा माल पाने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।

अंतिम दो प्रकार की सप्लाई को मुफ्त खूराकों के साथ जोड़ दिया जाता है। नई दिल्ली की वैक्सीन राजनय को 'वैक्सीन मैत्री' कहा जाता है जिसकी शुरुआत 21 जनवरी को हुई थी और यह 16 अप्रैल तक जारी रही। इस कालखंड में भारत ने विदेशों को वैक्सीन सप्लाई की और इसे स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ठहराया। 13 अप्रैल को रायसीना डायलाग के उद्घाटन में उन्होंने कहा था, 'इस साल अनेक सीमाओं के बावजूद हमने 80 से अधिक देशों को वैक्सीन सप्लाई की। हम जानते हैं कि यह सप्लाई बहुत अधिक नहीं थी। हम जानते थे कि मांग बहुत ज्यादा है। हम जानते थे कि पूरी मानवता का टीकाकरण करने में लंबा समय लगेगा। लेकिन इसके साथ ही हम यह भी जानते थे कि आशा का महत्व है।' इस कालखंड में दुनिया के 95 देशों को खूराकें भेजी गईं। अब इस बात पर चर्चा करें कि सरकार को 'मैत्री' के इस कालखंड में क्या नहीं करना चाहिए था। 11 मई को भारतीयों को कुल मिला कर 17.51 खूराकें दी गईं तथा कमियों की खबरें आने के बावजूद कोई आर्डर नहीं दिए गए। मई की शुरुआत में सरकार ने कहा कि उसे अभी पुराने आर्डर की 23 मिलियन खूराकें नहीं मिली हैं और उसने 160 मिलियन खूराकों के नए आर्डर दिए हैं। मई, जून और जुलाई के इन आर्डरों की पूर्ति जुलाई तक हो जाएगी। लेकिन समय पर आर्डर पूरे करने में निर्माताओं की अपनी मजबूरियां हैं और इस बीच टीकाकरण अभियान को टीकों की प्रतीक्षा है, फिर चाहे वह मुफ्त हो या भुगतान पर।

जैविक क्रांति को अपनाने का समय

यह एक अपरिहार्य एवं अपरिवर्तनीय तथ्य है, साथ ही यह अपने भीतर जैविक अनुसंधान की क्षमता और मानवता के लिए कई अनूठे अवसरों को छिपाए हुए है।

बीकेपी सिन्हा
लेखक एक स्तम्भकार हैं)

जैविक क्रांति के युग की शुरुआत करते समय, कोई यह संज्ञान लेने में विफल नहीं हो सकता है कि जीव विज्ञान में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि रोगाणु, जो पृथ्वी पर सबसे पुराने आत्म-प्रतिकृति वाले जीव हैं और जो खोजे जाने वाले अंतिम में थे, को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है। यह कोरोनावायरस के वर्तमान संकट से स्पष्ट है, जिसने आधी दुनिया को तबाह कर दिया है और इसे लगभग आपदा के कगार पर ला दिया है, आंशिक रूप से रोगाणुओं की देर से खोज और जीनोम अनुक्रमण की तकनीकों के कारण।

सूक्ष्म जीवों पर ध्यान की कमी काफी हद तक हमारे अवलोकन संबंधी पूर्वाग्रह के कारण है। जो हम देख नहीं सकते उसे हम नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस प्रवृत्ति ने हमें इस ग्रह पर बैक्टीरिया और वायरस की भूमिका की सराहना करने से बहुत पहले, हमसे अरबों मील दूर दृश्यमान वस्तुओं को देखकर खगोल विज्ञान में बड़ी प्रगति करने की अनुमति दी।

पृथ्वी पर जीवन पौधों की तुलना में बहुत अधिक है। वायरस और सूक्ष्मजीवों के बारे में हमारे अंतर्निहित ज्ञान अंतराल ने हमें वर्तमान संकट में ला दिया है। इसलिए, जैविक क्रांति अपरिहार्य है। निम्नलिखित तथ्य हमें चल रहे क्रांतिकारी और अभूतपूर्व जैविक अनुसंधान और इसके अनूठे अवसरों के बारे में बताते हैं। सूक्ष्मजीव एक जटिल नैनोमशीन के रूप में विकसित हो गए हैं, यहां तक कि स्थलीय पौधों की तुलना में, अरबों साल आगे, सूर्य से ऊर्जा के माध्यम से पानी को विभाजित करने में सक्षम हैं। केवल एक मौजूदा प्रोकैरियोटिक प्रकार का बैक्टीरिया है जो सूर्य के बिना ऑक्सीजन का उत्पादन करने में सक्षम है - साइनो बैक्टीरिया। हमें अभी इसके तंत्र की खोज करनी है। यदि कोई पिछले दशक में महान पुरस्कार विजेताओं की सूची को देखता है तो कोई यह नोटिस करने में असफल नहीं हो सकता है कि भौतिकी और रसायन शास्त्र के लिए भी अधिकांश महान पुरस्कार जैविक पहेली को सुलझाने पर उनके अध्ययन के लिए गए हैं। जीव विज्ञान के रहस्य के कई पहलू अभी भी सुलझने बाकी हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के डॉ सिद्धार्थ मुखर्जी ने देखा कि हालांकि कैंसर अनुसंधान अंतरिक्ष यात्रा से पहले शुरू हो गया था, फिर भी कैंसर एक अजेय %विकारों का सम्राट है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए जानी जाने वाली संस्था ख्क्ष्ञ ने अपना ध्यान आणविक जीव विज्ञान पर बदल दिया है और इसके कुछ संकाय सदस्यों ने कोशिका जीव विज्ञान पर अपने शोध के लिए महान पुरस्कार भी जीते हैं।

विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के डॉ ब्रूस एच लिप्टन और बाद में अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में, अपने अभूतपूर्व काम में, यह पता लगाया है कि कोशिका तंत्र महत्वपूर्ण कोशिका झिल्ली के माध्यम से कोशिका में सूचना कैसे प्राप्त करते हैं और संसाधित करते हैं। कोशिका झिल्ली अपने रिसेप्टर और इंटीग्रल प्रोटीन के माध्यम से जो एंटीना के रूप में कार्य करती है, बाहरी वातावरण से संकेत भेजती है। इस शोध के निहितार्थ जीवन की हमारी समझ को मौलिक रूप से बदल देंगे। यह दर्शाता है कि कोशिका झिल्ली के माध्यम से बाहर से संकेतों द्वारा जीन और डीएनए को नियंत्रित किया जाता है। कोशिका जीव विज्ञान और क्वांटम भौतिकी में इस शोध को एक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि व्यवहार को बदला जा सकता है क्योंकि हम अपनी सोच को प्रशिक्षित करते हैं। विचार और दिमाग की ऊर्जा सीधे प्रभावित करती है कि भौतिक मस्तिष्क शरीर के शरीर क्रिया विज्ञान को कैसे नियंत्रित करता है। मानसिक ऊर्जा प्रोटीन उत्पन्न करने के लिए कोशिकाओं के कार्य को सक्रिय या बाधित कर सकती है। जैव रसायनविद, जैवभौतिकीविदों के सहयोग से जीवविज्ञानी बढ़ती हुई आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए ज्वलंत मुद्दों के अधिकांश क्षेत्रों पर अत्याधुनिक शोध के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो संग्रहित ऊर्जा के अधिक से अधिक परिवहन योग्य रूपों का उपभोग करते हैं। वैज्ञानिक अक्षय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर, जल, पवन और ज्वार की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन हमारी ऊर्जा की जरूरतें अभी भी उनकी रुक-रुक कर आपूर्ति और उनके उत्पादन और मांग के बीच समय के अंतर के कारण पूरी नहीं हो पा रही हैं। वैकल्पिक अक्षय ऊर्जा हर समय सस्ती, बेहतर होती जा रही है। हालांकि, हमें अभी तक इन ऊर्जाओं को अप्रभावी, सस्ते, विश्वसनीय तरीके से स्टोर करने का कोई तरीका नहीं मिला है, बिना कचरे के अधिक निर्माण के। यदि जीवविज्ञानी ऐसी बैटरी तैयार कर सकते हैं जो सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय स्रोतों में निहित आंतरायिक समस्याओं पर काबू पाने की अनुमति देती है, तो हम अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वच्छ और प्रचुर स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। बैटरी एक धातु से दूसरी धातु में इलेक्ट्रॉनों को स्थानांतरित करके रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है। इलेक्ट्रॉन छोटे ऋणात्मक आवेशित कण होते हैं। कॉपर-जिंक प्लेट्स धनात्मक और ऋणात्मक ध्रुव बनाती हैं। यह विद्युत प्रवाह का संचालन करता है। यह तब तक चल सकता है जब तक सभी इलेक्ट्रॉन स्थानांतरित हो जाते हैं। इस प्रकार, बैटरी एक ऊर्जा परिवहन उपकरण है। जब बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है, तो हम चार्ज करने के लिए बिजली का उपयोग करते हैं।

एमआईटी में सामग्री वैज्ञानिक डॉ एंजेला बेल्चर वायरस को ऐसे रूपों में विकसित कर रहे हैं जो अर्धचालकों के लिए गैलियम आर्सेनाइड और सिलिकॉन जैसे गैर-जैविक सामग्री को व्यवस्थित कर सकते हैं। उसके प्रयोग ने उसे बैटरी बनाने के लिए नए उपकरण बनाने का विश्वास दिलाया। उसने पाया कि धातु और धातु के आक्साइड विशेष रूप से अच्छा काम करते हैं। वायरस में कोशिका भित्ति या कोई संरचनात्मक तत्व नहीं होते हैं। यह डीएनए/आरएनए के साथ एक प्रोटीन कैप्सूल है। उसने पाया कि वायरस बनाने वाले तत्वों का उपयोग इलेक्ट्रोड बनाने के लिए किया जा सकता है जो बैटरी बनाने के लिए स्वच्छ और कुशल, नया तरीका खोल सकता है। उसका अगला कदम एक वायरस-आधारित अत्याधुनिक बैटरी है, लेकिन क्या यह बैटरी डैशबोर्ड, सीट कवर, डोर पैनल का रूप ले सकती है? कोई नहीं जानता। कुछ समय पहले तक, यह निर्विवाद था कि कोशिका झिल्ली स्वयं कोशिकाओं और बाहर से पानी के आदान-प्रदान का एक माध्यम है। जॉन हॉपकिन्स इंस्टीट्यूट के आणविक जीवविज्ञानी डॉ पीटर एग्रे ने 1980 में लाल रक्त कोशिका झिल्ली से आरएच प्रोटीन को शुद्ध करने के लिए इसे पहचानने के लिए एक खोज की थी कि झिल्ली में आरएच प्रोटीन होता है जो एक गेट के रूप में काम करता है और एक विशेष पदार्थ वाहन को एक पास के साथ बदल देता है। सेल में प्रवेश। इन प्रोटीनों को एक्वापोरिन के रूप में जाना जाता है।

लाल रक्त कोशिकाओं की एक बड़ी मात्रा से शुरू करते हुए, उन्होंने कोशिका झिल्ली को उसकी बाकी सामग्री से अलग कर दिया। इसके बाद, उन्होंने अन्य उपस्थित प्रोटीनों से सावधानीपूर्वक आरएच प्रोटीन को अलग किया। हम सभी को जीवित रहने के लिए ताजे पानी की आवश्यकता होती है लेकिन यह पृथ्वी के कुल पानी की मात्रा का केवल पांच प्रतिशत है। इसका अधिकांश भाग बर्फ की चादरों और मिट्टी में होता है।

इसलिए, मानव अस्तित्व के लिए जल शोधन महत्वपूर्ण है। यह खोज पानी को शुद्ध करने के लिए कोशिका झिल्ली के सेल प्रोटीन का उपयोग करेगी। अब हम पृथ्वी पर लगभग सभी जीवों में पाए जाने वाले एक्वापोरिन के पूरे परिवार को जानते हैं। एक विशेष अमीनो एसिड स्थान और पैटर्न के एक विशेष पैटर्न पर कब्जा कर लेता है।

एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, थॉमस रॉबर्ट माल्थस के सिद्धांत के विपरीत, दुनिया युद्ध, अकाल और महामारी से घिर जाएगी, लेकिन जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग का अभिसरण हमें बहुत उम्मीद दे रहा है कि हम निराशाजनक भविष्य से बच सकते हैं। मौलिक अनुसंधान में राष्ट्रीय निवेश को प्रोत्साहित करके बायोइंजीनियरिंग में सहयोगात्मक प्रयास के लिए विज्ञान के क्षेत्र के शोधकर्ताओं को एक साथ कैसे लाया जाए जो वैज्ञानिकों को अंत:विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रेरित करता है।

यह सब होने के लिए हमारे पास जीव विज्ञान के क्षेत्र में अभिसरण-दिमाग वाली नीतियां और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग होना चाहिए, जहां वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद होलोसीन या एंथ्रोपोसीन के छठे सामूहिक विलुप्त होने को टालने के लिए एक मंच पर काम कर सकते हैं।

अफगानिस्तान में गंभीर होती स्थितियां

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

काबुल में 8 मई को एक सहशिक्षा स्कूल के सामने हुए तीन धमाकों में मारे गए अधिकांश लोगों की उपलब्ध नवीनतम संख्या बीबीसी के अनुसार कम से कम 60 व सीएनएन के अनुसार 85 से अधिक है। इनमें अधिकांशत: स्कूल जाने वाली लड़कियां हैं। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इसके पीछे स्पष्ट इरादा अधिकाधिक लोगों को मारना था क्योंकि पहले एक कार बम विस्फोट किया गया और इसके बाद जब लड़कियां घबरा कर स्कूल से भागने लगीं तो दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव धमाके और किए गए। इस घटना से दो सवाल उठते हैं। इस जघन्य अपराध के पीछे किसका हाथ है? तथा, इसके प्रभाव क्या होंगे?

जहां तक पहले सवाल का संबंध है, किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। अफगान सरकार ने इसका आरोप तालिबान पर लगाया है, लेकिन उन्होंने अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए घटना की निन्दा की है। इससे संदेह इस्लामिक स्टेट पर जाता है जिसने काबुल तथा अफगानिस्तान में अन्य स्थानों पर आतंकी हमले किए हैं। पिछले महीनों में उसका अधिकांश क्षेत्र छिन जाने के बावजूद उसमें हमले करने की क्षमता बनी हुई है।

संभवत: इस विस्फोट के पीछे तालिबान का ही हाथ है। तालिबानों के बयान पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। इसका कारण यह है कि 8 मई को हुए धमाके तथा आतंकी हमलों की संख्या में वृद्धि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की इस घोषणा के बाद हो रहे हैं कि 11 सितंबर तक अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान छोड़ देंगे। तालिबान जानते हैं कि वे चुनाव में नहीं जीतेंगे और न उनका लोकतंत्र में विश्वास है। वे ताकत से अफगानिस्तार पर नियंत्रण कर शरीया शासन की स्थापना करना चाहते हैं। क्या वे इसमें सफल होंगे?

यदि वे सफल होते हैं तो क्या होगा? पहले सवाल का जवाब अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा व रक्षा बलों-एएनडीएसएफ की लड़ाकू क्षमता तथा अमेरिका और नाटो सहयोगियों से स्वयं को मिलने वाले समर्थन पर निर्भर होगा। रक्षा बल छोड़ कर भाग जाने तथा सैनिक सेवा में शामिल होने की अनिच्छा के बावजूद एएनडीएसएफकी थल सेना शाखा अफगान नेशनल आर्मी-एएनए तालिबान से मुकाबला करने वाली युद्धकौशल में निपुण सेना बन गई है। वह अन्य आतंकी संगठनों से भी मुकाबला कर रही है। इसके कमांडो व विशेष बल खासतौर से सफल रहे हैं।

लेकिन इसके साथ ही यह भी कटु सत्य है कि तालिबानों ने अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों के विशाल भूभाग तथा कुछ शहरों पर अपने नियंत्रण का विस्तार किया है। इसके अलावा वे अफगान सैनिकों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। कम से कम 2020 की शुरुआत से कुछ पराजयों का कारण ट्रंप प्रशासन की गलत नीतियां हैं। इनमें तालिबान के साथ चल रही शांति वार्ताओं के कारण सरकारी बलों को 2020 के आरम्भ में केवल रक्षात्मक भूमिका निभाने तथा वार्ता की पूर्व शर्त के रूप में तालिबानों द्वारा अफगान जेलों में बंद अपने 5000 लड़ाकुओं को रिहा कराने के लिए अफगान सरकार पर दबाव डालने के लिए मजबूर करना शामिल है। रिहा किए गए अनेक लड़ाकू फिर लड़ाई के मैदान में पहुंच गए, जबकि उन्होंने ऐसा न करने का वादा किया था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की नीतियां तथा एएनडीएसएफ के आपरेशनों पर लगाम लगाने के पहले ही अपनी स्थिति मजबूत करने लगे थे। हालांकि, अफगान सैनिकों की क्षमता में काफी सुधार हुआ है, पर एक बड़ा सवाल भविष्य में उनको मिलने वाला प्रभावी हवाई समर्थन है। इसने एएनए के अनेक सफल आपरेशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक अनुमान के अनुसार, अब इसे 80 से 90 प्रतिशत समर्थन कमजोर मानी जाने वाली अफगान वायुसेना-एएएफ से मिलता है।

लेकिन एएएफ को अमेरिका की व्यापक वायु शक्ति से समर्थन मिलता रहा है। इसके साथ ही अब उसके विमानों व हेलीकाप्टरों का ज्यादातर रखरखाव अंतरराष्ट्रीय ठेकेदार करते हैं जो अमेरिकन सैनिकों के साथ वापस चले जाएंगे। इससे अफगान वायुसेना की संगठनात्मक क्षमताओं पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे जारी रहने वाली अमेरिकन सहायता का महत्व रेखांकित होता है। 7 जुलाई, 2012 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश सचिव हिलेरी क्लिंटन ने काबुल में यह घोषणा की थी कि राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अफगानिस्तान को अमेरिका के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा दिया है। लेकिन सवाल है कि यह दर्जा कहां तक और किस प्रकार का है? सेना को हथियारों के साथ पैसे की भी जरूरत है। आतंकवाद तथा विद्रोह से मुकाबला करना बहुत खर्चीला काम है। अमेरिका ने 2002 से 2019 वित्त वर्ष तक अफगानिस्तान को 86 बिलियन डालर सुरक्षा सहायता दी है। 2014 के बाद से वह एएनडीएसएफ को प्रति वर्ष 5 से 6 बिलियन डालर देता रहा है। लेकिन अपने सैनिकों की वापसी के बाद वाशिंगटन अफगानिस्तान को कितनी और किस प्रकार की सहायता देता रहेगा। स्पष्ट रूप से अफगानिस्तान में सैनिक परिदृश्य अधर में है और यही स्थिति अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर है। इस बात के सारे संकेत हैं कि तालिबानों का देश पर फिर से मध्ययुगीन, तानाशाही, धर्मतांत्रिक व्यवस्था थोपने का पक्का इरादा है जिसने अफगानिस्तान को धर्मगुरुओं द्वारा संचालित जेल में बदल दिया था। अहमद रशीद ने 'तालिबान: इस्लाम, आयल एंद द न्यू ग्रेट गेम इन सेंट्रल एशिया' में लिखा है कि तालिबानों द्वारा प्रोत्साहित मूल्यों तथा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 'काबुल में लोगों की जीवनशैली बदल गई है। एक समय सहज भाव से जनता में रहने वाली अफगान महिलाओं को अब सार्वजनिक रूप से नजरों से दूर रहने पर मजबूर होना पड़ा है।' भारत को इस स्थिति पर नजर रखनी होगी। दिसंबर, 1999 में इंडियन एयरलाइन्स के अपहृत विमान आईसी-814 को जबरन कंधार ले जाने की घटना ने स्पष्ट कर दिया था कि तालिबान सक्रिय रूप से भारत के खिलाफ जैशे मुहम्मद और लश्करे तैयबा को प्रोत्साहित कर रहे थे। क्या इस चुनौती से निपटने के लिए हमारे पास सुसंगत नीति है?

आप की बात

कब बाज आएगा चीन?

देश पहले ही कोरोना संक्रमण महामारी के संकटकालीन दौर से गुजर रहा है। महामारी से जनजीवन बुरी तरह से त्रस्त है। वहीं दूसरी ओर चीन अपनी फितरतों से बाज आने का नाम नही ले रहा है। कोरोना को देश दुनिया मे फैलाकर विश्व पटल पर तो छवि धूमिल कर ही ली। परन्तु भारत चीन की सैनिकों को हटाने की समझौते नीति को भी अनदेखी कर भारत मे अशांति फैलाने का दिवा स्वप्न देखने की फितरत में लगा है। सूत्रों द्वारा ज्ञात है कि चीन ने फिर पैंगोंग के पास भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा, सैनिकों का जमावड़ा शुरू कर दिया है। सैनिक अड्डों के आधुनिकीकरण में जुटकर नए हेलीपोर्ट और बैरक बना रहा है। उधर चीन ने अक्साई चिन के इलाकों में बैरक बनाकर हथियारों को छिपाकर रखा है। यही नहीं सेटेलाइट तस्वीरों के अनुसार चीन ने रूटोंग में युद्धक वाहन, हथियारों का जखीरा, जवानों को गरम रखने के टेंट बनाकर रखे। समझ से परे लगता है चीन का बर्ताव आखिर इस तरह की फ़ितरतों से भारत को क्या जताना चाहता है? समझौता नीति को दरकिनार कर चीन समझौते के बाद भी देपसांग प्लेन, गलवान घाटी, पैंगोंग झील के पास बड़ी तादाद में सैनिकों का जमावड़ा कर अपनी ओछी मानसिकता का परिचय नहीं दे रहा?

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

छात्रों की उलझन

पिछले साल लॉक डाउन के बाद से, शिक्षा व्यवस्था अभी तक पटरी पर नहीं लौट सकी। ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा को ना से हां करने का सिलसिला जारी हैं। ऐसे में यह सोचना किसी अतिशयोक्ति से कम नहीं होगा कि जो बच्चे बारहवीं के बोर्ड विद्यार्थि हैं, और शिक्षा में उतने ओजस्वी भी नहीं, क्या वे परीक्षा में सफल हो पाएंगे? इतना ही नहीं, जब सामान्य तरीके से कक्षाएं चलती थी तो स्थितियां गडबड रहती थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।महामारी के बढ़ते आकड़े और राज्यों के द्वारा लगाया जा रहा लॉक डाउन, परीक्षाओं को बाधित किया है। सीबीएसई, आईसीएसई समेत कई राज्य बोर्ड ने भी दसवीं के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के, आंतरिक एवं पिछले परिणाम के आधार पर, नियम बनाकर मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। जो कि प्रशंसा करने योग्य हैं। वहीं बारहवीं की परीक्षाओं को टाल दिया गया है। ऐसे में ये निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है कि आखिरकार परीक्षाएं होंगी भी या नहीं। चूंकि विद्यार्थियों को प्रवेश प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी करनी पड़ती है। इस विषम परिस्थिति में, छात्र उलझन में है। क्या वे अभी भी बोर्ड की तैयारी में जुटे रहे या फिर आगामी भविष्य को लेकर पढ़ाई शुरू करें।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

अमेरिकी दखलंदाज़ी

एक तरफ अमेरिका भारत से हमदर्दी जताता रहा है और संकट के समय मदद भी करता है मगर अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए उसे हमारे आंदोलन ही मामलों में दखलंदाजी का भी शौक है। भारत में अल्पसंख्यक मामलों पर चिंता और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर उसे एतराज भी है। दिल्ली दंगों का भी उसे दर्द है। कुल मिलाकर वह भारत की उन समस्याओं को लेकर दिलचस्प है जो हमारे यहां विवादास्पद रही है। वैसे हमारे आंतरिक मामलों में दखल की यह कोई अमेरिका की कोई नई पहल नहीं है पर भारत सरकार के सुस्त रवैए के कारण वह समय पर अपना दुख जाहिर करता रहता है। अपनी एक रिपोर्ट में इन दर्दों को अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने जाहिर करते हुए दिल्ली दंगों, तबलीगी जमात, सीएए जैसे मुद्दों को हवा देने का काम किया है। प्रवक्ता ने जमकर भारत को कोसा और अमेरिकी सलाह मानने की बात कही। अब सवाल यह उठता है कि अमेरिका हमारे आंतरिक मामलों में दखल देने वाला होता कौन है?

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

प्रदेश में अब आक्सीजन की कमी नहीं है। मैं किसान नेताओं से विरोध प्रदर्शन स्थगित करने की पुन: अपील करता हूं।

– **एमएल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री

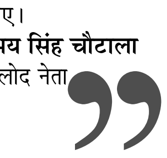

हरियाणा में स्थिति पड़ोसी राज्य दिल्ली से भी बुरी है। स्वास्थ्य मंत्री को स्थिति संभालने में विफलता के चलते त्यागपत्र दे देना चाहिए।

– **अभय सिंह चौटाला**
इनेलोद नेता

मिशन ऑक्सीजन में 75 जिलों में 79 अस्पतालों का चयन

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद रंग ला रही आबकारी तथा चीनी विभाग की मेहनत, लगभग तीन हजार बेड्स पर उपलब्ध होगी सीएसआर के जरिए ऑक्सीजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग कोरोना मरीजों को बचाने के लिए ऑक्सीजन जेनरेटर्स लगा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसके लिए 75 जिलाधिकारियों द्वारा 79 अस्पतालों का चयन कर लिया गया है। जिसमें ज्यादातर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से लगे हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इनमें से 15 स्थलों पर ऑक्सीजन पाइपलाइन एवं जनरेटर की व्यवस्था लगभग उपलब्ध है और 16 स्थलों पर आंशिक व्यवस्था उपलब्ध है।

विभाग की तरफ से अब तक 54 ऑक्सीजन जेनरेटर निर्माताओं को क्रय आदेश निर्गत किये गये है। आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से लगभग 30 आबकारी विभाग की इकाइयों के माध्यम से और 45 चीनी मिलों के माध्यम से प्रदेश भर में एक एक सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल चयनित किए गए हैं। सरकार की तरफसे इन ऑक्सजीन जेनरेटर्स को एयरलिफ्ट कराने की भी तैयारी जोरों पर है। इसके लिए साई नॉन कन्वेंशनल एनर्जी, गैसटेक इंजी. प्राइवेट लिमिटेड और मेडवांते इंडिया एलएलपी द्वारा मशीनों को एयरलिफ्ट कराने का अनुरोध किया गया है। जिसके लिए ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट के सप्लायर्स से लिफ्टिंग शेड्यूल मांगा गया है। विदित हो कि स्थापित किये जा रहे ऑक्सीजन जेनरेटर्स को उपयोग में लाये जाने के लिए चयनित अस्पतालों में डब्लूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ऑक्सीजन पाइपलाइन और न्यूनतम लगभग 42 किलोवाट क्षमता के जनरेटर एवं विद्युत स्वीकृत लोड की आवश्यकता होगी। जिसके लिए संबंधित जिलाधिकारियों को जानकारी विभाग की तरफ से उपलब्ध करा दी गई है। बरेली, गोरखपुर और सीतापुर, शामली, कुशीनगर, अमरोहा में दो-दो अस्पतालों का चयन किया गया है। जहां ऑक्सीजन जेनरेटर्स की स्थापना की जा रही है। सहारनपुर जिले में सीएचसी ननौता 50 बेड, बरेली में सीएचसीए मीरगंज 30 बेड और सीएचसी बहेड़ी में 30 बेड, बांदा में सीएचसीए नारायनी 50 बेड, श्रावस्ती में सीएचसी लक्ष्मणपुर 50 बेड, उन्नाव में सीएचसी औरास 50 बेड, प्रयागराज में पीएचसी उरुवा 50 बेड, फतेहपुर में सीएचसी बिंदकी 50 बेड, प्रतापगढ़ में ट्रामा सेंटर रानीगंज 50 बेड, कौशाम्बी सीएचसी मंझनपुर 50 बेड, चित्रकूट में सीएचसी मानिकपुर 50 बेड, अलीगढ़ में सीएचसी अतरौली 150 बेड, एटा में सीएचसी बगवाला 70 बेड, हाथरस में सीएचसी मुरसान 30 बेड, कासगंज में सीएचसी गंजडुण्डवाडा 30 बेड, बदायूं में सीएचसी घाटपुरी 50 बेड, महोबा में जिला अस्पताल 50 बेड, बलिया में सीएचसी सिआर 30 बेड शामिल हैं। ऐसे ही सीतापुर में सीएचसी खैराबाद 50 बेड और सीएचसी महमूदाबाद 30 बेड, बाराबंकी में जिला अस्पताल सिरौली गौसपुर 35 बेड, कानपुर देहात में सीएचसी पुखरायां 30 बेड, भदोही में ट्रामा सेंटर औराई 35 बेड, बहराइच में सीएचसी कैसरगंज 40 बेड, बागपत में सीएचसी सरुरपुर 50 बेड, जौनपुर में सीएचसी सथरिया 50 बेड, मथुरा में सीएचसी सोनाई 50 बेड, शामली में जिला अस्पताल शामली 100 और थाना भवन 30 बेड, अयोध्या में सीएचसी मसौधा 50 बेड, ऐसे ही अमेठी में सीएचसी फुर्सतगंज 25 बेड, पीलीभीत में सीएचसी भदौरा टांडा 100 बेड, मिर्जापुर में सीएचसी विंध्याचल 30 बेड, सोनभद्र में सीएचसी मधुपुर 30 बेड, कानपुर नगर में सीएचसी बिल्हौर 30 बेड, वाराणसी में सीएचसी चिरईगांव, नरपतपुर 30 बेड, लखनऊ सीएचसी गोसाईगंज 30 बेड, गोरखपुर में सीएचसी चौरी चौरा 50 बेड और सीएचसी हरनई 50 बेड, बस्ती में सीएचसी फिमेल अस्पताल हरैया 100 बेड आदि शामिल हैं।

जहरीली शराब कांड पर जांच के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजमगढ़ सहित कई जिलों में हुई जहरीली शराब की घटनाओं पर मुख्यंमत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिये हैं। इसके लिये सीएम ने एडीजी स्तर के एक अधिकारी को नामित करके जांच करने को कहा है। विदित हो कि कोरोना संकट के दौरान आजमगढ़ तथा राज्य के कुछ अन्य जिलों में जहरीली शराब की घटनाएं हुईं। जिसमे कई लोगों की जानें गई। टीम-9 के अधिकारियोंके साथ कोरोना संक्रमण पर चर्चा के दौरान सीएम ने जहरीली शराब की घटनाओं के बारे में अधिकारियों से पूछा। कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर सीएम ने तत्काल इन मामलों की गहन जांच के लिए एडीजी स्तर के अधिकारी को नामित कर जांच करने तथा दोषियों के खिलाफ एनएसए जैसी धाराएं लगाकर कठोरतम दंड दिये जाने के निर्देश दिये।

नदियों के किनारे यूपी पुलिस का कड़ा पहरा

विशेषकर गंगा नदी के किनारे बसे जिलों में पुलिस पीएसी व एसडीआरएफने शुरू की 24 घंटे पेट्रोलिंग

● अंतिम संस्कार के लिए शवों को नदी में प्रवाहित करने पर सख्ती के साथ रोक लगाने के पुलिस कप्तानों को निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की नदियों में शवों को प्रवाहित होने से रोकने के लिए यूपी पुलिस ने नदियों के किनारे कड़ा पहरा बैठा दिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को नदियों में शवों के अंतिम संस्कार के लिए प्रवाहित करने पर सख्ती के साथ रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। विशेष तौर से गंगा नदी के किनारे बसे जिलों में नदियों के किनारे तथा नदी में पुलिस, पीएसी व एसडीआरएफ के जरिए 24 घंटे पेट्रोलिंग करते हुए घाटों पर भी पुलिस पिकेट के जरिए निगरानी रखने को कहा गया है।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इसके साथ ही गांवों में एवं घाटों के आसपास ध्वनि प्रसार यंत्रों, पीए सिस्टम के द्वारा तथा पुलिस तथा प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से निवासियों के साथ मीटिंग कर उन्हें शवों को नदी में प्रवाहित न करने तथा आर्थिक कमजोर परिवारों को शासन द्वारा शव के अन्तिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना का प्रचार प्रसार करने को कहा गया है । यदि कोई शव कोविड 19 से प्रभावित है तो उसका अन्तिम संस्कार प्रत्येक स्थिति में निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल के अन्तर्गत ही किया जाए। एडीजी ने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अब तक वाराणसी में 7 शव , गाजीपुर में 15-16 शव, चन्दौली में 8 शव व बलिया में 8 शव नदियों में उतराते मिले थे। जिनका उचित रीति से अन्तिम संस्कार कराया गया है। उन्नाव में बक्सर घाट पर पुलिस पिकेट लगाने के साथ गंगा नदी में पुलिस पेट्रोलिंग की जा रही है। घाट से 100 मीटर की दूरी पर पुलिस चौकी बक्सर एवं थाना बारासगवर का कण्ट्रोल रूम स्थापित है, जहां से प्रकरण पर दृष्टि रखी जा रही है। बलिया का थानाक्षेत्र नरही जनपद गाजीपुर व बिहार के बक्सर का सीमावर्ती क्षेत्र है। शव विसर्जन की घटनाएं न हों इसके लिए पुलिस द्वारा नदी के किनारों एवं नदी में गस्त की जा रही है। नदी में मृत शरीर को फेंके जाने की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए पुलिस, लेखपाल व राजस्व अधिकारियों द्वारा ग्राम प्रधानों के साथ बैठकें कर निर्देशित करने के साथ ही अन्तिम संस्कार के सम्बन्ध में सरकारी योजनाओं के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जा रही है तथा इसका प्रचार-प्रसार मीडिया के द्वारा भी करवाया जा रहा है। गाजीपुर में 18 श्मशानघाटों पर पुलिस एवं राजस्व की स्टैटिक टीम की ड्यूटी शिफ्टवार लगायी गयी है। जिनके द्वारा शवों को प्रवाहित न किए जाने के लिए सतर्क दृष्टि रखी जा रही है । जनपद के थाना सैदपुर से थाना गहमर तक गंगा नदी के तटीय क्षेत्र में कुल 34 टीमें शिफ्टवार लगातार पैट्रोलिंग ड्यूटी कर रही हैं। उत्तर प्रदेश व बिहार के अन्तर्राज्यीय बार्डर पर थाना गहमर के बारा व देवल, थाना दिलदारनगर के ताजपुर कुर्रा एवं थाना जमनियां के कर्महरी व देवगढ़ी बार्डर पर चेकिंग के लिए पुलिस बल की शिफ्टवार ड्यूटी लगायी गयी है। गाजीपुर जिला प्रशासन द्वारा समस्त घाटों पर पर्याप्त लकड़ी की व्यवस्था करवाते हुए धनाभाव के कारण मृत सदस्य के अन्तिम संस्कार करने में असमर्थ परिवार के लिए सम्बन्धित ग्राम पंचायत अथवा नगर निकाय के माध्यम से 5 हजार रुपए की धनराशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

चित्रकूट घटना के बाद जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हुई नए सिरे से समीक्षा

● डीजी जेल आनंद कुमार ने एक दर्जन बिंदुओं पर कार्रवाई के लिए जेल अधीक्षकों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट जेल में हुई गैंगवार के बाद प्रदेश की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कारागार मुख्यालय ने नए सिरे से समीक्षा शुरू कर दी है। सभी जेलों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने को लेकर मंथन चल रहा है। चित्रकूट घटना के बाद उजागर हुई कमियों के आधार पर डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को एक दर्जन बिंदुओं पर कार्रवाई करने के दिशा निर्देश जारी किए हैं।

अब तक की हुई विभागीय जांच के बाद चित्रकूट जेल की घटना में जो प्रमुख कमियां उजागर हुई हैं उनसे यह साफ है कि कैदियों की सुरक्षा के नियमों की जेल अधिकारियों द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। जेलों में कैदी बेखटके एक स्थान से दूसरे स्थान पर और अपनी बैरक से दूसरे किसी कैदी की बैरक में आते जाते रहते हैं। इस तरह से उनके घूमने गिरने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। जेलों में मूवमेंट रजिस्टर नहीं बनाए गए हैं जहां कहीं पर हैं अभी तो उन्हें मेंटेन नहीं किया जाता। संवेदनशील स्थानों पर जवाब दें जेल कर्मियों की तैनाती नहीं है। 24 घंटे जेलों में किसी न किसी एक अधिकारी को मौजूद रहना चाहिए जबकि ऐसा नहीं हो रहा है पूरा प्रबंधन मातहतों के भरोसे छोड़ कर अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। संवेदनशील कैदियों तथा उनके कक्ष, बैरकों, अहातों की नियमित रूप से प्रभावी तलाशी भी नहीं की जा रही है। बंदियों के सामानों की नियमानुसार सघन तलाशी भी अनदेखी हो रही है। इसके लिए उपलब्ध उपकरणों का प्रयोग तक नहीं हो रहा है। डीजी जेल आनंद कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए निर्देश दिए हैं कि हाई सिक्योरिटी बैरक के बंदियों को एक साथ कतई न खोला जाए। सुरक्षा के लिए जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन हो। मुलाकात व्यवस्था बंद है, जिसे सख्ती से सुनिश्चित किया जाए। तलाशी व सर्विलांस के सभी उपकरण 24 घंटे क्रियाशील रहें। जेल गेट पर सभी आगन्तुकों समेत स्टाफ की भी तलाशी हो। सीसीटीवी कैमरे सभी संवेदनशील स्थानों पर अनिवार्य रूप से लगाया जाएं। कैमरों को बड़े अपराधियों पर फोकस किया जाए। कारागार में हर समय एक अधिकारी मौजूद रहे। हाई सिक्योरिटी बैरक के बंदियों का मूवमेंट कारण समेत एक रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए।

सोशल मीडिया पर वायरल परीक्षा कार्यक्रम को यूपी बोर्ड ने बताया फर्जी

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं पर असमंजस की स्थिति के बीच सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुये नए परीक्षा कार्यक्रम का बोर्ड ने खंडन किया है। बोर्ड ने कहा कि फर्जी परीक्षा कार्यक्रम वायरल करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव दिव्यकान्त शुक्ल ने वायरल परीक्षा कार्यक्रम पर कहा है कि 5 जून से 25 जून के बीच परीक्षा कार्यक्रम को लेकर वायरल समय सारिणी फर्जी है। इसका संज्ञान न लिए जाय। वायरल करने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। उधर सचिव दिव्यकान्त शुक्ल ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश जारी कर कहा है कि हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं के छमाही व वार्षिक परीक्षा में प्री बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांक व पूर्णांक 18 मई तक परिषद के वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाय।

ग्रामीण सड़कों के रखरखाव व चौड़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए: केशव

● भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, शहरों व कस्बों में बाईपास निर्माण की कार्य योजना बनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्रामीण सड़कों के रखरखाव, नवीनीकरण व चौड़ीकरण आदि पर विशेष रूप से फोकस किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है । उन्होंने यह भी कहा कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, शहरों, कस्बों आदि में बाईपास बनाने की कार्य योजना बनाई जाए। केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को राज्य सड़क प्रबंधन समिति की वर्चुअल बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रबंधन समिति के सदस्यों से भी सड़क निर्माण कार्यों के बारे में सुझाव लिए गए। राज्य सड़क निधि के अंतर्गत वर्ष 2021-22 की कार्य योजना में प्राविधानित 3000 करोड़ रुपए की धनराशि में से 2200 सौ करोड़ रुपए की धनराशि चालू कार्यों पर व 800 करोड़ रुपए की धनराशि नवीन कार्यों पर व्यय किए जाने हेतु समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि राज्य सड़क निधि 3054-मद में प्रावधानित 1500 करोड़ में से चालू कार्य हेतु 1200 सौ करोड़ एवं नए कार्यों हेतु 300 करोड़ रुपए की धनराशि की जाएगी तथा राज्य सड़क निधि मद-5054 में प्राविधानित 1500 करोड़ के सापेक्ष चालू कार्यों हेतु 1000 करोड़ एवं नए कार्यो हेतु 500 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी।

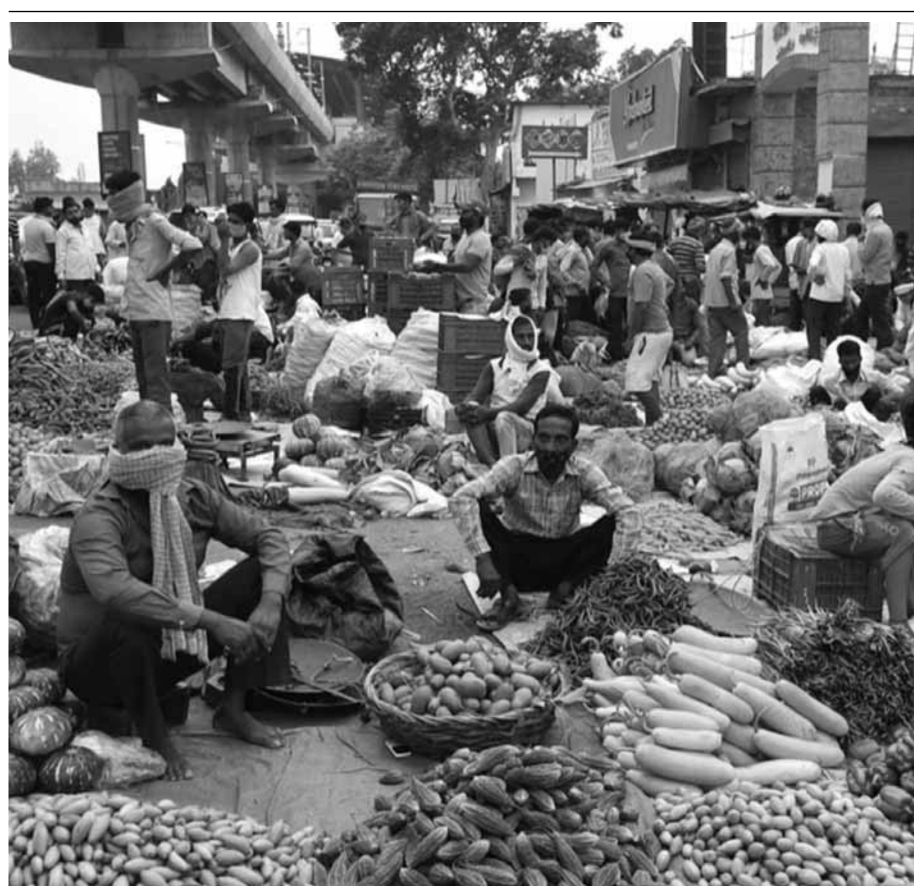

राजधानी की आलमबाग सब्जी मंडी में उड़ीं सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

बिजली कंपनियों को नियामक आयोग की फटकार

● रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने पर आयोग में हुई सुनवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर रेग्यूलेटरी सरचार्ज का भार डालने को लेकर उप्र विद्युत नियामक आयोग में वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए हुई सुनवाई में हंगामा रहा और उपभोक्ताओं के हित के सवाल पर आयोग और पावर कारपोरेशन कोई जवाब नहीं दे पाया।

प्रदेश की बिजली क पनियों की तरफ से दाखिल एआरआर वर्ष 2021-22 व स्लैब परिवर्तन सहित रेग्यूलेटरी सरचार्ज बढ़ाने के लिये दाखिल प्रस्ताव पर सोमवार को आयोग के चेयरमैन आरपी सिंह व अन्य सदस्य के साथ वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पश्चिमॉचल, दक्षिणॉचल व केस्को की सुनवाई प्रात: 11 बजे से शुरू होकर 2 बजे तक चली। तीनों क पनियों के प्रबन्ध निदेशकों, निदेशकों की तरफसे अपने प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया गया। पावर कारपोरेशन के रेग्यूलेटरी इकाई ने भी सभी बिजली कंपनियों के ऑकड़ों का संकलित प्रस्तुतीकरण किया गया। नियामक आयोग के चेयरमैन द्वारा बिजली कंपनियों पर तल्ख टिप्पणी से सभी के होश उड़ गए।

चेयरमैन नियामक आयोग ने कहा कि चूँकि उपभोक्ता परिषद 19537 करोड़ के एवज में बिजली दर कम करने की बात कर रहा है। इसलिए उसको रोकने के लिये आप नियम विरूद्ध रेग्यूलेटरी सरचार्ज का प्रस्ताव ले कर आ गये। केन्द्र सरकार की उदय की गाइडलाइन तो पढ़ लेते। अब आगे 19 मई को भी मध्यॉचल, पूर्वांचल की सुनवाई होगी इसके बाद आयोग बिजली दर पर निर्णय लेगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बिजली क पनियों पर अनेकों विधिक सवाल जब दागना शुरू किया तो सभी के होश उड़ गये। उपभोक्ता परिषद ने कहा रेग्यूलेटरी सरचार्ज का नियम विरूद्ध प्रस्ताव लाने के लिये बिजली क पनियों के प्रबन्ध निदेशकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई होनी चाहिए। 9 वर्षों में किसानों ग्रामीणों व शहरी के बिजली दरों में 84 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक वृद्धि की गयी है आज प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत उत्तर प्रदेश में केवल 629 यूनिट है। उसका मु य कारण बिजली दर मंहगी होने के कारण उपभोक्ता चाह कर भी उसका उपभोग नहीं कर पाता। उपभोक्ता परिषद ने कहा जो स्लैब परिवर्तन खारिज हो चुका है उसको कैसे दुबारा बिजली क पनियॉं लेकर आ गई। प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली क पनियों पर जो 19537 करोड़ निकल रहा है उसके एवज में बिजली दरों में एकमुश्त 25 प्रतिशत अथवा 3 वर्षों तक 8.8 प्रतिशत की कमी हो। जिससे करोना संकट में उपभोक्ताओं को राहत मिले। उपभोक्ता परिषद ने कहा जब नियामक आयोग ने 11.08 वितरण हानियॉं बिजनेस प्लान में अनुमोदित की तो बिजली क पनियॉं कैसे 16.64 प्रतिशत लेकर आ गयीं। यह जॉंच का मामला है।

जलशक्ति मंत्री आज बाराबंकी में बाढ़ कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जल शक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह मंगलवार को जनपद बाराबंकी के एक दिवसीय भ्रमण पर जा रहे है। इस भ्रमण के दौरान डा महेन्द्र सिंह जनपद में बाढ़ से बचाव के लिए संचालित विभिन्न निमार्ण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार जलशक्ति मंत्री पूर्वान्ह 11 बजे लखनऊ से चलकर 12:30 बजे ग्राम हाता में संचालित बाढ़ कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात तेलवारी, गोबरहा तथा अन्त में कहारनपुरवा में संचालित निर्माण कार्यों का मौकें पर मुआयना करेंगे। इसके उपरान्त सायं तक लखनऊ वापस लौटेंगे।

इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना और ब्लैक फंगस की बीमारी से लोगों की रोज ही जानें जाने लगी है, इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार हैं, मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं है तब ऐसी अनियंत्रित अवस्था में मुख्यमंत्री की जनपदीय यात्राओं से कौन सा परिणाम आएगा। मुख्यमंत्री जहां जाते हैं अस्पतालों में मरीजों को उनके हाल पर छोड़कर डाक्टर-अधिकारी उनकी आवभगत में लग जाते हैं। आदेश-निर्देश से क्या हासिल होना है। नदी किनारे शवों का अंबार, मंडराते गिद्धों-चीलों के दृश्य राज्य सरकार को यह सब क्यों नहीं दिखता है। अखिलेश ने कहा कि क्या यह सच्चाई नहीं है कि उत्तर प्रदेश में जो भी स्वास्थ्य ढांचा है वह समाजवादी सरकार में ही निर्मित हुआ है। भाजपा सरकार ने चार वर्ष में किसी अस्पताल की नींव तक नहीं रखी। अवध शिल्पग्राम और हज हाउस आज कोविड इलाज में काम आ रहे हैं, इनका निर्माण भी समाजवादी सरकार के समय ही हुआ था। वैसे भी मुख्यमंत्री अपने दौरों की निरर्थक कसरत से क्या संदेश देना चाहते हैं। उनके पास ऐसा कौन सा नुस्खा है जो डाक्टरों को पता नहीं है। बेहतर सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराती तो तमाम पीड़ितों को राहत मिलती। गांवों में दिन पर दिन हालत बिगड़ते जा रहे हैं। राज्य के एक लाख गांवो में 70 प्रतिशत आबादी है। यहां कोरोना या ब्लैक फंगस संक्रमण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है।

भेदभाव रहित मदद करे सरकार

● चुनाव ड्यूटी में मृत शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के आश्रितों को भी दिया जाए अनुदान व सरकारी नौकरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य की भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले शिक्षकों के समान शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों को एक समान अनुदान देने की मांग करते हुए कहा कि कोरोना की सरकार जनित त्रासदी में यह जान गंवाने वाले सभी लोगों के साथ समान नीति के अंतर्गत न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समान अनुदान के साथ मृतक शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के आश्रितों को सरकारी नौकरी भी दी जाए। लल्लू ने कहा कि शिक्षकों व अन्य कर्मियों के अतिरिक्त 200 शिक्षामित्रों, 99 अनुदेशकों सहित लगभग 100 रसोइयों को पंचायत चुनाव ड्यूटी करते समय कोरोना संक्रमण हुआ और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी है। शिक्षकों व अन्य राज्य कर्मियों के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रत्येक के आश्रितों को 30 लाख रुपया प्रति कर्मी अनुदान घोषित किया है लेकिन उसमें शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के लिये कोई राहत की घोषणा नहीं की, जिससे मृतको के आश्रितों के समक्ष रोजी रोटी का संकट है जिसके लिये राज्य सरकार पूरी तरह दोषी है। लल्लू ने कहा कि पंचायत चुनाव के दौरान जान गंवाने वाले शिक्षामित्रों अनुदेशकों व रसोइयों के लिए राहत ही घोषणा न किया जाना समता के मूल सिद्धांत व मानवीय आधार पर अन्याय है।

झूठ बोलकर अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही सरकार: सभाजीत

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि कोरोना महामारी से प्रदेश कराह रहा है, लेकिन योगी सरकार सब ठीक बता रही है। सरकार की कोशिश झूठ बोलकर अपनी नाकामी छिपाने की है, मगर नदियों के किनारे भयावह मंजर पूरी पोल खोल रहे हैं। गंगा किनारे दो हजार से ज्यादा शव दफन हैं। इलाज का हाल तो जगजाहिर है, अब योगी राज में लोगों को सम्मानजनक ढंग से अंत्येष्टि भी नहीं हो पा रही है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि सरकार महामारी की सच्चाई छिपाने में जुटी हुई है। सही आंकड़े जनता के सामने न आ पाएं, इसीलिए योगी सरकार ने कोरोना जांच आधे से भी कम करा दी है। सभाजीत सिंह ने कहा कि योगी सरकार महामारी पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। सीएम योगी की चुनावी जिद से कोरोना गांव तक फैल चुका है। सभाजीत सिंह ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में लगातार यह बात सामने आ रही है कि मरीजों की संख्या कम दिखाने के लिए जांचें भी घटा दी गई हैं।

मेडिकल सामग्री उत्पादन इकाई लगाने पर 25 प्रतिशत की छूट का शासनादेश जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में कोविड की महामारी के बीच सरकार ने एक सार्थक पहल की है जिससे उप्र की मेडिकल सामग्री के उत्पादन में निर्भरता दूसरे राज्यों पर नहीं रहेगी। सरकार द्वारा बीती कैबिनेट की बैठक में निर्णय लेने के बाद सोमवार को एमएसएमई विभाग ने शासनादेश जारी कर दिया। शासन ने उप्र कोविड इमरजेंसी वित्त पोषण योजना को लागू कर दिया है। योजना की अवधि पूरे एक साल होगी। इस बीच कोविड के इलाज से जुड़ी इकाइयों के विस्तार तथा नई इकाइयों की स्थापना पर सरकार द्वारा उद्यमियों को इकाई की स्थापना लागत का 25 फीसदी अथवा अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक सब्सिडी देगी।

योजना के लागू होने से राज्य में कोविड के इलाज में आक्सीजन तथा अन्य मेडिकल उपकरणों की कमी को पूरी करने में मदद मिलेगी। नई इकाइयों की स्थापना होने पर राज्य कोविड के इलाज में उपयोग में लाए जा रहे चिकित्सीय उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बन सकेगा। कोविड महामारी की व्यापकता को देखते हुए तात्कालिक आवश्यक्ताओं की पूर्ति में इस योजना से बड़ी उ मीदें हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए प्लांट, मशीनरी, उपकरण में पूंजी निवेश की न्यूनतम सीमा 20 लाख रुपये रखी गई है।

पात्र इकाइयों को वित्तीय सहायता देने के लिए सरकार रिवाल्विंग फंड बनाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक इकाई को किसी भी शिड्यूल कामर्शियल बैंक अथवा सिडबी में आवेदन करना होगा। अपर मु य सचिव एमएसएमई तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग की अध्यक्षता में शासन स्तर पर गठित कमेटी द्वारा आवेदनों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग योजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग होगा।

पिनराई विजयन मंत्रिमंडल में होंगे 21 मंत्री

● 20 मई को होगा शपथ ग्रहण

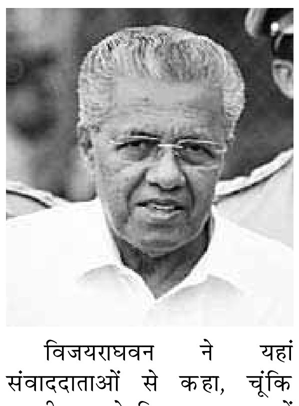

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली दूसरी सरकार 20 मई को शपथ ग्रहण करेगी और मंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या 21 होगी। यह जानकारी एलडीएफ के संयोजक एवं माकपा के कार्यवाहक राज्य सचिव ए विजयराघवन ने सोमवार को यहां दी।विजयराघवन ने एलडीफ की राज्य समिति की बैठक के बाद यहां कहा कि नई वाम सरकार का शपथ ग्रहण समारोह कोविड-19 स्थिति को देखते हुए सादगी से होगा जिसमें सीमित संख्या में लोग आमंत्रित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रियों के विभागों का फैसला मुख्यमंत्री करेंगे।

विजयराघवन ने यहां संवाददाताओं से कहा, चूंकि एलडीएफ को विधानसभा चुनावों के दौरान लोगों के हर वर्ग से अपार समर्थन मिला है, अतः हम एक ऐसी सरकार बनाना चाहते हैं जिसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो और जो सभी की उम्मीदों पर खरा उतर सके। माकपा नेता ने कहा, फिलहाल, 21 सदस्यीय सरकार बनाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ में सबसे बड़े गठबंधन सहयोगी माकपा के नए मंत्रिमंडल में 12 सदस्य होंगे जबकि दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भाकपा के 4 सदस्य होंगे, वहीं केरल कांग्रेस (एम), जनता दल (एस) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से एक-एक प्रतिनिधि होंगे।

उन्होंने कहा कि चूंकि मंत्रिमंडल में 21 से अधिक सदस्य शामिल हो सकते हैं, एलडीएफ ने अपने चार सहयोगियों, जिनके पास एक विधायक हैं, को बारी बारी के आधार पर मंत्री पद साझा करने का फैसला किया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि एंटनी राजू, (जनधिपति केरल कांग्रेस), के बी गणेश कुमार (केरल कांग्रेस-बी), अहमद देवरकोविल (इंडियन नेशनल लीग) और रामचंद्रन कडनपल्ली (कांग्रेस-एस) को दो चरणों में कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। माकपा और भाकपा क्रमशः विधानसभाध्यक्ष और उप विधानसभाध्यक्ष पदों पर रहेंगे, वहीं

केरल में गुजर चुका है कोविड-19 की दूसरी लहर का चरमः विजयन

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का चरम दौर गुजर चुका है। उन्होंने लोगों से किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की अपील भी की। विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा, विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का चरम दौर गुजर चुका है, लेकिन इसके बावजूद हमें किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। सप्ताहांत कर्फ्यू के बाद लॉकडाउन से पहले लगाए गए प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप कोरोना संक्रमण के दैनिक नए मामलों में कमी आ रही है। जो कि एक अच्छा संकेत है।

केदारनाथ के कपाट खुले, प्रधानमंत्री मोदी की ओर से की गई पहली पूजा

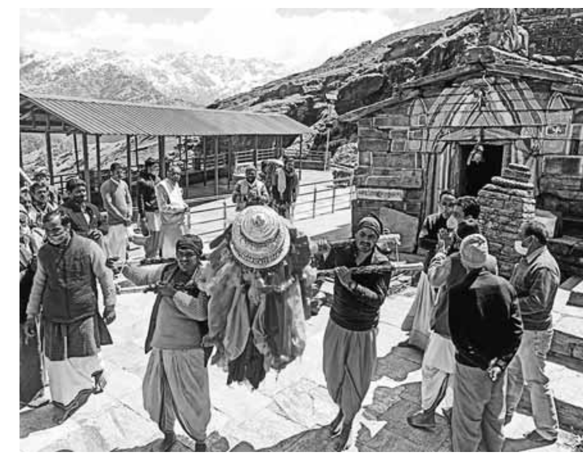

देहरादून। कोरोना वायरस के कहर के बीच उत्तराखंड के उच्च हिमालई क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ के कपाट छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को सुबह पांच बजे खुल गए जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गई। हालांकि, पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 के कारण बाबा भोले के धाम के कपाट खोले जाने के दौरान श्रद्धालु उपस्थित नहीं थे और सीमित लोगों की मौजूदगी में ही समारोह हुआ। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर प्रसन्नता जताई और जनकल्याण तथा आरोग्यता की कामना की। मेष लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रातः पांच बजे केदारनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए। मंदिर के कपाट खुलने की प्रक्रिया तड़के तीन बजे से शुरू हो गई थी। रावल भीमाशंकर एवं मुख्य पुजारी बागेश लिंग, देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडी सिंह एवं रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मनुज गोयल ने पूरब द्वार से मंदिर के मुख्य प्रांगण में प्रवेश किया तथा मुख्य द्वार पर पूजा-अर्चना के बाद भगवान शिव के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए। मंदिर के कपाट खुलने के पश्चात मुख्य पुजारी बागेश लिंग ने स्वयंभू शिवलिंग को समाधि से जागृत किया तथा निर्वाण दर्शनों के पश्चात श्रृंगार तथा रूद्राभिषेक पूजाएं की गई।

कोरोना के मरीजों को अब नहीं दी जायेगी प्लाज्मा थेरेपी

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने सोमवार को कोविड-19 उपचार के लिए नैदानिक परामर्श में संशोधन किया और मरीजों के उपचार के लिए, प्लाज्मा थेरेपी के उपयोग को नैदानिक प्रबंधन दिशा-निर्देश से हटा दिया। सरकार ने पाया कि कोविड-19 मरीजों के उपचार में प्लाज्मा थेरेपी गंभीर बीमारी को दूर करने और मौत के मामलों को कम करने में फायदेमंद साबित नहीं हुई। कोविड-19 के लिए गठित राष्ट्रीय कार्य बल-आईसीएमआर की पिछली सप्ताह हुई बैठक के दौरान सभी सदस्य प्लाज्मा थेरेपी को नैदानिक प्रबंधन दिशा-निर्देश से हटाने पर सहमत हुए थे, जिसके बाद सरकार का यह निर्णय सामने आया है। प्लाज्मा थेरेपी को कोविड-19 मरीजों के उपचार में प्रभावी नहीं पाया गया है। इसलिए कोविड-19 मरीजों के लिए उपचार संबंधी नैदानिक परामर्श में संशोधन करते हुए प्लाज्मा थेरेपी को हटा दिया गया।

इंदौर में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में तीन गिरफ्तार

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

कोविड-19 के इलाज में इस्तेमाल होने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शनों की कालाबाजारी के आरोप में यहां तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध निरोधक शाखा) गुरुप्रसाद पाराशर ने बताया कि कनाडिया रोड पर जाल बिछाकर पकड़े गए आरोपियों की पहचान अभिषेक कैथवास (21), गौरव पाटीदार (21) और रवि वैष्णव (24) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि तलाशी पर कैथवास और पाटीदार के कब्जे से एक-एक रेमडेसिविर इंजेक्शन पाया गया, लेकिन पूछताछ में वे इस बारे में पुलिस को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके कि उन्हें ए इंजेक्शन कैसे मिले। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा, आरोपियों ने रेमडेसिविर इंजेक्शन अवैध रूप से हासिल किए थे और वे इन्हें जरूरतमंद मरीजों के परिजनों को ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में थे पाराशर ने बताया कि आरोपियों का एक स्कूटर और एक मोटरसाइकिल पुलिस ने जब्त कर ली है और उनके खिलाफ भारतीय दंड विधान के संबद्ध प्रावधानों के साथ ही महामारी रोग अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विस्तृत जांच जारी है।

गौरतलब है कि इंदौर, मध्य प्रदेश में कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 35 लाख की आबादी वाले जिले में 24 मार्च 2020 से लेकर अब तक महामारी के कुल 1,39,185 मरीज मिले हैं। इनमें से 1,269 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

जम्मू कश्मीर को जर्मनी से मिले सात नए ऑक्सीजन संयंत्र

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर को सोमवार को जर्मनी से आयात किए गए सात ऑक्सीजन संयंत्र मिले जिनकी 7100 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) कुल उत्पादन क्षमता है। वायुसेना का एक विमान इन ऑक्सीजन संयंत्रों को जर्मनी के म्यूनिख से लेकर दोपहर को श्रीनगर हवाई अड्डा पहुंचा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ट्वीट किया, 1000-1000 एलपीएम के पांच, 1500 एलपीएम का एक और 600 एलपीएम क्षमता का एक नया ऑक्सीजन संयंत्र आने से ऑक्सीजन की वर्तमान उपलब्धता में 7100 एलपीएम की वृद्धि होगी। इससे इस केंद्रशासित प्रदेश में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचों में ऑक्सीजन की आपूर्ति काफी बढ़ेगी। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश को सात ऑक्सीजन संयंत्र प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री को हार्दिक आभार। उनके निर्देश पर ही ए ऑक्सीजन संयंत्र वायुसेना द्वारा जर्मनी के म्यूनिक से श्रीनगर हवाई अड्डे पर आज करीब पौने बारह बजे लाया गया।

सफल होने के लिए हमें भी भाजपा की तरह बड़ा सोचना होगाः सलमान खुर्शीद

भाषा। बेंगलुरु

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने उनकी पार्टी से, भाजपा की तरह बड़ा सोचने की पैरवी करते हुए सोमवार को कहा कि कांग्रेस को इस निराशावादी दृष्टिकोण को नहीं मानना चाहिए कि वह बहुत छोटी व कमजोर हो चुकी है तथा अपनी खोई जमीन वापस नहीं पा सकती। उन्होंने कहा, मैंने पश्चिम बंगाल और असम से एक चीज सीखी है: आपको यह कभी भी स्वीकार नहीं करना चाहिए कि आप आप बहुत छोटे हैं, कमजोर हैं और किसी क्षेत्र या राज्य में कुछ बड़ा नहीं कर सकते। खुर्शीद ने यह भी कहा, मेरा मानना है कि भाजपा ने उन जगहों पर भी ऐसा (बड़ा सोचने की रणनीति) किया है जहां उनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। उन्होंने उन स्थानों पर भी ऐसा करने का प्रयास किया जहां आज भी उनका कोई अस्तित्व नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, कांग्रेस को यह निराशावादी दृष्टिकोण नहीं स्वीकारना चाहिए कि वह अपनी जमीन बहुत ज्यादा खो चुकी है और इसे फिर से हासिल नहीं कर सकती। मुझे लगता है कि प्रतिबद्धता और विश्वास के साथ ही हम यह कर सकते हैं और हमें करना भी चाहिए। उन्होंने इस धारणा से सहमति जताई कि पश्चिम बंगाल में लोगों ने सोची-समझी रणनीति के साथ मतदान किया जिस वजह से कांग्रेस और वाम दलों का सफाया हो गया। उनसे सवाल किया गया था कि वह कांग्रेस के कुछ नेताओं की इस राय के बारे में क्या सोचते हैं कि पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट और असम में एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन से कांग्रेस को नुकसान हुआ। सलमान खुर्शीद ने कहा, जब आप सफल नहीं होते हैं तो इस तरह के स्पष्टीकरण दिए जाते हैं। जब आप सफल होते हैं आपको अलग तरह का स्पष्टीकरण दिया जाता है। उनके मुताबिक, मुझे नहीं लगता है कि चुनाव बाद के प्राधिकरण का कोई मतलब है जब तक इससे आपको अपने निर्णय लेने की प्रक्रिया और निर्णय की खूबियों के बारे में विश्लेषण करने में मदद न मिले। मैं यही कह सकता हूं कि दोनों तरफ से बहुत सारी चीजें कही जा सकती हैं। खुर्शीद ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का घोषणापत्र लोगों के बीच की भावनाओं को प्रकट करेगा।

शिमला में कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के लिए एक वैक्सीनेशन सेंटर पर लगी लोगों की लाइन

मध्य प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति अब नियंत्रण में हैः शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोमवार को फोन पर चर्चा कर प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस की स्थिति अब नियंत्रण में है। यह जानकारी मप्र के एक जनसंपर्क अधिकारी ने दी है। चौहान ने मोदी से कहा, मध्य प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति अब नियंत्रण में है। आज (सोमवार को) 5,921 संक्रमित मामले सामने आए और 11,513 मरीज संक्रमण मुक्त हुए। प्रदेश का रिकवरी रेट 87 प्रतिशत है और मध्य प्रदेश में संक्रमण दर नौ प्रतिशत है। उन्होंने प्रदेश में ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का आभार माना और उन्हें धन्यवाद दिया है। मोदी को चौहान ने प्रदेश में चल रहे किल कोरोना अभियान और टीकाकरण की जानकारी दी।

लॉकडाउन बढ़ाने पर अभी तक कोई फैसला नहींः एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरु

मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने पर विचार हो रहा है, लेकिन अभी तक कुछ फैसला नहीं हुआ है। लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने और पैकेज की घोषणा संबंधी सवालों के जवाब में एदियुरप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, हम आपको सूचित करेंगे... अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है... राज्य में फिलहाल 24 मई तक पूर्ण लॉकडाउन प्रभावी है, लेकिन कई नेता, मंत्री अवधि में विस्तार के पक्ष में हैं।

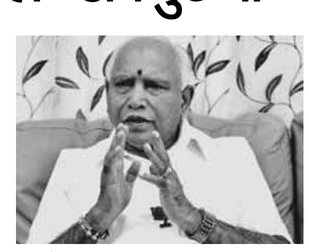

कर्नाटक सरकार ने 27 अप्रैल से 14 दिनों के शुरुआती लॉकडाउन की घोषणा की थी, लेकिन बाद में संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 10 से 24 मई तक के लिए पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया। लॉकडाउन अवधि में विस्तार की वकालत कर रहे कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और राजस्व मंत्री आर. अशोक ने आज कहा कि लॉकडाउन उपयोगी है क्योंकि बेंगलुरु में रोजाना आ रहे संक्रमण के नए मामले 22 हजार से कम होकर 8 हजार रह गए हैं और अवधि में विस्तार अच्छा होगा। इस बात को रेखांकित करते हुए कि लॉकडाउन के कारण महाराष्ट्र और दिल्ली में संक्रमण के नए मामलों में कमी आई है, मंत्री ने कहा कि मौजूदा लॉकडाउन को अवधि समाप्त होने के तीन दिन पहले मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वरिष्ठ मंत्रियों की बैठक होगी जिसमें फैसला लिया जाएगा।

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर के दो कारागारों में 92 कैदी कोरोना से संक्रमित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के दो कारागार में 92 कैदी कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि किसी भी कैदी में कोरोना वायरस का कोई लक्षण नही था और सभी को अलग कोठरी में पृथक रखा गया है। उधमपुर और कुपवाड़ा जिले के कारागार में की गई रैपिड एंटीजन जांच (आरएटी) के बाद अब यहां कुल 115 कैदी संक्रमित है। इन जेलों में 4,570 से अधिक कैदी बंद है। प्रमुख अलगाववादी नेता एवं तहरीक-ए-हुर्रियत के अध्यक्ष मोहम्मद अशरफ सेहराई की कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद पांच मई को सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी, जो उधमपुर जिला जेल में बंद थे। इसके करीब दो सप्ताह बाद ही दोनों जेलों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जेल में सबसे अधिक 72 कैदी और सात जेल के कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। उन्होंने बताया कि जेल परिसरों में 479 कैदियों की आरएटी जांच की गई है। कुपवाड़ा जिला जेल के 279 कैदियों में से 20 संक्रमित पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमित पाए गए किसी भी कैदी में कोरोना वायरस का कोई लक्षण नही था और इन सभी को अलग कोठरी में रखा गया है। पिछले साल राजौरी जिला जेल और भद्रवाह उप जेल में दो बुजुर्ग कैदियों की कोरोना वायरस से मौत हो गई थी। वही, अन्य 540 कैदी संक्रमण से उबर गए थे। इससे पहले, 10 मई को कठुआ जिला जेल में 21 कैदी संक्रमित पाए गए थे। जबकि कुछ दिन पहले जम्मू जिला जेल में एक और एक कैदी सेंट्रल जेल कोट भलवाल जम्मू में संक्रमित मिला था।

खराब वेंटिलेटर राजनीति का विषय नहीं होना चाहिएः फड़णवीस

औरंगाबाद। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र को बड़ी संख्या में वेंटिलेटर मिले है और उनमें जो खराब हैं, उन्हें बिना कोई राजनीति किए बदला जाना चाहिए। वह संभागीय आयक्त सुनील केंद्रेकर के साथ समीक्षा बैठक में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महाराष्ट्र को पीएमकेयर्स फंड से करीब 5000 वेंटिलेटर मिले हैं। उनमें से कई चार महीनों तक पैकिंग में रहे थे इसलिए जो खराब हैं, उन्हें शीघ्र ही बदल लिया जाना चाहिए। यह कोई राजनीति करने का विषय नही है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 14 मई की पत्र सूचना कार्यालय की विज्ञप्ति में कहा गया था कि औरंगाबाद में कुछ मेड इन इंडिया वेंटिलेटरों के सही से काम नही करने की जो खबर मीडिया में आई है, वह बेबुनियाद एवं असत्य है तथा उसमें पूरी जानकारी का अभाव है। क्षेत्र में कोविड-19 की स्थिति पर फड़णवीस ने कहा, लातूर और औरंगाबाद में मामले घटे हैं लेकिन संक्रमण दर अब भी 21 फीसदी है। बीड़ की स्थिति पर ध्यान देने की जरूरत है। बड़ी संख्या में ऑक्सीजन भंडारण टैंको की स्थापना एक अच्छा संकेत है और इससे भविष्य में मदद मिलेगी क्योंकि तीसरी लहर के लिए तैयारी करना अहम है।

न्यायालय ने देशद्रोह मामले में वाईएसआरसी के बागी सांसद के चिकित्सीय परीक्षण का आदेश दिया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्देश दिया कि राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार वाईएसआर कांग्रेस के बागी सांसद के रघु रामकृष्ण राजू को चिकित्सीय परीक्षण के लिए तेलंगाना में सिकंदराबाद स्थित सेना के अस्पताल ले जाया जाए। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने निर्देश दिया कि राजू को अगले आदेश तक सिकंदराबाद में सेना के अस्पताल में ही रखा जाए। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारी की मौजूदगी में ही उनका चिकित्सीय परीक्षण किया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि राजू के चिकित्सीय परीक्षण की वीडियोग्राफी कराई जाए और सील बंद लिफाफे में इसकी रिपोर्ट न्यायालय को भेजी जाए। पीठ ने कहा कि राजू की चिकित्सीय जांच तीन चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसकी अध्यक्षता सेना के अस्पताल के प्रमुख करेंगे। पीठ ने कहा कि उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए जैसा की पूर्व में दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था। राजू ने अपनी सुरक्षा को लेकर पिछले साल दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

राजद्रोह मामलाः समाचार चैनल ने शीर्ष अदालत से प्राथमिकी को रद्द करने की गुहार लगाई

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश मे अपने खिलाफ राजद्रोह के एक मामले मे दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के लिए एक मीडिया संस्थान ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संस्थान ने दावा किया कि यह राज्य में समाचार चैनलों को डराने की एक कोशिश है ताकि वे सरकार की आलोचना करने वाली किसी भी सामग्री का प्रसारण करने से डरें। टीवी5 समाचार चैनल के स्वामित्व वाले श्रेया ब्रॉडकास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि राज्य सरकार एक फर्जी प्राथमिकी दर्ज कर अपने आलोचकों और मीडिया को चुप कराना चाहती है और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही है। चैनल के ब्यूरो हैदराबाद, विशाखापत्तनम तथा विजयवाड़ा में है।

विधायक ने पंजाब के सीएम के राजनीतिक सलाहकार को धमकाने के लगाए आरोप

भाषा। चंडीगढ़

कांग्रेस के विधायक परगट सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के राजनीति सलाहकार संदीप संधू पर सोमवार को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी की घटना पर राज्य सरकार से सवाल करने के बाद उन्हें धमकी दी गई है। परगट ने कहा कि संधू ने पिछले सप्ताह उन्हें फोन किया था। कांग्रेस के विधायक ने कहा, संदीप संधू ने बृहस्पतिवार रात मुझे फोन किया और धमकी दी। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ दस्तावेज इकट्ठे कर लिए गए हैं और मुझे परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा।

जालंधर छावनी से विधायक ने कहा कि वह सच बोलने और बेअदबी तथा बिजली खरीद समझौते की समीक्षा जैसे मुद्दे उठाने के लिए कोई भी सजा भुगतने को तैयार हैं। संधू ने हालांकि इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। परगट को कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू का करीबी माना जाता है, जिन्होंने 2015 में धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी और उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के गोलियां चलाने के मामले की जांच के संबंध में अपनी ही सरकार की मंशा पर पिछले महीने सवाल उठाए थे। उन्होंने अमरिंदर सिंह को राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर किए गए अपने कामों के संबंध में एक सर्वेक्षण कराने का भी सुझाव दिया था। दो मंत्रियों सहित कांग्रेस विधायकों के एक वर्ग ने 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी और उसके बाद पुलिस की गोलीबारी की घटनाओं में आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री पर दबाव बनाने के लिए खुद को फिर से संगठित किया है। वर्ष 2015 में जब घटनाएं हुई थीं, उस समय पंजाब में भारतीय जनता पार्टी तथा शिअद की गठबंधन सरकार थी और प्रकाश सिंह बादल राज्य के मुख्यमंत्री थे।

केंद्र और राज्य के बीच रेमडेसिविर को लेकर समन्वय की कमीः गुजरात उच्च न्यायालय

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यक मात्रा के आवंटन में केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय की कमी प्रतीत होती है। केंद्र सरकार ने पिछले एक महीने से राज्य को प्रतिदिन करीब 16,000 शीशियों की आपूर्ति जारी रखी है जबकि मांग प्रतिदिन लगभग 25,000 शीशियों की थी। न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति भार्गव डी त्रिवेदी की एक खंडपीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सहायक सॉलिसिटर जनरल देवांग व्यास से पूछा कि गुजरात की मांग क्यों नहीं पूरी की जा रही है।

अदालत से सवाल किया, उन रोगियों का क्या होगा जिन्हें इस (इंजेक्शन) की आवश्यकता है? क्या सरकार को रोगियों को रेमडेसिविर के अभाव में मरने देना चाहिए अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों को कोविड-19 के गंभीर रोगियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रेमेडिसविर के आवंटन के लिए नीति को रिकॉर्ड में रखे। अदालत ने कहा कि उत्पादन पहले के 30,00,000 शीशी प्रति माह से बढ़कर एक करोड़ शीशी होने के बावजूद, गुजरात के लिए केंद्र का आवंटन 21 अप्रैल से लगभग 16,000 प्रतिदिन बना हुआ है। अदालत कोविड-19 महामारी से संबंधित मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लेकर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत को बताया कि 21 अप्रैल से 16 मई के बीच गुजरात को प्रतिदिन 16,115 शीशियों की दर से रेमेडिसविर की 4,19,000 शीशियां मिलीं, जबकि राज्य ने 25,000 से अधिक शीशियों की मांग की थी। राज्य सरकार की 25,000 शीशियों की मांग अधिकतम थी। फिलहाल आपका (राज्य का) जीएमएससीएल (गुजरात मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि.) इसे (अस्पतालों को) गुजरात में आवश्यकताओं के अनुसार वितरित कर रहा है। फिर, उन परिस्थितियों में जब अस्पतालों से जीएमएससीएल को मांग आती है और आप (सरकार) इसे केंद्र को भेजते हैं। अदालत ने कहा, अब ऐसा लगता है कि केंद्र और राज्य के बीच पिछले एक महीने से शेष लगभग 10,000 रेमडेसिविर शीशियों की खरीद के लिए समन्वय की कमी है। अदालत ने कहा कि केंद्र को सोमवार से ही पर्याप्त कोटा देना चाहिए। व्यास ने अदालत को बताया कि रेमडेसिविर को 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मांग और शीशियों की उपलब्धता के अनुसार आवंटित किया जा रहा था और ऐसा नहीं है कि केंद्र के पास असीमित आपूर्ति थी और वह इसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रोक रहा था।

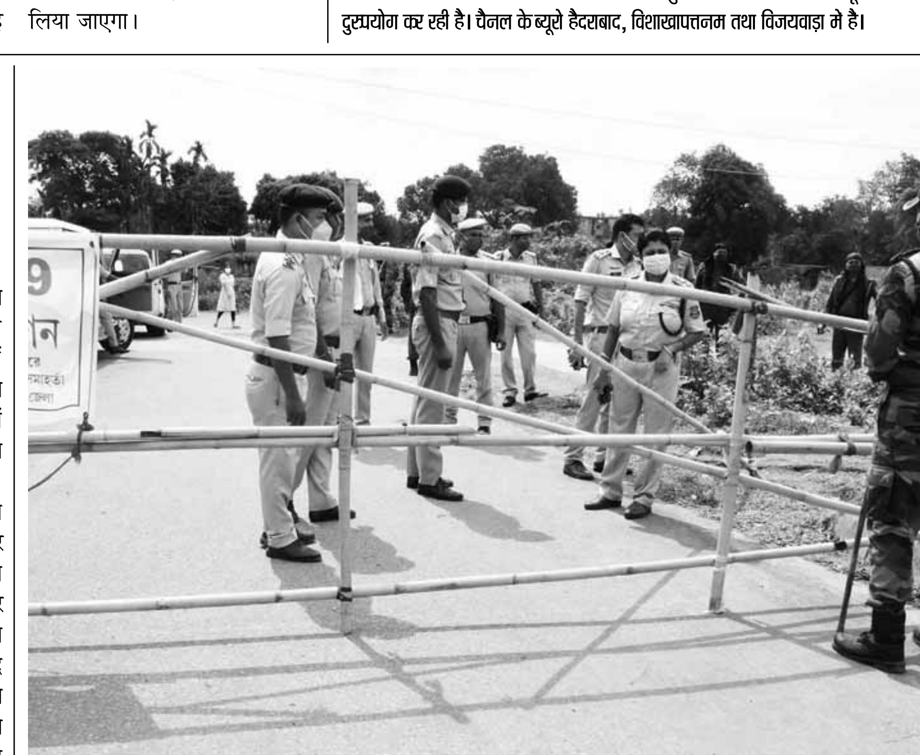

अगरतला में कोविड-19 कन्टेनमेंट जोन की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी

डॉक्टरों का ऋणी है पूरा देश: पीएम

● प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 के खिलाफ जंग में योगदान दे रहे चिकित्सकों के साथ किया संवाद

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर तैनात चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण अभियान में सर्वोच्च प्राथमिकता देने की रणनीति का फायदा दूसरी लहर में देश को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश के 90 फीसदी के करीब स्वास्थ्य पेशेवरों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है और टीकों ने अधिकांश चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। प्रधानमंत्री ने यह बात कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में योगदान दे रहे चिकित्सकों से संवाद के दौरान कही। उन्होंने इस महामारी से मिली सीख के बारे में चिकित्सकों के अनुभव सुने और उनसे सुझाव भी मांगा। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे अपने नित्य कामकाज में ऑक्सीजन की आपूर्ति का हिसाब रखने को भी शामिल करें और साथ ही जो मरीज अपने घरों में पृथकवास में हैं उनके इलाज में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में कोविड केयर केंद्रों में कार्यरत चिकित्सकों के समूह के अलावा नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य सचिव, पीएमओ, विभिन्न मंत्रालयों और केंद्र सरकार के विभागों के अधिकारी मौजूद थे। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान उत्पन्न हुई असाधारण परिस्थितियों के

बीच कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए समूचे चिकित्सीय समुदाय की सराहना की और कहा कि पूरा देश उनका ऋणी है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे जांच हो या दवाओं की आपूर्ति या फिर नए संसाधनों की स्थापना, ए सभी रिकार्ड समय में और तीव्र गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन और आपूर्ति की विभिन्न चुनौतियों से निपटा गया है और मानव संसाधन को बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें एमबीबीएस छात्रों को कोविड उपचार में लगाना और आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि घरों में इलाजरत मरीजों के उपचार में टेलीमेडिसीन बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है और इसका दायरा अब ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाया जाना चाहिए। गांवों में टीम बनाकर टेलीमेडिसीन की सेवा दे रहे चिकित्सकों की सराहना करते हुए उन्होंने देश भर के चिकित्सकों से अपील की कि वह भी ऐसी ही टीमें बनाकर एमबीबीएस छात्रों को प्रशिक्षित कर तहसील और जिलों में टेलीमेडिसीन सेवा दें। देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच प्रधानमंत्री लगातार बैठकें कर रहे हैं और विशेषज्ञों से चर्चा कर रहे हैं। ज्ञात हो कि भारत में सोमवार को कोविड-19 के 2,81,386 नए मामले सामने आए। इसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,49,65,463 हो गई। पिछले 27 दिन में एक दिन में सामने आए ए सबसे कम नए मामले हैं। संक्रमण से पिछले 24 घंटे में 4,106 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 2,74,390 हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार की सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी 35,16,997 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 14.09 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से कुल 2,11,74,076 लोग उबर चुके हैं और मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 84.81 प्रतिशत है।

विदेशी सहायता के तौर पर मिले 5.5 लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन: केंद्र

● केंद्र राज्यों व केंद्र शासित राज्यों में प्रभावी ढंग से किया है वितरण

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने सोमवार को कहा कि विदेशी सहायता के तौर पर मिले 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, 11,321 ऑक्सीजन सांद्रक, 15,801 ऑक्सीजन सिलेंडर और करीब साढ़े पांच लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन 27 अप्रैल से 16 मई के बीच विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वितरित किए जा चुके हैं या वहां के लिए रवाना किए जा चुके हैं।

सरकार को 27 अप्रैल से विभिन्न देशों और संगठनों से कोविड-19 चिकित्सा राहत सामग्री और उपकरण के तौर पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एक सुव्यवस्थित व प्रणालीबद्ध रूप से विभिन्न मंत्रालय और विभाग समूची सरकार के तौर पर बिना किसी रुकावट के सामूहिक रूप से आने वाली वैश्विक सहायता को राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंचाने के काम में जुटे हैं। मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर 11321 ऑक्सीजन सांद्रक, 15801 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन संयंत्र, 7470 वेंटीलेटर या बाइपेप और करीब साढ़े पांच लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन सड़क या हवाई मार्ग से 27 अप्रैल से 16 मई के बीच वितरित या रवाना किए जा चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि 15-16 मई को आई सहायता में ऑस्ट्रेलिया, रोमानिया, अमेरिका, कजाकस्तान, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (जर्मनी, पुर्तगाल, स्लोवेनिया), कतर, कुवैत, आईसीबीएफ (कतर), ब्रिटिश ऑक्सीजन कंपनी (ब्रिटेन), मेडिकल ऐड (ब्रिटेन) से बड़े पैमाने पर मिली राहत सामग्री शामिल हैं जिनमें 263 ऑक्सीजन सांद्रक, 105 वेंटीलेटर, बाइपेप और सीपेप, 2332 ऑक्सीजन सिलेंडर, 30753 रेमडेसिविर इंजेक्शन और अन्य दवाएं शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों और संस्थानों तक इस राहत सामग्री का प्रभावशाली तरीके से शीघ्र आवंटन और वितरण एक नियमित प्रक्रिया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय नियमित रूप से इसकी व्यापक निगरानी कर रहा है। मंत्रालय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के तौर पर मिलने वाले अनुदान, सहायता और दान के रूप में आने वाली कोविड राहत सामग्री की प्राप्ति और आवंटन के बेहतर प्रबंधन के लिए एक समर्पित समन्वय प्रकोष्ठ का गठन भी किया गया है। मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि इस प्रकोष्ठ ने 26 अप्रैल से काम करना शुरू किया था। मंत्रालय ने इस संबंध में दो मई को एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर उसे लागू कर दिया है।

रोज गोमूत्र का अर्क पीती हूं, कोरोना नहीं होगा: प्रज्ञा

● कांग्रेस ने बयान पर किया भाजपा पर वार

भाषा। भोपाल

भोपाल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सोमवार को दावा किया कि गोमूत्र अर्क का सेवन करने से कोविड-19 नहीं होगा, क्योंकि इससे फेफड़ों का संक्रमण दूर होता है। उन्होंने कहा, मैं प्रतिदिन गोमूत्र अर्क का सेवन करती हूं, इसलिए मैं कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं हुई और ना हाउंगी। सांसद के बयान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि गोमूत्र से कोरोना के सफल प्रज्ञा के दावे को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को गंभीरता से लेना चाहिए और सरकार को गोमूत्र चिकित्सा पर मेडीकल कॉलेज में गोमूत्र पीठ स्थापित करनी चाहिए।

भोपाल के बैरागढ़ इलाके में रविवार शाम ऑक्सीजन सांद्रक जनता को समर्पित करने के बाद एक कार्यक्रम में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा, देसी गाय के गोमूत्र का अर्क हम अगर लेते हैं तो उससे हमारे फेफड़ों का संक्रमण दूर होता है। उन्होंने कहा, मैं बहुत तकलीफ में हूं, लेकिन प्रतिदिन गोमूत्र अर्क लेती हूं और इस कारण मुझे कोरोना के लिए कोई और औषधि नहीं लेनी पड़ रही है। ना ही मैं कोरोनाग्रस्त हूं, ना ही ईश्वर मुझे (संक्रमित) करेगा क्योंकि मैं उस औषधि (गोमूत्र अर्क) का उपयोग कर रही हूं। प्रज्ञा के इस बयान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने तंज कसा, समय-समय पर भाजपा की वैज्ञानिक बुद्धि संपन्न नेत्रियां देश को वैकल्पिक तरीकों से कोरोना का इलाज सुझाती रहती हैं। इस संदर्भ में भोपाल से सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का सुझाव सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए और प्रदेश के किसी मेडिकल कॉलेज में गोमूत्र पीठ की स्थापना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि प्रज्ञा भोपाल की सांसद हैं इसलिए भोपाल मेडिकल कॉलेज को यह दायित्व वहन करते हुए एक गोमूत्र वार्ड भी बनाना चाहिए जिसमें संघ और भाजपा के कोरोना वायरस संक्रमित कार्यकर्ता आगे बढ़कर इस चिकित्सा पद्धति से उपचार करवाने आ सकते हैं। उन्होंने कटाक्ष किया, वैज्ञानिक तरीके से इसके आंकड़े एकत्र कर उसे दुनिया की प्रतिष्ठित मेडिकल पत्रिकाओं में छपवाया जाए, ताकि दुनिया की चिकित्सा पद्धतियों को भी हमारे सांसदों का मार्गदर्शन प्राप्त हो।

गुप्ता ने कहा, भाजपा नेता रोज देश में भ्रम का वातावरण पैदा करने में लगे हुए हैं। कोई गोबर से, तो कोई गोमूत्र से, तो कोई यज्ञ से कोरोना को ठीक करने का दावा कर देश की जनता को केंद्र सरकार के गाइडलाइन से चल रही चिकित्सा से भ्रमित कर देता है। सरकार को ऐसी बयानबाजी पर रोक लगाने के लिए वैज्ञानिक शोध पीठ का गठन करने की सलाह देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, पीठ की स्थापना से ना केवल बयानबाजी पर रोक लगेगी बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों को अपने दिशा-निर्देशों का पालन करवाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। उन्होंने कहा, अगर यह चिकित्सा वैज्ञानिक रूप से सही पाई जाती है तो सरकार इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से आगे बढ़ाए। अन्यथा इस तरह के बयानों को अफवाहों की श्रेणी में रखकर उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करे।

हैदराबाद के अपोलो हॉस्पिटल में स्पूतनिक वी वैक्सीन के साथ स्वास्थ्यकर्मी

निशंक ने राज्यों के साथ शिक्षा रणनीति पर चर्चा की

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने सोमवार को राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों के साथ बैठक की जिसमें कोरोना महामारी के दौरान शिक्षा व्यवस्था के प्रबंधन और स्कूलों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाओं से जुड़ी रणनीतियों के बारे में चर्चा की गई। अधिकारियों के मुताबिक, 12 वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के मुद्दे पर भी चर्चा हुई और इस संदर्भ में राज्यों से सुझाव मांगे गए। सीबीएसई ने पहले ही घोषणा कर दी है कि एक जून या इसके बाद समीक्षा की जाएगी और फिर लंबित बोर्ड परीक्षाओं के बारे में फैसला किया जाएगा। कोरोना महामारी के चलते 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं पहले ही रद्द हो चुकी हैं और मूल्यांकन की नीति की घोषणा

कर दी गई है। अभिभावकों एवं छात्रों का एक वर्ग मांग कर रहा है कि 10 वीं कक्षा की परीक्षा की तरह 12 वीं की परीक्षा रद्द की जाए और मूल्यांकन की समान नीति लागू की जाए।

बैठक में शिक्षा मंत्री निशंक ने कहा कि महामारी के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारों तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी एजेंसियों ने शिक्षा व्यवस्था को ऑनलाइन जारी रखा और जेईई और नीट (स्नातक) जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाएं भी कराईं। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास और प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि हमारे विद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले 24 करोड़ छात्र-छात्राओं की शिक्षा जारी रहे। हम अपने घरों को कक्षाओं के रूप में परिवर्तित करने में सफल रहे हैं। हमने यह सुनिश्चित करके भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि किसी भी छात्र को एक वर्ष का नुकसान नहीं हो। मंत्री ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग और एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि देश कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा है जो पिछली लहर से भी बड़ी चुनौती है। शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने कहा कि पढ़ाने की ऑनलाइन और ऑफलाइन पद्धतियों को मिलाकर एक मिश्रित शिक्षा प्रदान करने के लिए उपायों पर विचार करने की जरूरत है।

चक्रवात ताउत

राजनाथ ने तीनों बलों से नागरिक प्रशासन की हर मदद करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को तीनों सशस्त्र सेनाओं को निर्देश दिए कि वे चक्रवात ताउते के कारण बनी परिस्थितियों से निपटने में तटीय राज्य महाराष्ट्र और गुजरात में नागरिक प्रशासन की हर संभव मदद करें। चक्रवात से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा के बाद सिंह ने ए निर्देश दिए। रक्षा मंत्रालय ने कहा, रक्षा मंत्री ने निर्देश दिया कि तीनों सेनाएं मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए नागरिक प्रशासन की हर संभव सहायता करें। सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक की जिसमें प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, रक्षा सचिव अजय कुमार, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया और सेना प्रमुख एम एम नरवणे समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्रालय ने कहा कि प्रभावित इलाकों में जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता व राहत सामग्री पहुंचाने के लिए नौसेना के तीन पोतों को तैयार रखने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ अन्य पोत भी पश्चिमी समुद्र तट पर खराब मौसम के कारण फंसी मछली पकड़ने वाली नौकाओंछोटी नौकाओं की मदद के लिए तैयार हैं। नौसेना के समुद्री टोही विमान लगातार मछुआरों को चक्रवात की जानकारी और चेतावनी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री को बताया गया कि भारतीय नौसेना के 11 गोताखोर दलों को भी तैयार रहने को कहा गया है जबकि 12 समुद्री राहत दल और चिकित्सा दल नागरिक प्रशासन की मदद के लिए गठित किए गए हैं।

कोविन पोर्टल अगले सप्ताह से हिंदी समेत अन्य भाषाओं में उपलब्ध होगा: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि कोविन पोर्टल अगले सप्ताह तक हिंदी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध रहेगा जबकि कोविड-19 स्वरूपों की निगरानी के लिए 17 और प्रयोशालाओं को जोड़ा जाएगा।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन की अध्यक्षता में सोमवार को कोविड-19 पर हुई उच्च स्तरीय मंत्रिमंडल समूह (जीओएम) की 26वीं बैठक के दौरान इन निर्णयों की घोषणा की गई। मंत्रालय ने कहा कि हर्षवर्धन ने मंत्रिमंडल सहयोगियों को बताया कि नमूनों की जांच को बढ़ाने के लिए आईएनएसएसीओजी नेटवर्क में 17 नई प्रयोगशालाओं को जोड़ा जाएगा। दी इंडियन सार्स-सीओवी2 कॉनसोर्टियम ऑन जीनोमिक्स (आईएनएसएसीओजी) देशभर में फैली दस राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का समूह है जिसकी स्थापना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बीते वर्ष 25 दिसंबर को की थी। इस समिति का काम कोरोना वायरस की जीनोम श्रृंखला तैयार करना और जीनोम के स्वरूपों तथा महामारी के बीच संबंध तलाशना है। हर्षवर्धन ने कहा, भारत में 26 दिन बाद पहली बार कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों की संख्या गिरकर तीन लाख से नीचे चली गई है। साथ ही, पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ।,01,461 की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने देश की पहली कोविड-रोधी दवा 2-डीजी जारी करने के लिए रक्षा वैज्ञानिकों के प्रयासों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री ने सदस्यों को सूचित किया कि यह दवा देश में महामारी से निपटने में बेहद अहम साबित हो सकती है क्योंकि इस दवा के उपयोग से कोविड-19 मरीजों के लिए ऑक्सीजन सहायता की निर्भरता कम हो सकती है। बयान के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि महामारी से निपटने के लिए केंद्र राज्यों की लगातार सहायता कर रहा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 4.22 करोड़ से अधिक एन-95 मास्क, 1.76 करोड़. पीपीई किट, 52.64 लाख रेमडेसिविर टीके और 45,066 वेंटिलेटर वितरित किए जा चुके हैं।

इसके मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने जीओएम को सूचित किया कि कोविन पोर्टल अगले सप्ताह तक हिंदी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा।

पेज 1 का शेष

कोरोना से थोड़ी...

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

लॉकडाउन आया काम...

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, संक्रमण दर गिरकर 8.42 प्रतिशत पर आ गई है। यह गत नौ अप्रैल के बाद से सबसे कम दर्ज की गई है। नौ अप्रैल को संक्रमण दर 7.8 प्रतिशत थी। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 53,756 नमूनों की जांच की गई, जोकि पिछले दिनों हुए नमूनों की जांच से काफी कम संख्या रही। रविवार को कोविड-19 के 6456 मामले, शनिवार को 6430, शुक्रवार को 8506, बृहस्पतिवार को 13287 मामले सामने आए थे।

सरकार ने कोरोनारोधी...

डीआरडीओ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हमें ना तो थकना है और ना ही आराम करना है। क्योंकि यह लहर दूसरी बार आई है और इसे लेकर कुछ निश्चित जानकारी नहीं है। हमें बहुत सावधानी से कदम आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि चाहे ऑक्सीजन की आपूर्ति का मामला हो या आईसीयू बिस्तरों या तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए क्रायोजेनिक टैंकरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात हो, सरकार ने पूरी स्थिति को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त हो चुके चिकित्सकों को स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए मोर्चे पर लगाया गया है। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि इस दवा के उपयोग से सामान्य अवधि के मुकाबले मरीज दो से ढाई दिन पहले ठीक हो रहे हैं। कोविड रोगियों की ऑक्सीजन पर निर्भरता 40 प्रतिशत कम होगी। पाउडर के रूप में उपलब्ध होने से लोगों का असानी भी होगी। वह इसे पानी में घोलकर आसानी से पी सकेंगे।

दुनियाभर में कोरोना...

यह दवा उन दवाओं के वर्ग का हिस्सा है जिसे प्रोटीज इनहिबिटर (बाधा) कहते हैं। इसका काम एंजाइम को बाधित कर मानव कोशिकाओं में वायरस को दोहराने से रोकना है। अमेरिका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) और ब्रिटेन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ प्लेमाउथ ने पाया है कि एमके-4482, जिसे मोलनुपिरवीर भी कहा जाता है, को सार्स-कोव-2, नोवेल कोरोना वायरस या कोविड-19 के संक्रमण होने से 12 घंटे पहले और संक्रमण होने के 12 घंटे बाद भी लें तो यह अपना प्रभाव छोड़ती है। यह कोविड-19 के इलाज में यह खाने वाली दवा प्रभावी साबित हो सकती है। इसे जर्मन कंपनी मर्क ने रिजबैक बायोथेरेप्यूटिक्स के साथ मिलकर तैयार किया है। यूमीफेनोवीर नामक एक एंटीवायरल दवा (आर्बिडोल ब्रांड नाम के तहत रूस में बिक्री होती है, और इन्फ्लूएंजा के उपचार के लिए चीन में भी उपलब्ध है) का चीन और अन्य देशों में कोविड-19 के उपचार के रूप में अध्ययन किया जा रहा है। रेडहिल बायोफार्मा द्वारा दो अन्य खाने वाली दवाओं का विकास किया जा रहा है, जिसमें से एक अस्पताल में भर्ती कोविड-19 मरीजों के लिए और दूसरी घर में हल्के संक्रमण वाले मरीजों के लिए है। पहला, ओपागानिब (येलिवा) अस्पताल में भर्ती मरीजों के 2/3 चरण के वैश्विक परीक्षण चल रहा है। दूसरे चरण में यह मरीजों के लिए सुरक्षित होने के साथ मरीज की ऑक्सीजन की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से कम करती है।

बंगाल में दो मंत्रियों...

केंद्रीय जांच एजेंसी ने मामले के संबंध में चारों नेताओं को गिरफ्तार किया था जिन्हें 2014 में कथित तौर पर एक स्टिंग ऑपरेशन में रुपए लेते हुए देखा गया था। कोलकाता स्थित निजाम पैलेस में सीबीआई दफ्तर राजनीतिक विवाद का नया केंद्र बन गया, जहां मुख्यमंत्री बनर्जी गिरफ्तार किए गए नेताओं के परिजनों के साथ पहुंचीं और उन्होंने खुद को भी गिरफ्तार करने की मांग की। वहीं मौके पर जमा हुए नाराज प्रदर्शनकारियों ने कोरोना वायरस को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन का उल्लंघन किया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव भी किया। दिल्ली में सीबीआई प्रवक्ता आर सी जोशी ने कहा, एजेंसी ने नारद स्टिंग ऑपरेशन से संबंधित एक मामले में पश्चिम बंगाल की तत्कालीन सरकार के चार (पूर्व) मंत्रियों को आज गिरफ्तार किया। आरोप था कि तत्कालीन सरकारी सेवकों को स्टिंग ऑपरेशन करने वाले से रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद किया गया था। वकील अनिंद्य राउत ने बताया कि विशेष सीबीआई न्यायाधीश अनुपम मुखर्जी ने डिजिटल सुनवाई में चारों नेताओं के वकीलों और एजेंसी के वकील की दलीलें सुनने के बाद उन्हें जमानत दे दी। इसी अदालत में एजेंसी ने अपना आरोप-पत्र दायर किया था।मुख्यमंत्री बनर्जी तृणमूल नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर पूर्वाह्न 11 बजे से शाम करीब 5 बजे तक धरने पर बैठीं। बिल्कुल इसी तरह उन्होंने करोड़ों रुपए के सारदा चिटफंड घोटाले के मामले में 2019 में कोलकाता के तत्कालीन पुलिस आयुक्त राजीव कुमार से पूछताछ करने के सीबीआई के कदम के खिलाफ प्रदर्शन किया था। सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि बनर्जी का कदम कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा एजेंसी को सौंपी गई जांच में हस्तक्षेप के समान है।

तौकते तूफान से...

इसके अलावा आपाता स्थितियों से निबटने के लिए अतिरिक्त जनरेटर और ऑक्सीजन टैंकर को सुरक्षित रखा गया था। केंद्र शासित प्रदेश दीव में स्वास्थ्य सचिव ए. मुथ्थमा ने कहा कि प्रशासन ने सिविल अस्पताल में 250 किलोवाट क्षमता का जनरेटर स्थापित किया गया ताकि पहले से लगा जेनरेटर अगर खराब हो तो भी व्यवस्था प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि इस समय 177 मरीज का वर्तमान में इलाज चल रहा है, जिसमें से 60 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं।

दो सौ से अधिक...

शोधकर्ताओं का कहना है कि हाल ही में हुई मौतों में 60 साल से कम उम्र के पत्रकार ज्यादा हैं। चार पत्रकार- धारपल्ली के 48 वर्षीय अल्लादी शेखर जो साक्षी अखबार के लिए काम करते थे, निजामाबाद (ग्रामीण) से ताल्लुक रखने वाले और टीवी-5 के लिए काम करने वाले 49 वर्षीय वेणुगोपाल, लेखक और जलपथम अखबार के संपादक चौधरी मधु और नंदीपेट के रहने वाले और आंध्र भूमि के लिए काम करने वाले वरिष्ठ रिपोर्टर दर्शनम अशोक का हाल ही में कोविड -19 के कारण निधन हो गया। जुलाई 2020 में तिरुपति में एक ऑनलाइन मीडिया चैनल के लिए काम करने वाले कडप्पा स्थित स्टाफ रिपोर्टर मधुसूदन रेड्डी की मृत्यु हो गई, जबकि पुरस्कार विजेता क्राइम रिपोर्टर प्रबीर कुमार प्रधान, जो न्यूज18 ओडिया टीवी के साथ जुड़े थे, केवल 35 वर्ष की उम्र में चल बसे।

सरकार ज्यादा कंपनियों...

उसने कोविड-19 से निपटने के लिए जरूरी सभी चिकित्सा उत्पादों को वैश्विक जन वस्तु घोषित करने और इस मुश्किल घड़ी में जरूरतमंदों की सेवा के लिए मुनाफाखोरी पर विराम लगाने की अपनी मांग दोहराई। मंच के इस हस्ताक्षर अभियान में विश्व व्यापार संगठन से बौद्धिक संपदा अधिकारों की व्यापार संबंधी पहलुओं प्रावधानों को हटाने की अपील की गई है। मंच ने कहा कि उसका दृढ़ विश्वास है कि कई भारतीय कंपनियों के पास जरूरी दवाइयों एवं टीकों के उत्पादन की क्षमता एवं विशेषज्ञता है बशर्ते बौद्धिक संपदा अधिकार बाधा दूर की जाए, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की जाए एवं व्यापार गोपनीयता मुद्दा हल किया जाए। उसने कहा कि वैसे तो कई भारतीय कंपनियां पहले से ही स्वैच्छिक लाइसेंस के तहत रेमडेसिविर बना रही हैं लेकिन मांग को पूरा करने के लिए यह मात्रा काफी नहीं है तथा उपलब्धता की दृष्टि से दाम भी बहुत ज्यादा है।

त्रिपुरा में दो अनाथालय की 36 लड़कियां कोरोना वायरस से संक्रमित

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में दो अनाथालयों में रहने वाली 36 लड़कियां कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। इनकी उम्र पांच साल से 16 साल के बीच है। एक मंत्री ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सभी की हालत स्थिर है और अनाथालय में ही ए पृथकवास में रह रही हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रतनलाल नाथ ने बताया कि नरसिंहगढ़ स्थित जवाहरलाल नेहरू गर्ल्स होम की 32 जबकि उजान अभॉयनगर चिल्ड्रन्स होम की चार लड़कियां संक्रमित पाई गई हैं। नाथ ने बताया, जवाहरलाल नेहरू गर्ल्स होम में एक लड़की के बीमार पड़ने के बाद जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद जांच करने पर 31 और लड़कियां संक्रमित पाई गईं। नाथ मंत्रिमंडल प्रवक्ता भी हैं। मंत्री ने बताया कि बाद में उजान अभॉयनगर चिल्ड्रन्स होम में भी लड़कियों की जांच की गई, जहां संक्रमण के चार मरीज़ मिले। नाथ ने बताया कि इन लड़कियों का उचित उपचार किया जा रहा है।

अभ्यास सत्रों का महत्व समझने लग गए : मोनिका

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर मोनिका ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम अब अपने अभ्यास सत्रों के उद्देश्य को समझने लग गई है जबकि पहले वह केवल कोच के निर्देशों का अनुसरण करती थी। रियो ओलंपिक 2016 में खेलने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही मोनिका ने कहा कि शनिवार को सुबह का सत्र सबसे कड़ा होता है। मोनिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति मे कहा, यह बेहद कड़ा सत्र होता है जिसमे मैच की परिस्थितियो को ध्यान मे रखकर कड़ा अभ्यास किया जाता है।

दबाव से निबटने में मदद के लिए क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने पहल की

मुंबई। शहर के क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने मुंबई के युवा खिलाड़ियों के क्रिकेट जैसे प्रतिस्पर्धी खेलो मे दबाव और चिंता से निबटने मे मदद करने के लिए एक पहल शुरू की है। फाउंडेशन के चेयरमैन मकरंद वेगांकर ने बताया कि यह पहल अप्रैल में माइंडस्पोर्ट्स के साथ मिलकर शुरू की गई और इसमें मानसिक प्रशिक्षण सत्र भी शामिल है। शहर के 12 लड़को के पहले बैच ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े छह अभ्यास सत्र पूरे कर लिए है।

बेकर जैसा हेडर जमाना सीख रहे हैं गुरप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ब्राजील के दिग्गज एलिसन बेकर जैसा हेडर लगाना सीखना चाहते है लेकिन जब तक वह इसमे पारंगत होते है तब तक वह इसकी जिम्मेदारी अपने कप्तान सुनील छेत्री पर छोड़ना चाहते है। लिवरपूल के ब्राजीली गोलकीपर एलिसन के दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम मे लगाए गए खूबसूरत हेडर से उनकी टीम ने ब्रोमविच को 2-1 से हराया। गोलकीपरों को मैच के अंतिम क्षणो मे इस तरह से गोल करते हुए बहुत कम देखा जाता है।

इंग्लैंड के खिलाफ मैचों को अभ्यास के तौर पर नहीं लेंगे : वैगनर

ऑक्लैंड। न्यूजीलैड के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम इंग्लैड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला को भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अभ्यास के तौर पर नही लेगी। वैगनर ने रवाना होने से पहले ऑक्लैड हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, हम इंग्लैड के खिलाफ इन दो टेस्ट मैचों को केवल (डब्ल्यूटीसी फाइनल के) अभ्यास के तौर पर नही लेंगे।

एंडालूसिया रैली में चौथे और पांचवें स्थान पर रहे हीरो टीम के चालक

विलामार्टिन (स्पेन)। भारत की हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली शीर्ष तीन मे जगह बनाने से चूक गई लेकिन उसके चालक जोकिम रोड्रिग्स और फ्रैंको कैमी एंडालूसिया रैली मे क्रमशः चौथे और पांचवे स्थान पर रहे। दोनों के पास अंतिम चरण मे पोडियम हासिल करने का सर्वश्रेष्ठ मौका था।

फिक्स नहीं थे भारत के टेस्ट मैच : आईसीसी

- इंग्लैड (2016) और आस्ट्रेलिया (2017) के खिलाफ भारत से हुए थे मैच
- अल जजीरा के दावे को खारिज किया

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सोमवार को समाचार चैनल अल जजीरा के उस दावे को खारिज किया कि इंग्लैड (2016) और आस्ट्रेलिया (2017) के खिलाफ भारत के टेस्ट फिक्स थे। आईसीसी ने कहा कि खेल के जिस तरीके को फिक्स बताया गया, वह पूरी तरह से प्रत्याशित था लिहाजा इसे फिक्स कहना अकल्पनीय है। अल जजीरा ने 2018 में प्रदर्शित अपनी डाक्यूमेंट्री क्रिकेट्स मैच फिक्सर्स में दावा किया था कि 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ और 2017 में रांची में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट फिक्स थे। आईसीसी ने चैनल द्वारा दिखाए गए पांच लोगों को भी क्लीन चिट देते हुए कहा कि उनका बर्ताव भले ही संदिग्ध हो लेकिन उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है।

कार्यक्रम में एक कथित सटोरिए अनील मुनव्वर को यह दावा करते दिखाया गया था कि उनका फिक्सिंग का इतिहास रहा है और फिक्स मैचों में विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम के भी दो मैच हैं। आईसीसी ने उन दावों की जांच की थी। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने चार स्वतंत्र सट्टेबाजी और क्रिकेट विशेषज्ञों से जांच कराई थी। चारों ने कहा कि खेल के जिस हिस्से को कथित तौर पर फिक्स कहा गया, वह पूरी तरह से प्रत्याशित था और उसे फिक्स नही कहा जा सकता। आईसीसी ने उन व्यक्तियों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्हें क्लीन चिट दी गई लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनमें पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा, श्रीलंका के थरंगा इंडिका और थारिंडु मेंडिस शामिल थे।

उन्होंने आईसीसी की जांच में भाग लिया। मुंबई के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रॉबिन मौरिस का भी इसमें जिक्र था लेकिन वह जांच से नहीं जुड़ा। आईसीसी ने कहा, आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत इन पांचों के खिलाफ कोई आरोप नहीं बनता था। उनके खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। आईसीसी महाप्रबंधक (इंटीग्रिटी) एलेक्स मार्शल ने कहा, कार्यक्रम में जो दावे किए गए, वे कमजोर थे। उनकी जांच करने पर पता चला कि वे विश्वसनीय भी नहीं है और चारों विशेषज्ञों का यही मानना था।

हम बीसीसीआई के आभारी हैं : सीईओ सीए

खिलाड़ियों पर वापसी पर हॉक्ले ने कहा

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने सोमवार को कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग मे खेल रहे आस्ट्रेलिया के दल की सुरक्षित और जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आभारी है। आस्ट्रेलियाई दल मालदीव मे कुछ दिन बिताने के बाद स्वदेश लौटा। पैट कमिंस, डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ जैसे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के मामले आने पर इस टी20 लीग के निलंबित होने के लगभग दो हफ्ते बाद सिडनी पहुंचे। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने हॉकले के हवाले से कहा, हम बेहद खुश हैं। उनके सुरक्षित और जल्द स्वदेश भेजने का इंतजाम करने के लिए हम बीसीसीआई के आभारी हैं।

स्वदेश पहुंचे आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

मेलबर्न। पैट कमिन्स और स्टीव स्मिथ सहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मालदीव मे कुछ दिन बिताने के बाद सोमवार को सिडनी पहुंच गए। भारत में कोविड महामारी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने वहां से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण आईपीएल स्थगित होने के लगभग दो सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश लौट पाए। आस्ट्रेलियाई दल मे खिलाड़ियो, अधिकारियो और कमेंटेटरो सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव मे बिताने के बाद आज सुबह सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचे। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अब सिडनी में दो सप्ताह के अनिवार्य पृथकवास पर रहना होगा।

बार्सिलोना ने चेल्सी को 4-0 से हराकर पहली बार डब्ल्यूसीएल खिताब जीता

गोटेनबर्ग। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने के 32वें सेकेंड में बढ़त हासिल करने के बाद आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा और चेल्सी को 4-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार महिला चैंपियन्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का खिताब जीता। बार्सिलोना ने आत्मघाती गोल से खाता खोला और फिर 36 मिनट के अंदर स्कोर 4-0 कर दिया और इसे आखिर तक बरकरार रखा। बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है जिसने डब्ल्यूसीएल खिताब जीता। अभी तक इस पर सात बार के चैंपियन लियोन का दबदबा रहा था। इससे पहले बार्सिलोना 2019 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब लियोन ने उसे 4-। से हरा दिया था। पहली बार फाइनल में खेल रही चेल्सी की टीम मिडफील्डर मेलेनी लियोपोल के आत्मघाती गोल से दबाव में आ गई। अलेक्सिया पुतेलास ने 14वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। इसके सात मिनट बाद आइताना बोनमाती को गोलमुख के करीब गेंद मिली जिसे उन्होंने जाली में डालने में गलती नहीं की। कारोलिन ग्राहम हेनसन ने 36वें मिनट लिएकी मर्टन्स के खूबसूरत पास पर चौथा गोल किया।

एटलेटिको खिताब से एक जीत दूर, बार्सिलोना बाहर

मैड्रिड। लुई सुआरेज के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-। से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर दी। एटलेटिको की स्पेनिश खिताब जीतने की उम्मीदों पर एक समय पानी फिरता नजर आ रहा था था लेकिन सुआरेज ने 88वें मिनट में निर्णायक गोल दाग दिया। इससे पहले रीनन लोडी ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया था। ओसासुना की तरफ से एंटे बुडमीर ने 75वें मिनट में गोल दागा था। इस जीत से एटलेटिको अंतिम दौर से पहले अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड से दो अंक आगे हो गया है।

मिलान, नैपोली व युवेंटस का चैंपियन्स लीग का इंतजार बढ़ा

मिलान। एसी मिलान, नैपोली और युवेंटस में से कोई दो टीमें चैंपियन्स लीग में जगह बनाएंगी लेकिन इसके लिए उन्हें इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए के अंतिम दौर के मैचों तक इंतजार करना होगा। यूरोप के शीर्ष लीग में आठ साल बाद जगह बनाने की कवायद में लगे एसी मिलान ने कैगलियारी के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला जिससे उसके और नैपोली के समान 76 अंक हो गए हैं। नैपोली ने एक अन्य मैच में फ्लोरेंटिना को 2-0 से हराया। युवेंटस अभी पांचवें स्थान पर है लेकिन वह एसी मिलान और नैपोली से केवल एक अंक पीछे है।

पीएसजी जीता, लिली ने ड्रा खेला, फ्रांसीसी लीग में खिताब के लिए संघर्ष जारी

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने रीम्स को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में खिताबी दौड़ को आखिरी दिन तक खींच दिया क्योंकि लिली ने सेंट एटिनी के साथ गोलरहित ड्रा खेलकर अंक बांटे। लिली के 37 मैचों में 80 अंक हैं जबकि पीएसजी के 79 अंक हो गए हैं। पीएसजी का सामना अब ब्रेस्ट से जबकि लिली का एंजर्स से होगा। रीम्स के डिफेंडर यूनिस अब्दुलहामिद को 11वें मिनट में बाहर भेजे जाने का पीएसजी से पूरा फायदा उठाया। उसे पेनल्टी मिली जिसे नेमार ने गोल में बदला। काइल एमबापे ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी जबकि मारक्विनहोस और मोइज कीन ने दूसरे हाफ में गोल किए।

डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने चैंपियन्स लीग में जगह बनाई

बर्लिन। बोरुसिया डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंदेसलीगा से यूरोप के शीर्ष क्लब टूर्नामेंट चैंपियन्स लीग में जगह बनाई। डोर्टमंड ने मेंज को 3-। से हराकर जबकि वोल्फ्सबर्ग ने लीपजिग के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेलकर बुंदेशलीगा में अपना शीर्ष चार में स्थान सुनिश्चित किया। इन दोनों टीमों के समान 61-61 अंक हैं जो पांचवें स्थान की टीम से चार अंक अधिक हैं। लीपजिग दूसरे स्थान पर है और उसने लीग के चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियन्स लीग में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। प्रत्एक लीग से शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें अगले सत्र में चैंपियन्स लीग में खेलेंगी।

पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट खेलेगा भारत

भाषा। नई दिल्ली

भारत अगले महीने जब न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए रोज बाउल में उतरेगा तो यह उसके लगभग 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर होगा जबकि वह तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलेगा। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टेस्ट दर्जा हासिल करने वाले 12 देशों में से केवल दो देश ही ऐसे हैं जिन्होंने अब तक तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच नहीं खेला है। इनमें भारत के अलावा बांग्लादेश शामिल है। भारत अब जल्द ही इस सूची में शामिल हो जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से इंग्लैंड के साउथम्पटन में डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेला जाएगा जो दोनों देशों के लिए तटस्थ स्थल है। पाकिस्तान में सुरक्षा खतरे को देखते हुए एक दशक से भी अधिक समय तक विदेशी टीमों ने वहां का दौरा नहीं किया। पाकिस्तान ने इस बीच अपने घरेलू मैचों का आयोजन यूएई और श्रीलंका में किया। इस तरह से इस बीच अधिकतर देशों को तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल गया। इनमें न्यूजीलैंड भी शामिल है जिसने 2014 से लेकर 2018 तक तटस्थ स्थलों पर छह मैच खेले हैं जिनमें से उसे तीन में जीत और दो में हार मिली। भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद कोई टेस्ट मैच नहीं खेला गया है। भारत के पास इससे पहले 1999 में तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका था लेकिन तब भारतीय टीम एशियाई टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी जो कि ढाका में खेला गया था। पाकिस्तान और श्रीलंका उस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे और तब उन्होंने पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेला था। वैसे तटस्थ स्थल पर पहला टेस्ट मैच आज से 109 साल पहले आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2728 मई 1912 को मैनचेस्टर में खेला गया था। यह मैच त्रिकोणीय टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा था जिसमें इन दोनों टीमों के अलावा मेजबान इंग्लैंड ने भाग लिया था। आस्ट्रेलिया ने यह मैच दो दिन में पारी और 88 रन से जीता था। इसके बाद 1999 में ही कोई मैच तटस्थ स्थल पर खेला गया। पाकिस्तान ने पिछले 20 वर्षों में अपने अधिकतर घरेलू मैच मुख्य रूप से यूएई में खेले हैं। यही कारण है कि तटस्थ स्थल पर सर्वाधिक मैच खेलने का रिकार्ड उसी के नाम पर दर्ज है। पाकिस्तान ने अब तक 39 मैच तटस्थ स्थल पर खेले हैं। इनमें से उसे 19 में जीत और 12 में हार मिली है। बाकी आठ मैच ड्रा रहे। आस्ट्रेलिया ने भी 12 मैच तटस्थ स्थलों पर खेले हैं।

- 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर

सीए की नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट के खुलासे के बाद उनसे संपर्क किया

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की नैतिक इकाई ने कैमरन बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है जिससे कि यह पता चल सके कि इस क्रिकेटर के पास 2018 में विश्व क्रिकेट को झकझोरने वाले गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के संदर्भ में कोई नई सूचना है या नहीं। बेनक्राफ्ट ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में यह कहकर नया तूफान ला दिया है कि उस घटना के बारे में और अधिक गेंदबाजों को जानकारी थी। इस घटना के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर पर एक-एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। बेनक्राफ्ट के पास रेगमाल मिला था और केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में भूमिका के लिए उन्हें नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीमों के प्रमुख बेन ओलिवर रे ने कहा कि रेबेका मरे की अगुआई वाली नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है कि क्या वह अपने पूर्व के बयान में कुछ और जोड़ना चाहते हैं।

खुलासे में कुछ भी चौंकाने वाला नहीं : क्लार्क

मेलबर्न। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी नहीं होगी कि 2018 में गेंद से छेड़छाड़ की साजिश के बारे में गेंदबाजों को पता था। इस विवाद के कारण आस्ट्रेलिया की हर हाल में जीत दर्ज करने की संस्कृति की समीक्षा की गई थी।

इंग्लैंड से श्रृंखला और डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए लंदन पहुंचे कीवी खिलाड़ी

आर्चर न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

लंदन। आईपीएल से बाहर होने के बाद हाल मे वापसी करने वाले इंग्लैड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट फिर से उबरने के कारण न्यूजीलैड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला मे नही खेल पाएंगे। ईसीबी ने बयान में कहा, इंग्लैड और ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इसमे कहा गया है, गेंदबाजी करते समय उनकी दाहिनी कोहनी मे दर्द हो रहा था और वह मैच के आखिरी दो दिन गेंदबाजी नही कर पाए। आर्चर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो जून से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्वयं को फिट घोषित किया था लेकिन कोहनी की चोट उबरने के कारण उनकी और ईसीबी की योजना खटाई में पड़ गई। क्रिकेट बोर्ड अब इस पर विचार कर रहा है कि आर्चर को अपनी दाहिनी कोहनी के उपचार के लिए आपरेशन की जरूरत है या नही। उन्होने कोहनी की चोट के कारण ही आईपीएल से हटने का फैसला किया था।

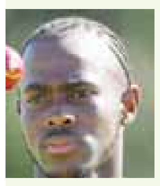

भाषा। लंदन

न्यूजीलैंड के अधिकतर खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला और भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए यहां पहुंच गए हैं। खिलाड़ी आकलैंड से सिंगापुर होते हुए रविवार की शाम को यहां पहुंचे और इसके बाद साउथम्पटन के एजिस बाउल चले गए। इस दौरे के पहले दो सप्ताह वे साउथम्पटन में ही रहेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच दो जून को लंदन में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 10 जून से बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 जून से साउथम्पटन में शुरू होगा। न्यूजीलैंड की टीम कड़े स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन कर रही है जिसमें रवानगी से पहले टीकाकरण और कोविड परीक्षण के अलावा मास्क और सेनेटाइजर से युक्त चिकित्सा किट शामिल है। खिलाड़ी पहले तीन दिन होटल में पृथकवास पर रहेंगे जिसके बाद वे चौथे से छठे दिन के बीच छह खिलाड़ियों के समूह में अभ्यास कर सकते हैं लेकिन इसके लिए उनका कोविड परीक्षण नेगेटिव आना चाहिए। टीम के बीच आपस में ही 26 मई से 28 मई के बीच तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा जिसमें छह स्थानीय गेंदबाज उनकी मदद करेंगे। छह गेंदबाज पहले ही पृथकवास पर रहेंगे। टिम साउदी, बी जे वाटलिंग, रोस टेलर और नील वैगनर सोमवार को आकलैंड से रवाना होकर साउथम्पटन में टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल के निलंबित होने के बाद मालदीव में रह रहे कप्तान विलियमसन, जेमीसन, सेंटनर, टीम फिजियो सिमसेक और ट्रेनर डोनाल्डसन सोमवार को पहुंचेंगे।

अपोलो हॉस्पिटल, डॉ रेड्डीज ने स्पुतनिक-वी के साथ कोविड-19 टीकाकरण की घोषणा की

नई दिल्ली। अपोलो हॉस्पिटल और डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने सोमवार को कहा कि उन्होंने स्पुतनिक- वी के साथ कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने के लिए आपस में गठजोड़ किया है। एक बयान के मुताबिक टीकाकरण कार्यक्रम के पहले चरण की शुरुआत अपोलो के केंद्रों में सोमवार को हैदराबाद में और इसके बाद मंगलवार (18 मई) को विशाखापत्तनम में होगी। इसके बाद टीकाकरण कार्यक्रम का विस्तार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता और पुणे में किया जाएगा। अपोलो हॉस्पिटल की संयुक्त प्रबंध निदेशक संगीता रेड्डी ने कहा कि अपोलो को एक महीने की अवधि में कोविड-19 वैक्सीन की 10 लाख खुराकें मिलेंगी।

25 लाख परिवारों को नि:शुल्क कोविड केयर दवाई बंटेगी

मुंबई। धनी एप ने 25 लाख परिवारों के लिए 90 करोड़ रुपए की कीमत के कोविड केयर स्वास्थ्य किटस का नि:शुल्क वितरण शुरू किया है। ये 50 लाख लोगों के को काम आएगा। प्रत्येक कोविड केयर स्वास्थ्य किट के अंदर 2 व्यक्तियों के लिए रोग निरोधक दवाइयाँ होगी। हर किट में पूरे एक महीने की दवाइयाँ विटामिन सी, विटामिन डी 3, जिंक और पेरासिटामोल बुखार या शरीर, दर्द हो तो की गोलियां हैं जो व्यक्ति की रोग प्रतिकारक शक्ति को बढ़ाएगी। लाभ लेने के लिए धनी एप या फार्मेसी डॉट धनी डॉटकॉम पर लाग ऑन कर नि:शुल्क आर्डर का पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अलावा वे धनी डॉक्टरों व विशेषज्ञ के साथ कभा भी नि:शुल्क वीडियो कॉल कर सकते हैं, और 15 सेकंड के अंदर डॉक्टर के साथ वीडियो कॉल पर सम्पर्क साध सकते हैं। धनी हेल्थ केयर के अध्यक्ष निखिल चारी ने जानकारी दी।

ग्रीनको ने 1000 बड़े ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स मंगवाये

हैदराबाद। हैदराबाद की नवीकरणीय ऊर्जा समूह ग्रीनको ने पहली 200 बड़े मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स का प्लेन हैदराबाद लैंड करवाई। ये कॉन्सेंट्रेटर्स प्रति मिनट 10 लीटर की क्षमता वाले हैं और इनके आ जाने से कोरोना संक्रमण की भयानक दूसरी लहर का मुकाबला करने में भारत की शक्ति बढ़ेगी। ग्रीनको समूह के प्रबंध निदेशक ने कहा कि अगले 5 दिनों के भीतर चार और विमान हैदराबाद, बेंगलुरु और नई दिल्ली में 1,000 बड़े मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन कॉन्ट्रेटर्स के साथ उतरेंगे। यह आईसीयू से पहले और आईसीयू के बाद मरीजों के स्थिरीकरण के लिए टियर 2 और टियर 3 शहरों में मेडिकल टीमों की सहायता करेगा व दूसरी लहर से निपटने में मदद करेगा।

ईरान में फरजाद- बी गैस क्षेत्र परियोजना भारत के हाथ से निकली

नई दिल्ली। ईरान सरकार के एक स्थानीय कंपनी के पक्ष में निर्णय करने से भारत फारस की खाड़ी में फरजाद- बी गैस क्षेत्र परियोजना से बाहर हो गया है। इस गैस-फील्ड की खोज भारतीय कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने की थी। ईरान ने इस गैस क्षेत्र को विकसित करने का काम सोमवार को एक स्थानीय कंपनी को दे दिया। ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की आधिकारिक समाचार सेवा शाना ने एक रिपोर्ट में कहा, दि नेशनल ईरानियन आयल कंपनी ने फारस की खाड़ी की फरजाद-बी गैस फील्ड के विकास के लिए पेट्रोपार्स ग्रुप के साथ 1.78 अरब डालर का करार किया।

कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था पर असर : आरबीआई

- पर पिछले साल की तरह गंभीर नहीं

भाषा। मुंबई

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की आधी अवधि में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित जरूर हुई हैं लेकिन कमजोर नहीं पड़ी हैं। हालांकि संक्रमितों की संख्या पूर्व के मुकाबले कहीं अधिक हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के एक लेख में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी की रफ्तार ने भारत और दुनिया को अचंभित किया है। इस तेजी पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध स्तर पर अभियान चलाए गए हैं। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम डी पात्रा और अन्य अधिकायों ने अपने लेख में लिखा है, दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पहली लहर के मुकाबले सीमित जान पड़ता है। स्थानीय स्तर पर जरूरत के अनुसार लॉकडाउन, लोगों को घर से काम करने की व्यवस्था के लिए स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करना, ऑनलाइन डिलिवरी मॉडल, ई-वाणिज्य और डिजिटल भुगतान का अच्छे तरीके से काम करना इसके उदाहरण हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि लेख में अभिव्यक्त विचार लेखकों के हैं और कोई जरूरी नहीं है कि वे आरबीआई के विचारों से मेल खाते हों। लेख के अनुसार संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि पर रोक लगाने के लिए कई राज्यों में लगाई गई पाबंदियो से अप्रैल और मई में वास्तविक अर्थव्यवस्था के कई संकेतक हल्के पड़े। पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर महानगरों, शहरों में तेज रही। यह राज्यों, क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से फैला है। लेख के अनुसार, दूसरी लहर से 2020-21 की पहली तिमाही की आधी अवधि में आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित जरूर किया लेकिन उसे कमजोर नहीं किया...सकल मांग की स्थिति पर असर पड़ा है लेकिन वह प्रभाव पहली लहर जैसा गंभीर नहीं है।

शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 848 अंक उछला, बैंक शेयर चमके

मुंबई। शेयर बाजार मे सोमवार को लगभग सात सप्ताह की सबसे जोरदार तेजी दिखी। कोविड-19 संक्रमण के दैनिक मामले कम होने के साथ निवेशको का भरोसा बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स मे 848 अंकसे अधिक का उछाल आया। तीस शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 848.18 अंक यानी 1.74 प्रतिशत उछलकर 49,580.73 बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 245.35 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 14,923.15 अंक पर पहुंच गया। इन सूचकांको मे 30 मार्च के बाद यह किसी दिन की सबसे बड़ी तेजी है। सेंसेक्स के शेयरो मे 7 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ इंडसइंड बैंक शीर्ष पर रहा। भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लि. और बजाज फिनसर्व मे भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ एल एंड टी, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी और एचयूएल मे गिरावट रही। सेंसेक्स के शेयरो मे 23 लाभ मे जबकि 7 नुकसान मे रहे। क्षेत्रवार बीएसई बैंकिंग, वित्त, धातु और वाहन सूचकांको मे तेजी रही जबकि दूरसंचार और स्वास्थ्य कंपनियो के वर्ग मे गिरावट रही।

निवेशकों की संपत्ति 3 लाख करोड़ से अधिक बढ़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार मे सोमवार को आए उछाल के साथ निवेशको की संपत्ति 3,03,725.89 करोड़ रुपए बढ़ गई। तीस शेयरो पर आधारित मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 848.18 अंक यानी 1.74 प्रतिशत उछलकर 49,580.73 बंद हुआ। इस तेजी से बीएसई मे सूचीबद्ध कंपनियो का बाजार पूंजीकरण 3,03,725.89 करोड़ रुपए उछलकर 2,13,64,459.08 करोड़ रुपए पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरो मे 7.27 प्रतिशत की तेजी के साथ इंडसइंड बैंक शीर्ष पर रहा।

तकनीकी कारणों से रविवार को 14 घंटे के लिए बंद रहेगी एनईएफटी सेवा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को बताया कि धन के ऑनलाइन हस्तांतरण के लिए लोकप्रिय राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) प्रणाली तकनीक को और उन्नत किए जाने के काम से आगामी शनिवार आधी रात के ठीक बाद से रविवार दोपहर बाद दो बजे तक 14 घंटे के लिए बंद रहेगी। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) एक राष्ट्रव्यापी केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली है, जिसका स्वामित्व और संचालन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास है। यह सेवा साल के सभी दिनो में चौबीसो घंटे उपलब्ध रहती है।

फिनो बैंकिंग प्वाईंट्स से निकाल सकते हैं पीएम किसान योजना का पैसा

मुंबई। देश में फिनो पेमेंट्स बैंक के मर्चैं प्वाईंट सरकार की डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम, पीएम किसान योजना के लाभार्थियों को कैश उपलब्ध कराकर महामारी के बीच भारत के कृषि समुदाय की मदद करने के लिए तैयार हैं। डीबीटी योजना के लाभार्थी किसी भी बैंक के खाताधारक होने पर नजदीकी फिनो प्वाईंट पर जाकर पैसा निकाल सकते हैं या कोई अन्य बैंकिंग लेन-देन कर सकते हैं। फिनो पेमेंट्स बैंक के सीएसओए शैलेष पांडे ने कहा कि सदैव उपलब्ध बैंकिंग सेवाएं आज के समय की जरूरत हैं। इस मुश्किल समय में फिनो के हमेशा उपलब्ध पड़ोसी आउटलेट लंबे समय तक खुले रहते हैं, और लोगों को सुविधा देते है।

उद्योगपति सिद्धार्थ का निधन

नई दिल्ली। उद्योगपति और उषा इंटरनेशनल के पूर्व चेयरमैन सिद्धार्थ श्रीराम का सोमवार को कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया। परिवार से जुड़े लोगो ने यह जानकारी दी। वह 76 साल के थे। कार्यकारी भूमिका से हटने के बाद उषा इंटरनेशनल के निदेशक मंडल में सलाहकार थे।

रुपए में दूसरे दिन भी तेजी, डॉलर के मुकाबले सात पैसे मजबूत

मुंबई। रुपए में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी देखी गई। डॉलर के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपए की विनिमय दर सोमवार को प्रति डालर सात पैसे मजबूत होकर 73.22 पर बंद हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डालर सुबह 73.24 पर खुला। दिन के कारोबार में रुपए ने 73.16 के उच्च स्तर और 73.26 के निम्न स्तर को छूने के बाद अंत में रुपए की विनिमय दर पिछले बंद के मुकाबले सात पैसे की मजबूती के साथ 73.22 प्रति डालर पर बंद हुई।

अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति 10.49 प्रतिशत की रिकार्ड ऊंचाई पर

- कच्चे तेल की कीमतों में उबाल

भाषा। नई दिल्ली

खाने -पीने का सामान, कच्चा तेल और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अप्रैल में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति 10.49 प्रतिशत के अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि थोक मुद्रास्फीति के मामले में यह रुख आगे भी बना रह सकता है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में यह लगातार चौथा महीना है जब बढ़त दर्ज की गई हे। इससे पिछले महीने मार्च में यह 7.39 प्रतिशत रही थी। अप्रैल,2020 में थोक मुद्रास्फीति शून्य से 1.57 प्रतिशत नीचे थी। अप्रैल 2020 में देश में संपूर्ण लॉकडाउन लगा था, जिससे मुद्रास्फीति में गिरावट आ गई थी। तुलनात्मक आधार के प्राभाव की वजस से इस समय थोक महंगाई की दर कुछ इधक ऊंची दिख रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, मुख्य रूप से कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल जैसे खनिज तेलों और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते अप्रैल 2021 में मुद्रास्फीति की वार्षिक दर पिछले साल के इसी महीने की तुलना में अधिक रही है।

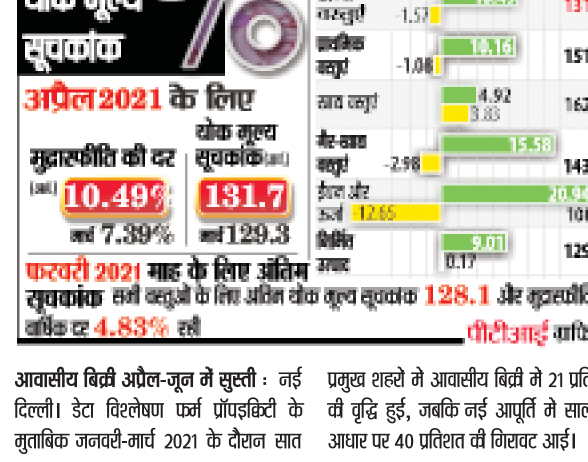

आवासीय बिक्री अप्रैल-जून में सुस्ती : नई दिल्ली। डेटा विश्लेषण फर्म प्रॉपइक्विटी के मुताबिक जनवरी-मार्च 2021 के दौरान सात प्रमुख शहरों मे आवासीय बिक्री मे 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नई आपूर्ति मे सालाना आधार पर 40 प्रतिशत की गिरावट आई।

भारी हवाई हमले में गाजा की सुरंगों को ध्वस्त किया : इजराइल

एपी। गाजा सिटी (गाजा पट्टी)

● संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि क्षेत्र के एकमात्र बिजली घर में ईंधन समाप्त होने का खतरा है और सराज ने बताया कि गाजा के पास मरम्मत के लिए कल-पुर्जों की भी कमी है

गाजा पट्टी पर सोमवार तड़के भारी हवाई हमले के बाद इजराइल की सेना ने कहा कि उसने चरमपंथियों द्वारा बनाई गई सुरंगों के 15 किलोमीटर लंबे हिस्से और हमास के नौ कमांडरों के मकानों को ध्वस्त कर दिया है। सप्ताह भर पहले शुरू हुई लड़ाई के दौरान कल रात हुआ हवाई हमला एक दिन पहले गाजा सिटी पर हुए हमले से भी भीषण था जिसमें 42 लोग मारे गए थे और तीन इमारतें ध्वस्त हो गई थीं। इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच ताजा संघर्ष के दौरान यह सबसे भीषण हमला था। ताजा हमले में लोगों के हताहत होने के संबंध में फिलहाल कोई सूचना नहीं है। गाजा सिटी में तीन मंजिला इमारत बुरी तरह बर्बाद हो गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि सेना ने हमले से 10 मिनट पहले चेतावनी जारी की थी जिस कारण सभी लोग वहां से हट गए। उन्होंने बताया कि कई बम आसपास के इलाके में गिरे। गाजा के मेयर यह्या सराज ने अल–जजीरा टीवी को बताया कि हमलों से सड़कों और अन्य आधारभूत संरचनाओं को बहुत नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, अगर संघर्ष जारी रहा तो, हमें हालात और बिगड़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि क्षेत्र के एक एकमात्र बिजली घर में ईंधन समाप्त होने का खतरा है और सराज ने बताया कि गाजा के पास मरम्मत के लिए कल–पुर्जों की भी कमी है। गाजा में पहले से ही 8 से 12 घंटों की बिजली कटौती हो रही है और वहां नल से आने वाला पानी पीने लायक नहीं है।

क्षेत्र की बिजली वितरण कंपनी के प्रवक्ता मोहम्मद ताबेत ने बताया कि संयंत्र के पास गाजा को दो–तीन दिनों तक बिजली आपूर्ति करने लायक ईंधन है। उन्होंने बताया कि हवाई हमले से आपूर्ति लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है और कंपनी के कर्मचारी उन क्षेत्रों में नहीं जा पा रहे हैं जो लगातार इजराइली हमले की जद में हैं। यरुशलम में फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजराइली पुलिस के बीच झड़प के कुछ सप्ताह बाद पिछले सोमवार को चरमपंथी समूह हमास ने यरुशलम पर रॉकेट दागे थे, जिसके बाद युद्ध शुरू हुआ। युद्ध शुरू होने से लेकर अभी तक इजराइली सेना ने सैकड़ों की संख्या में हवाई हमले किए हैं। उसका कहना है कि वह हमास चरमपंथियों की आधारभूत संरचनाओं को निशाना बना रही है। वहीं फलस्तीनी चरमपंथियों ने इजराइल पर 3,100 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हवाई हमलों में कम से कम 198 फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें 58 बच्चे और 35 महिलाएं शामिल हैं, जबकि I,300 लोग घायल हुए हैं। गाजा से इजराइल में दागे गए रॉकेटों की चपेट में आकर पांच साल के एक बच्चे और एक सैनिक सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है। गाजा में आपात बचाव अधिकारी समीर अल–खातिब ने बताया, मैंने अपने 14 साल के करियर में ऐसी तबाही नहीं देखी है। उन्होंने कहा, 2014 के युद्ध के दौरान भी नहीं।

चीन ने अमेरिका से गाजा मुद्दे पर कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की अपील की

एपी। बीजिंग

● इजराइल व फलस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका द्वारा प्रभावी कदम उठाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन नीत अमेरिकी प्रशासन से कई तरह की माँगे उठी हैं

चीन ने सोमवार को अमेरिका के सामने फिर से यह मांग रखी है कि वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करे और यहां रक्तपात को समाप्त करने संबंधी प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र में अवरूद्ध करना बंद करे।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने सुरक्षा परिषद के बारी बारी से बनने वाले प्रमुख (रोटेटिंग हेड) के तौर पर संघर्ष विराम की अपील की तथा मानवीय सहायता समेत अन्य प्रस्ताव रखे। उन्होंने कहा कि एक देश के बाधा डालने की वजह से परिषद एक आवाज में अपनी बात नहीं रख पा रहा है। झाओ ने दैनिक सम्मेलन के दौरान कहा कि वह अमेरिका से उचित जिम्मेदारी उठाने और इस मुद्दे पर निष्पक्ष रुख रखने, स्थिति को शांत कराने तथा राजनीतिक समाधान हासिल होने की विश्वास बहाली में परिषद का समर्थन करे और निष्पक्ष रुख रखे। झाओ ने कहा कि चीन नागरिकों के खिलाफ हिंसा की कड़ी निंदा करता है और हवाई हमले, जमीनी हमले, रॉकेट दागने या स्थिति को और भी बुरे हालात में पहुंचाने जैसे कदमों को रोकने की माँग करता है। झाओ ने कहा कि इजराइल को संयम से काम लेते हुए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का प्रभावी तरीक़े से पालन करना चाहिए और फलस्तीन के लोगों के घरों को ध्वस्त करना और उन्हें उनके घर से निकालना तथा अपनी बस्तियों के विस्तार देने के कार्यक्रमों को रोकना चाहिए तथा मुसलमानों के खिलाफ हिंसा और उकसावे को रोककर वह यरुशलम के एक धार्मिक स्थल के ऐतिहासिक महत्व का सम्मान करे। इजराइल और फलस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका द्वारा प्रभावी कदम उठाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन नीत अमेरिकी प्रशासन से कई तरह की माँगे उठी हैं। अब तक इजराइल के करीबी सहयोगी अमेरिका दरअसल चीन, नॉर्वे और ट्यूनिशिया द्वारा इस मुद्दे पर सुरक्षा परिषद द्वारा बयान जारी करवाने की कोशिश की राह में बाधा डाले हुए है। इस माँग में संघर्ष की समाप्ति की भी माँग शामिल है।

ब्लिंकन ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी से फोन पर बात की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगान शांति प्रक्रिया तथा अन्य द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों के बारे में अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी से बात की। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान ब्लिंकन ने अफगान शांति प्रक्रिया में निरंतर सहयोग तथा आतकंवाद के खिलाफ पाकिस्तान के कदमों के महत्व को रेखांकित किया। प्राइस ने बताया कि इस दौरान अमेरिका और पाकिस्तान के बीच कारोबार एवं व्यावसायिक संबंधों में विस्तार की संभावनाओं तथा दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संपर्क बेहतर करने के बारे में भी चर्चा हुई।

अमेरिका से इजराइल पर दबाव बढ़ाने का अनुरोध

एपी। यरुशलम

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिक और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इज़राइल और हमास के बीच पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष को रोकने के लिए एक आपात बैठक की। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में कई लोगों की मौत हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कुछ डेमोक्रेट्स के बार–बार आह्वान करने के बाद भी इज़राइल पर सार्वजनिक रूप से दबाव बढ़ाने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस–ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय आपात बैठक में बताया कि अमेरिका यह लड़ाई रोकने के लिए राजनयिक माध्यमों के जरिए लगातार काम कर रहा है। इज़राइल और गाजा विद्रोहियों के बीच संघर्ष 2014 के बाद से सबसे खराब स्तर पर है और बाइडन प्रशासन ने इस लड़ाई में इज़राइल की कार्वाई की आलोचना करने या इलाके में शीर्ष स्तर के दूत को भेजने से इनकार कर दिया है। दूसरे देशों के अनुरोधों पर भी उसने कोई गौर नहीं किया। थॉमस–ग्रीनफील्ड ने आगाह किया कि सशस्त्र संघर्ष से इज़राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत का विकल्प एकदम समाप्त हो जाएगा।अमेरिका का करीबी सहयोगी इज़राइल मामले पर सुरक्षा परिषद से बयान जारी कराने के चीन, नॉर्वे और ट्यूनीशिया के सभी प्रयास विफल कर चुका है। इजराइल ने गाजा की तरफ सैकड़ों हवाई हमले किए हैं जहां करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं। इसने गाजा सिटी की सबसे ऊंची इमारत को गिरा दिया और कहा कि इसमें हमास की सेना से जुड़े दफ्तर थे।

गाजा-इजराइल के बीच संघर्ष विराम के लिए प्रयास तेज

एपी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिकों और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इजराइल और फलस्तीन के बीच हिंसा को रोकने के प्रयासों के तहत सप्ताहांत में आपात बैठक बुलाई। हमास के हमलों के बाद पिछले एक सप्ताह के सबसे भीषण हमलों में इजराइल ने गाजा शहर में कई रॉकेट दागे हैं। अमेरिका में कुछ डेमोक्रेट नेताओं ने बाइडन के प्रशासन के इस मामले में भूमिका निभाने की वकालत की है लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल पर तत्काल संघर्ष–विराम के लिए सहमत होने के लिहाज से दबाव बढ़ाने का कोई संकेत नहीं दिया है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस–ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की आपात उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि अमेरिका संघर्ष को रोकने के लिहाज से राजनयिक माध्यमों से अथक प्रयास कर रहा है। इजराइल और गाजा के हमास आतंकवादी शासकों के बीच संघर्ष 2014 के बाद से सबसे भीषण स्तर पर है और अंतरराष्ट्रीय आक्रोश भी पैदा हो रहा है लेकिन अमेरिका की विदेश नीति में पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान से ध्यान हटाने को संकल्पित बाइडन प्रशासन ने संघर्ष में इजराइल की भूमिका की निंदा करने या क्षेत्र में एक उच्चस्तरीय राजनयिक को तैनात करने से अभी तक इनकार ही किया है। अन्य देशों की अपील का भी कोई असर नहीं दिखाई दे रहा। थॉमस–ग्रीनफील्ड ने चेतावनी दी है कि सशस्त्र संघर्ष से दशकों पुराने इजराइल–फलस्तीन संघर्ष के लिए दोनों के बीच बातचीत से समाधान के प्रयास निष्प्रभावी हो जाएंगे। हालांकि इजराइल के करीबी सहयोगी अमेरिका ने सुरक्षा परिषद से एक बयान जारी कराने के चीन, नॉर्वे और ट्यूनिशिया के प्रयासों को अभी तक रोक रखा है। इजराइल में अमेरिकी अधिकारी हैडी अम्र ने इजराजल के रक्षा मंत्री बेनी गैंज से मुलाकात की जिन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संकट को कम करने के लिए हैडी को इजराइल भेजा।

एपी की इमारत पर हमले के सबूत नहीं देखें : ब्लिंकन

एपी। कोपेनहेगन

अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने कोई ऐसे इजराइली सबूत नहीं देखें है जिससे साबित हो कि हमास गाजा के उस कार्यालय इमारत से कार्रवाई कर रहा था जिसे सप्ताहांत हवाई हमले में ध्वस्त कर दिया गया। ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने इजाराइल से हमले पर सफाई मांगी है। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने यह बात कही। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर इजराल–फलस्तीन के बीच संघर्ष विराम कराने का दबाव बढ़ रहा है। गौरतलब है कि इजराइल ने उस इमारत को ध्वस्त कर दिया था जिसमें एसोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। इजराइल का दावा था कि उक्त इमारत का इस्तेमाल हमास अपने सैन्य खुफिया कार्यालय के तौर पर कर रहा था। ब्लिंकन ने कहा, हमले के तुरंत बाद हमने इसे न्यायोचित ठहराने वाली अतिरिक्त जानकारी मांगी। हालांकि, उन्होंने उक्त खुफिया जानकारी पर चर्चा करने से इनकार कर दिया।

क्विक न्यूज

अफगान नेतृत्व की आलोचनात्मक टिप्पणी पर पाक ने अफगान राजदूत को आपत्तिपत्र जारी किया

इस्लामाबाद। अफगान नेतृत्व द्वारा लगाए गए आरोपों पर विरोध दर्ज कराते हुए पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के राजदूत नजीबुल्लाह अलीखेल को आपत्ति पत्र जारी किया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय (एफओ) ने हालांकि उस बयान का स्पष्ट उल्लेख नही किया जिसकी वजह से नाराजगी है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने हाल में एक साक्षात्कार के दौरान आरोप लगाया था कि पाकिस्तान द्वारा अफगान तालिबान की मदद के लिए संगठित तंत्र संचालित किया जा रहा है। अफगान नेता ने कहा है, तालिबान की निर्णय लेने वाली विभिन्न इकाइयों क्वेटा शूरा, मीरमशाह शूरा और पेशावर शूरा- के नाम पाकिस्तानी शहरों के नाम पर है जहां वे स्थित है। देश के साथ उनके गहरे संबंध है। अफगान नेतृत्व द्वारा लगाए गए आरोपों के संदर्भ मे मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए एफओ ने कहा कि बयानों को लेकर पाकिस्तान गंभीरता से चिंतित है। विदेश कार्यालय के बयान में मुताबिक, पाकिस्तान ने हाल ही में गैर जिम्मेदाराना बयानों और अफगान नेतृत्व द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों पर इस्लामाबाद मे अफगानिस्तान के राजदूत से कड़ी आपत्ति दर्ज करा अफगान पक्ष को अपनी गंभीर चिंताओं से अवगत कराया है। इसमें कहा गया कि पाकिस्तान ने जोर देता रहा है कि बेबुनियाद आरोपों से दो भातृ देशों के बीच विश्वास खत्म होता है और माहौल खराब होता है। इसमें कहा गया कि यह पाकिस्तान द्वारा अफगान शांति प्रक्रिया मे निभाई जा रही सकारात्मक भूमिका का भी अपमान है। इसमें कहा गया कि अफगान पक्ष से अनुरोध किया गया है कि सभी द्विपक्षीय मुद्दों के लिए शांति व एकजुटता के लिए अफगान-पाकिस्तान कार्य योजना जैसे उपलब्ध मंचो का प्रभावी इस्तेमाल करे।

सनोफी-जीएसके ने शुरुआती असफलता के बाद कोविड टीके के सफल होने की बात कही

पेरिस। सनोफी और ग्लैक्सोस्मिथक्लिन के कोविड-19 टीके के प्रारंभिक परीक्षणों मे सभी वयस्क आयुवर्गों में प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होने के संकेत मिले है और इसके साल के अंत में बाजार में आने की उम्मीद है। हालांकि शुरुआत मे इसके परीक्षण मे सफलता नही मिली थी। टीके के दूसरे चरण के परीक्षण के सोमवार को जारी परिणामो के अनुसार इस संभावित टीके की दो खुराकें लगाए जाने के बाद प्रतिभागियों में उसी तरह एंटीबॉडी बनने का पता चला जिस तरह कोरोना वायरस संक्रमण से स्वस्थ हुए लोगो मे बनते है। दवा निर्माता कंपनियों ने कहा है कि उनकी योजना है कि अंतिम स्तर के परीक्षण और उत्पादन आगामी सप्ताहों में शुरू कर दिया जाए तथा उन्हे उम्मीद है कि 2021 के अंत तक उनके टीके को नियामक मंजूरी मिल जाएगी। नियामकों ने अनेक कोविड-19 टीकों को पहले ही मंजूरी दे दी है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि महामारी से निपटने के लिए अभी और टीकों की जरूरत है क्योंकि दुनियाभर के देशों में स्वास्थ्य महकमे के लोग अपने नागरिकों को तेजी से टीका लगाने के लिए प्रयासरत हैं। सनोफी-जीएसके का टीका यूरोपीय संघ की टीकाकरण रणनीति का अहम हिस्सा रहा है और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की सरकार ने उसका समर्थन किया था। लेकिन अनुसंधानकर्ताओं को शुरुआती परीक्षण मे अपेक्षित परिणाम नही मिलने पर इसे नए सिरे से तैयार करना पड़ा था।

लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग को बुझाने जा रही फायरब्रिगेड की टीम

शिकागो में रहने वाले लोगों ने फिलीस्तीन के समर्थन में रैली निकालकर वहां हो रही हिंसा को रोकने की मांग रखी

लॉस एंजिलिस के जंगल में लगी आग और फैली, दो लोगों से पूछताछ

एपी। लॉस एंजिलिस

● टोपांग स्टेट पार्क के पास लगी आग के कारण संदेहास्पद हैं और उनकी जांच जारी है

लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग के रविवार को उग्र रूप ले लेने के बाद हजारों स्थानीय निवासियों को वहां से निकालने का आदेश दिया गया और अन्य को वहां से कभी भी निकलने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

लॉस एंजिलिस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि टोपांग स्टेट पार्क के पास लगी आग के कारण संदेहास्पद हैं और उनकी जांच जारी है। अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट स्टेवार्ट ने एक बयान में बताया कि जांचकर्ताओं ने अग्निशमन विभाग तथा लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के साथ मिलकर एक व्यक्ति को मामले में हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। जांचकर्ताओं ने रविवार शाम एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे भी पूछताछ की।अग्निशमन विभाग ने बताया कि दिन की शुरुआत में ठंडे, नम मौसम से दमकलकर्मियों को राहत मिली थी, लेकिन दोपहर में आग फिर तेजी से फैलने लगी। उसके अनुसार, सांटा मोनिका माउंटेन्स में शुक्रवार देर रात लगी आग में जानमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

शनिवार को आग फैलने से पहले काफी समय तक सुलगती रही थी।आग के फैलने के बाद टोपंगा घाटी क्षेत्र के हजारों लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया। रविवार शाम तक, आग ने 5.4 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली झाड़ियों और पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया था।

एपी की शीर्ष संपादक ने इमारत पर इजराइली हमले की जांच का आह्वान किया

एपी। वाशिंगटन

● बज्बी ने कहा, हम संघर्ष में फंसे हुए हैं। हमें संघर्ष में किसी की तरफदारी नही करनी है। हमने इजराइल के कई लोगों को यह कहते हुए सुना है कि उनके पास सबूत हैं

एसोसिएटेड प्रेस की शीर्ष संपादक ने गाजा सिटी में इजराइली हमले में मीडिया संस्थानों के दफ्तरों वाली इमारत को निशाना बनाए जाने और उसे ध्वस्त किए जाने की घटना की स्वतंत्र जांच का आह्वान करते हुए कहा है कि लोग हकीकत जानना चाहते हैं।

गाजा सिटी की इस बहुमंजिला इमारत में एपी, अल–जजीरा और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। मीडिया पर नजर रखने वाली संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के कार्यालय वाली इमारत पर इजराइल की बमबारी की जांच का अनुरोध किया है। एपी की कार्यकारी संपादक सैली बज्बी ने रविवार को कहा कि इजराइल की सरकार ने 12 मंजिला इमारत अल–जला टावर पर हमले को लेकर स्पष्ट सबूत मुहैया नहीं कराए हैं।इजराइल की सेना ने एपी के पत्रकारों और इमारत में रहने वालों को एक घंटे में उसे खाली कर देने को कहा था। सेना का दावा था कि हमास का सैन्य खुफिया कार्यालय और आयुध से संबंधित कार्यालय भी इस इमारत में थे। इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कोनरिकस ने कहा कि इजराइल अमेरिका के लिए सबूत जुटा रहा है लेकिन दो दिनों के भीतर इसे सौंपने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, अभी लड़ाई चल रही है। मैं आश्वस्त हूं कि उन्हें सूचना मुहैया कराई जाएगी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास की मौजूदगी को लेकर सबूत खुफिया माध्यम से साझा करेगा। बज्बी ने कहा कि अल–जला टावर में 15 साल से एपी का कार्यालय था और कभी ऐसा संकेत नहीं मिला कि वहां पर हमास के भी कार्यालय थे। उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने चाहिए। बज्बी ने कहा, हम संघर्ष में फंसे हुए हैं। हमें संघर्ष में किसी की तरफदारी नहीं करनी है। हमने इजराइल के कई लोगों को यह कहते हुए सुना है कि उनके पास सबूत हैं। अगर ऐसा है तो उन्हें सबूत साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा, उचित होगा कि कल जो भी हुआ उसकी स्वतंत्र जांच कराई जाए। पेरिस स्थित रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने न्यायालय के मुख्य अभियोजक को एक पत्र में कहा है कि पिछले छह दिनों में 23 अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय मीडिया संगठनों के कार्यालय ध्वस्त कर दिए गए।

मैक्सिको की एंड्रिया मेजा बनी 69वीं मिस यूनिवर्स

हॉलीवुड। मैक्सिको की एंड्रिया मेजा ने मिस यूनिवर्स का 69वां खिताब अपने नाम किया है। मेजा ने रविवार की रात को मिस ब्राजील को शिकस्त देकर यह ताज जीता है। गत विजेता जोजिबिनी तुंज़ी ने मेज़ा के सिर पर मिस यूनिवर्स का ताज सजाया। मेज़ा के पास सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री है। तुंज़ी एक जनसंपर्क पेशेवर हैं। दक्षिण अफ्रीकी की रहने वाली तुंज़ी मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने वाली पहली अश्वेत महिला हैं और उनके पास यह ताज दिसंबर 2019 से था, क्योंकि पिछले साल महामारी के कारण इस प्रतियोगिता को रद्द कर दिया गया था। समारोह की मेज़बानी एक्सेस हॉलीवुड्स की मारियो लोपेज और अभिनेत्री, मॉडल तथा 2012 में मिस यूनिवर्स रह चुकी ओलिवियो कुल्पो ने की।

पाक सरकार ने शहबाज शरीफ का नाम उड़ान प्रतिबंध सूची में शामिल किया

भाषा। इस्लामाबाद

प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान सरकार ने विपक्ष के नेता शहबाज़ शरीफ का नाम उड़ान प्रतिबंध सूची में शामिल कर लिया है। इस वजह से वह उपचार के लिए देश से बाहर नहीं जा सकेंगे। वह भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस महीने के शुरू में लाहौर उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज़ (पीएमएल–एन) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के छोटे भाई शहबाज़ को इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी थी। जमानत मिलने के बाद, 69 वर्षी शहबाज़ को आठ मई को लंदन जाना था किंतु संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की टीम ने उन्हें हवाई अड्डे पर रोक लिया और बताया कि उनका नाम अस्थाई राष्ट्रीय पहचान सूची (पीएनआईएल) में हैं जो देश छोड़ने पर अस्थाई रोक लगाती है।शहबाज़ को आठ मई को दोहा जाने वाली उड़ान से उतरना पड़ा। सोमवार को यहां एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा कि शहबाज़ का नाम संघीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद निकास नियंत्रण सूची (ईसीएल) में है।

गृह मंत्रालय की एक विशेष समिति ने 12 मई को कैबिनेट को प्रस्ताव दिया था कि भ्रष्टाचार के मामलों के कारण शहबाज़ को देश छोड़ने से रोका जाना चाहिए। पिछले महीने जेल से छूटने के बाद शहबाज़ मेडिकल जांच के लिए लंदन जाना चाहते थे। गृह मंत्री ने कहा कि शहबाज़ ने विदेश यात्रा के लिए कोई मेडिकल दस्तावेज जमा नहीं कराए हैं और न ही अपनी बीमारी के इलाज के बारे में बताया था। पिछले हफ्ते शहबाज़ ने यात्रा काली सूची में अपना नाम शामिल किए जाने को चुनौती दी थी और एक बार इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। शीर्ष पीएमएल–एन नेता ने कहा,"मैं कैंसर रोगी हूं और मैंने न्यूयॉर्क और लंदन में इलाज कराया है। मैं सात महीने से अधिक समय तक उपचार नहीं करवा सका क्योंकि मैं जेल में था। उन्होंने कहा कि जेल में की गई जांच रिपोर्ट के आधार तत्काल उपचार की जरूरत है। अहमद ने कहा कि शहबाज़ ने अपने भाई नवाज़ की जमानत दी थी। लेकिन उन्हें वापस लाने के बजाय, वह स्वयं भागने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, यदि नवाज़ शरीफ नहीं लौटे तो शहबाज़ वापस क्यों आएंगे? यह सामान्य ज्ञान की बात है"शरीफ नवंबर 2019 से "मेडिकल आधार" पर लंदन में हैं। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने यह भी कहा कि कैबिनेट से मंजूरी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शहबाज़ का नाम उड़ान प्रतिबंध (नो फ्लाई) सूची में शामिल किया गया है। इस बीच, सरकार के इस कदम की आलोचना करते हुए पीएमएल–एन के नेता आज़म नजीर तरार ने कहा कि पार्टी अदालत की अवमानना का मामला दायर करेगी, क्योंकि सरकार अदालती आदेश के बाद भी शहबाज़ को देश से बाहर नहीं जाने दे रही है।

सुनिधि की 'ये रंजिशें'

गायिका सुनिधि चौहान ने लगभग दो दशकों बाद एक गीत जारी किया है। इस संबंध में उन्होंने पायनियर के साथ कुछ अनछुए पहलुओं को साझा किया:

हर गाने के पीछे हमेशा एक अनकही कहानी होती है। हालांकि उनमें से कुछ कहानियां किसी न किसी तरह से सामने आती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर सुर्खियों से दूर, पर्दे के पीछे एक रहस्य बनी रहती हैं। गायिका सुनिधि चौहान, जिन्होंने हाल ही में लगभग दो दशकों के बाद अपना नवीनतम एकल ये रंजीशीं रिलीज़ किया, अपने पांच पसंदीदा गीतों के बारे में कुछ अज्ञात जानकारी साझा करती हैं।

हुई हुई मैं मस्त (1999)

यह बहुत से लोग नहीं जानते हैं लेकिन रिकॉर्डिंग के दिन स्टूडियो में इस गाने को गाने के लिए मेरे पास कोई आवाज नहीं थी। निर्धारित रिकॉर्डिंग से ठीक तीन दिन पहले, मैंने अपनी आवाज खो दी थी और मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि अगर मैं वास्तव में इस अवसर का उपयोग करना चाहती हूं, तो मुझे अपना मुंह ठीक उसी क्षण तक बंद रखना होगा जब जब स्टूडियो में मेरे सामने माइक्रोफोन होगा। उन्होंने कहा ''यदि आप अगले तीन दिनों के दौरान बिल्कुल भी बोलते हैं, तो आप अपनी आवाज खो देंगे। यदि आप वास्तव में इसे इतना बुरा चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप चुप रहें। रिकॉर्डिंग के दिन सीधे माइक पर गाएं।'' मैं यह सुनकर परेशान हो गई थी, खासकर क्योंकि मैं ऐसी हूं जो अभ्यास और अभ्यास में लगभग थकावट के बिंदु पर विश्वास करती है। हालांकि, एक बदलाव के लिए, मैंने अपने डॉक्टर के निर्देशों का पालन किया और उनकी हिम्मत के अनुरूप काम किया। मैं वास्तव में डर गई थी, कल्पना नहीं कर सकती थी कि एक खराब गले के साथ क्या कर पाऊंगी। आखिरकार यह सब अच्छा रहा। मेरे डॉक्टर की सोच सही थी और मेरी आवाज वापस सामान्य हो गई थी और हमने सफलतापूर्वक गाना रिकॉर्ड किया था।

आज सोचा तो आंसू भर आए : हंसते ज़ख्म (1973)

मेरा दूसरा सर्वकालिक पसंदीदा गीत लता मंगेशकर द्वारा गया, 'आज सोचा तो आंसू भर आए', और यह मदन मोहन जी द्वारा रचित है। हर बार जब मैं वह गाना सुनती हूं, तो मैं कहीं और पहुंच जाती हूं। मैं लता जी की आवाज़ और उस गीत में उनके द्वारा लाई गई भावनाओं में खो जाने के अलावा कुछ नहीं कर सकती। जबकि मैं एक दुखी व्यक्ति नहीं हूं, मेरे पास लंबे समय से दुखी होने के लिए कुछ भी नहीं है, मैं मदद नहीं कर सकती लेकिन इस गीत से इतना संबंधित हूं। इस गाने में लता जी की आवाज सुनते ही मेरी आंखें छलकने लगती हैं।

दिल में जागी धड़कन ऐसी : सुर (2002)

ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं इस गीत को कभी भूल न सकूं; जाहिर है इसकी रचना के कारण। एमएम कीरवानी सर को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे यह खूबसूरत गाना दिया। इस गाने के पीछे एक छोटी सी कहानी यह है कि मुखड़े को एक सांस में गाया जाना था और मैं मदद नहीं कर सकता था लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ऐसा करना मेरे लिए शारीरिक रूप से संभव होगा क्योंकि इसमें बहुत सारी लाइनें थीं। लेकिन कीरवानी सर चाहते थे कि यह एक सांस में हो और उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि मैं यह कर सकती हूं। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें मुझ पर विश्वास है और मुझे जितना हो सके अभ्यास करने के लिए अपना समय निकालना चाहिए। मुझे लगभग 45 मिनट से एक घंटे तक का समय लगा, शायद अधिक। मैंने समय का ट्रैक खो दिया लेकिन जब मैं माइक पर आई, तो किसी तरह उसे पकड़ लिया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं एक सांस में वह मुखड़ा गाने में कामयाब हो गई हूं। यह एक स्मृति है जो बाहर खड़ी है, यह वास्तव में एक पागलपन भरा समय था।

रहना तू : दिल्ली-6 (2009)

'रहना तू' एआर रहमान सर और प्रसून जोशी द्वारा मेरी सर्वकालिक पसंदीदा है। उन्होंने एक उत्कृष्ट कृति बनाई है। माधुर्य और गीत, यह मुझे एक ऐसी जगह ले जाता है जहां से मैं वापस नहीं आना चाहती। और मैंने इसे हजारों बार पहले ही सुना होगा लेकिन यह एहसास कभी कम नहीं होता...

ले चले : माई ब्रदर निखिल (2005)

मुझे यहां ले चले का जिक्र करना है। जब इस गाने की रचना करने वाले विवेक फिलिप और (ओनिर) अनिर्बान, जो फिल्म के निर्देशक हैं, ने मुझे इस गाने को गाने के लिए संपर्क किया, तो मुझे यह बेहद पसंद आ गया। मैं माधुर्य के लिए ऊंची एड़ी के जूते पर था। मैं इस गाने के पीछे की एक कहानी साझा करना चाहता हूं, जो बहुत से लोग नहीं जानते, वास्तव में कोई नहीं जानता। स्टूडियो में यह गाना गाते समय मेरा दम घुट रहा था। मैंने इसे बहुत स्पष्ट नहीं करने की कोशिश की क्योंकि मुझे पता था कि अगर मैंने गाना बंद कर दिया तो मैं रोना शुरू कर दूंगी। इसे गाते समय अपनी भावनाओं को काबू में रखना वाकई मुश्किल था। और ध्यान रहे, इससे पहले कि मुझे फिल्म में इस गीत के संदर्भ के बारे में पता चला। यह विशुद्ध रूप से जादुई था, वह राग मेरे साथ क्या कर रहा था। वे नोट मुझे पागल कर रहे थे और मैं खुद को बार-बार घुटता हुआ महसूस कर सकती थी। यह कोई नहीं जानता, अनिर्बान या विवेक भी नहीं... मुझे लगता है कि अब उन्हें यह पता चल जाएगा।

कठिन मगर खूबसूरत यात्रा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने पाताल लोक में अपने चरित्र के लिए आधे-अधूरे मन से ऑडिशन दिया योंकि उन्हें अस्वीकृति का डर था और इसलिए भी कि वह शृंखला के कास्टिंग डायरे टर थे।

लगभग एक साल हो गया है जब दुनिया ने अभिनेता अभिषेक बनर्जी को क्राइम-थ्रिलर श्रृंखला पाताल लोक में शानदार प्रदर्शन करते देखा था। प्रोजेक्ट से पहले कॉमिक भूमिकाओं में अभिनय करने के बाद, अभिषेक ने प्रशंसकों को दिखाया कि दूसरी शैली में भूमिकाएं निभाते समय वह कितने बहुमुखी हो सकते हैं। उन्होंने अब उस समय से अपना अनुभव साझा किया है जब वह इसी नाम की श्रृंखला की शूटिंग कर रहे थे।

''सुदीप (शर्मा) सर एक दिन थिएटर में स्त्री देखने गए और उन्होंने अगले दिन मुझे यह कहते हुए फोन किया कि वह चाहते हैं कि मैं विशाल त्यागी (हथोदा त्यागी) के किरदार के लिए कोशिश करूं।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने मेरी आंखों में एक पागल देखा।'' यह चौंकाने वाला था क्योंकि मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैं खुद को आईने में देख रहा था अपने अंदर पागल को ढूंढ रहा था। शुरुआत में, मुझे भूमिका रोमांचक नहीं लगी, त्यागी के पास ज्यादा संवाद नहीं थे, यहां तक कि अन्य पात्रों की तुलना में स्क्रीन टाइम भी कम था! मैं ऑडिशन देने के बारे में आधे-अधूरे मन से था और साथ ही मैं कास्टिंग डायरेक्टर भी था, इसलिए मैं ऐसी शर्मनाक स्थिति में नहीं रहना चाहता था, जहां मुझे टीम से खुद की अस्वीकृति की खबर सुनने को मिले।

''हालांकि, कर्णेश (शर्मा) सर और सुदीप सर दोनों आश्वस्त थे कि मैं इसके साथ अच्छा काम कर सकता हूं। हाथोदा की भूमिका के लिए मैंने उन्हें जो अन्य विकल्प प्रस्तुत किए, वे उन्हें पसंद नहीं आ रहे थे! अंत में एक लंबे आंतरिक द्वंद्व के बाद, मैंने हिम्मत जुटाई और ऑडिशन दिया। मैंने इसे अपना सब कुछ दे दिया लेकिन फिर भी जब मैंने उन्हें परीक्षा भेजी तो मैं घबरा गया। अगली सुबह कर्णेश सर ने फोन किया, मैंने उसे उत्सुकता से उठाया। मुझे बताया गया कि वे वास्तव में मेरे ऑडिशन को पसंद करते हैं और मैं इसमें शामिल हूं। ओह! यह एक ऐसी राहत थी। लेकिन यह एक कठिन लेकिन खूबसूरत यात्रा की शुरुआत मात्र थी।''

कड़ी आलोचनात्मक प्रशंसा के लिए खुलने के साथ ही श्रृंखला को बहुत प्रशंसा मिली। हाथोदा त्यागी के किरदार के लिए अभिषेक को भी काफी सराहना मिली थी। श्रृंखला में उनकी भूमिका ने वास्तव में उन्हें परदे पर कॉमेडी व्यक्तित्व से मुक्त होने में मदद की।

उनकी हाल ही में रिलीज़ हुई एंथोलॉजी फिल्म, अजीब दास्तान, फिर से एक सफल आउटिंग थी। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी काबिलियत साबित करते रहते हैं। उनके पास अब पांच परियोजनाएं हैं जो विकासशील चरणों में काफी कुछ और हैं। अभिषेक अगली बार रश्मि रॉकेट, भेदिया, आंख मिचोली, दोस्ताना 2 और हेलमेट में दिखाई देंगे।

'बड़ा मज़ा आता है बच्चों के साथ काम करने में!'

लविना टंडन, दंगल टीवी पर एक फंतासी शो, निक्की और जादुई बबल में झंझरिका की भूमिका निभा रही हैं। शालिनी ससेना के साथ अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया।

निक्की और जादुई बबल किस बारे में है?

यह एक बच्चों का फंतासी शो है जहां असली दुनिया है और जादुई जो एक साथ विलीन हो जाती है। कभी हमारे किरदार असली में होते हैं तो कभी जादुई। यह एक लड़की के बारे में है, निक्की; यह उसकी कहानी है। उसके पिता एक महान जादूगर हैं और अपनी प्रतिभा और दुनिया को अपने पिता को इस बात का एहसास कराए बिना देते हैं।

आपका किरदार इसमें क्या है?

मैं यहां ग्रे शेड बजाती हूं-झांझरिका। मैं जादू की दुनिया में महिलाओं के बीच एक जादूगर और शक्तिशाली भी हूं। वह हमेशा दुष्ट नहीं थी लेकिन फिर एक प्रतियोगिता हुई और वह हार गई। वह प्रतिष्ठित बुलबुला चाहती थी जिसमें अपार शक्ति हो और बुलबुला निक्की के पिता के पास गया, जिसे हिमांशु मल्होत्रा द्वारा निभाया गया था। यहीं से मेरा चरित्र नकारात्मक हो जाता है और मैं दुष्ट चुड़ैल बन जाती हूं और मेरा काम सभी को परेशान करना है।

आप प्रोजेक्ट में कैसे आईं?

मैं असिस्टेंट इंटर्न के रूप में एक और प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही थी। लेकिन मुझे स्क्रिप्ट मिलती रहती है क्योंकि मैंने दूसरे शो किए हैं। मैंने पहले भी धीरज कुमार के लिए काम किया है और मेरा अनुभव अच्छा था और ना कहने का कोई कारण नहीं देखा। मैंने जाकर ऑडिशन दिया। तीन सप्ताह के बाद मुझे एक पुष्टिकरण कॉल आया। लेकिन मैं गोवा में एक वेब सीरीज की शूटिंग कर रही थी और टीम से कहा कि एक बार काम पूरा हो जाने के बाद मैं इसमें शामिल हो जाऊंगी।

यह एक बच्चों का फंतासी शो है, क्या आप बहुत मज़ा कर रहे हैं?

हमने खूब मज़े किए। मेरे साथ दृश्यों में कोई वयस्क नहीं है। वयस्क हैं लेकिन हम कभी भी एक ही फ्रेम में नहीं होते हैं। अच्छी बात यह है कि गपशप होती है, माहौल तनावमुक्त होता है। एक नकारात्मकता है जैसे अन्य वयस्क शो में हो सकती है – उसे यह पोशाक मिली, मुझे नहीं; उसे यह आभूषण मिला, मुझे नहीं मिला। यहां ऐसी कोई बात नहीं है। बच्चे स्वाभाविक होते हैं, उनमें कोई दिखावा नहीं होता। वे आते हैं, शूटिंग करते हैं और अपनी पढ़ाई पर वापस चले जाते हैं। हमने एक साथ काफी समय बिताया और बातें कीं और आम तौर पर मस्ती की। मैंने भी उनसे बहुत कुछ सीखा। वे बहुत ऊर्जा से भरे हुए हैं।

बच्चों के साथ काम करना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

बच्चों के साथ काम करने में कोई चुनौती नहीं थी जैसे मैंने कहा कि शो में बच्चे बेहद बुद्धिमान हैं। मैंने खुद को यह कहते हुए स्तब्ध कर दिया कि यह बच्चों का शो है इसलिए मुझे उनके साथ काम करने के लिए धैर्य रखने की जरूरत है। लेकिन वे जल्दी सीखने वाले होते हैं। चुनौती लुक में आने के रूप में आई। मेरे पास दो हैं – एक सामान्य और दूसरी दुष्ट चुड़ैल। पोशाक बदलने और बदलने में समय लगता था।

आप अभिनय में कैसे आईं?

अभिनय में आने की मेरी कभी योजना नहीं थी। अभिनय ने मुझे चुना। मैं 12 साल की थी जब मेरी मां की दोस्त ज़ी टीवी पर एक शो – तुम बिन जाऊं कहां – के लिए समन्वय कर रही थी – जिसमें घुंघराले बालों वाली लड़की की आवश्यकता थी। यह अरुणा ईरानी प्रोडक्शन हाउस का एक शो था। मैं ऑडिशन के लिए गई और चयनित हो गई। जैसे ही मैं कैमरे के सामने खड़ी हुई, उन्होंने मुझे चुना क्योंकि मैंने उनके किरदार को एक टी में फिट किया। मैंने 70-80 एपिसोड शूट किए। लेकिन फिर मेरी सातवीं कक्षा का फाइनल आ गया और मुझे शो छोड़ना पड़ा। लेकिन मुझे कभी-कभी बैक-टू-बैक काम मिलता रहा।

हीरो भक्ति ही शक्ति है एक ऐसी भूमिका थी जिसे आपने किया और सबका ध्यान खींचा। क्या शो ने लोकप्रिय बनाया?

यह कुछ सुपरहीरो शो में से एक था। उस समय केवल शक्तिमान थे। हीरो भक्ति... लोकप्रिय हो गई क्योंकि कहानी दिलचस्प थी और बच्चों को आकर्षित करती थी। साथ ही, हर हफ्ते एक नया किरदार होता था जो दिलचस्पी बनाए रखता था। बच्चे तब टीवी देखते थे। आज वे अपने मोबाइल, वीडियो गेम और सोशल मीडिया से चिपके हुए हैं।

क्या कोई ऐसी भूमिका है जिसे करने से आपको नफरत थी?

नहीं वास्तव में नहीं। मैंने खुद को कभी भी ऐसी स्थिति में नहीं रखा जहां मुझे कुछ करने से नफरत हो गई। अभिनय मेरा पेशा है। अगर मैं इससे प्यार नहीं करती तो मैं अपने द्वारा किए गए किरदारों के साथ न्याय नहीं कर सकती।

आगे क्या?

इस समय, मैं महामारी के कारण किसी भी चीज़ पर काम करने को तैयार नहीं हूं। मैं किराने का सामान खरीदने के लिए बाहर जाने से भी डरती थी, शूटिंग के लिए बाहर जाने की बात तो दूर। लेकिन मैं निक्की और के लिए प्रतिबद्ध हूं... इसलिए मैं इसकी शूटिंग करूंगी, लेकिन फिलहाल कोई नया प्रोजेक्ट नहीं है।

बदलाव की बयार

फिल्म उद्योग की महिलाएं इस प्रमुख धारणा को बदल रही हैं कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता के लिए एक पुरुष कलाकार का होना जरूरी है।

पिछले दो दशकों में, हमने भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है। जबकि एक बार व्यापक रूप से यह माना जाता था कि केवल एक पुरुष सितारा ही किसी फिल्म को ब्लॉकबस्टर में बदल सकता है, आज यह सूत्र अप्रचलित हो गया है। अभिनेत्रियां अब सबसे आगे हैं, और परिवर्तन की अंतिम आवाज़ बनने के लिए प्रमुख, मादक भूमिकाएं निभा रही हैं। बॉलीवुड की महिलाओं का जश्न मनाते हुए, आज हमने पांच अभिनेताओं को सूचीबद्ध किया है जिन्होंने वर्षों में अपने नॉकआउट प्रदर्शन से शो को चुरा लिया।

प्रियंका चोपड़ा

दुनिया भर में एक जाना-पहचाना नाम, प्रियंका चोपड़ा जोनास सबसे लंबे समय से कांच की छतें तोड़ रही हैं और निश्चित रूप से उन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उनका वैश्विक सुपरस्टारडम और विशाल फैनबेस इस बात का सबूत है कि वह अजेय हैं। अपने दो दशक लंबे बॉलीवुड करियर में, चोपड़ा ने ऐतराज़ (2004), फैशन (2008), कमीने (2009), 7 खून माफ़ (2011), अग्निपथ (2012), बर्फी! (2012), मैरी कॉम (2014), दिल धड़कने दो (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), द स्काई इज़ पिंक (2019) और नवीनतम वैश्विक रिलीज़ द व्हाइट टाइगर (2021) सहित कई अन्य। राष्ट्रीय और फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री को अगली बार मैट्रिक्स 4 में कीनू रीव्स के साथ देखा जाएगा।

यामी गौतम

2012 में विक्की डोनर के साथ अपने सपनों के बॉलीवुड डेब्यू के बाद से, यामी गौतम दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाने में कामयाब रही हैं। आठ साल से अधिक के अपने करियर में, यामी ने आज खुद को उद्योग में सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है। उन्हें बदलापुर (2015), काबिल (2017), उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक (2019), बाला (2019) और नेटफ्लिक्स पर उनकी हालिया रिलीज़, गिन्नी वेड्स सनी (2020) जैसी फिल्मों में विभिन्न शक्तिशाली प्रदर्शनों का श्रेय दिया जाता है। इस बीच, वह इस साल कई रिलीज़ के साथ बॉक्स-ऑफिस पर तूफान मचाने के लिए तैयार है। अपने हालिया प्रदर्शनों पर ध्यान देते हुए, यामी रुकने के मूड में नहीं है और अपने प्रदर्शन के साथ आश्चर्यजनक सिनेप्रेमियों को जारी रखना निश्चित है। यामी की नवीनतम परियोजना, भूत पुलिस नामक एक डरावनी साहसिक कॉमेडी है, जो 10 सितंबर को रिलीज होने वाली है ।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू के बारे में सोचें और आप जानते हैं कि हम एक शानदार, बहुमुखी कलाकार के बारे में बात कर रहे हैं। फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने अपनी 2020 की रिलीज थप्पड़ के साथ बहुत शोर मचाया, जो निस्संदेह उनका अब तक का सबसे शक्तिशाली प्रदर्शन है। तापसी को सांड की आंख (2019), मनमर्जियां (2018), मुल्क (2018) और पिंक (2016) जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए भी जाना जाता है। प्रयोगात्मक अभिनेत्री के पास लूप लापेटा (1998 की जर्मन थ्रिलर रन लोला रन की आधिकारिक रीमेक), रश्मि रॉकेट, दोबारा, हसीन दिलरुबा और राहुल ढोलकिया की मिताली राज पर निर्देशित बायोपिक शाबाश मिठू सहित कुछ दिलचस्प परियोजनाएं हैं।

आलिया भट्ट

आज उद्योग में सबसे अधिक बैंक योग्य नए जमाने की अभिनेत्री के रूप में सम्मानित, आलिया भट्ट को एक निर्देशकों की पसंदीदा के रूप में जाना जाता है। इन वर्षों में, आलिया ने अपने करियर में इम्तियाज अली की हाईवे (2014) और उड़ता पंजाब (2016) से लेकर गौरी शिंदे की डियर ज़िंदगी (2016), मेघना गुलज़ार की राज़ी (2018) और जोया अख्तर की गली बॉय (2019) तक कुछ असाधारण प्रदर्शन किए हैं। . इन वर्षों में, उन्होंने अपने प्रदर्शन से आलोचकों और दर्शकों को समान रूप से आश्चर्यचकित किया है। 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, वह सिर्फ आठ साल की अवधि में एक घरेलू नाम बन गई। उनकी आगामी रिलीज़ में संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी, ब्रह्मास्त्र, एसएस राजामौली की आरआरआर और करण जौहर की महत्वाकांक्षी 'तख्त' शामिल हैं।

अनुष्का शर्मा

दर्शकों को हमेशा कुछ नया देने के लिए जानी जाने वाली, अनुष्का ने शाहरुख खान के साथ रब ने बना दी जोड़ी (2008) में अपनी शुरुआत से ही लेखक-समर्थित भूमिकाओं के साथ बार-बार दिल जीता है। अभिनेत्री जो एनएच 10 (2015) के साथ निर्माता बनीं। उन्होंने सुल्तान (2016), सुई धागा (2018) और ज़ीरो (2018) सहित कई फिल्मों में प्रभावशाली प्रदर्शन किए हैं। खबरों के मुताबिक, अनुष्का अगली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी की बायोपिक में दिखाई देंगी ।